Quick Revision Book

मिनित्या™
पब्लिकेशन®

भारत का संविधान एवं राजव्यवस्था

परीक्षोपयोगी सामान्य सीरिज-1

RAS, I, II Grade Teacher, REET, HM, B.Ed., राज.पुलिस, रेलवे, ग्रामसेवक, पटवारी, हॉस्टल वार्डन एवं अन्य सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में निश्चित सफलता हेतु मानक पुस्तक

संकलनकर्ता
हल्दीघाटी शैक्षणिक टीम

भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था

सत्यमेव जयते

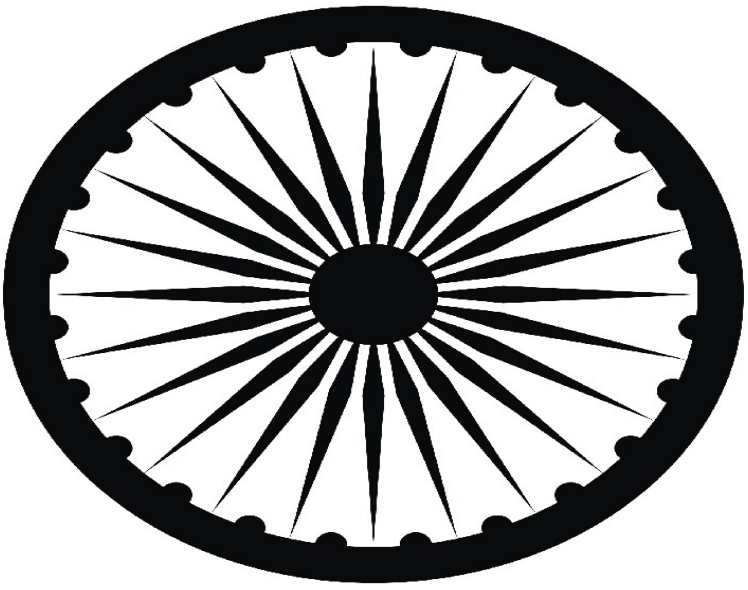

भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों की विस्तृत व्याख्या के साथ परीक्षोपयोगी वन लाईनर एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के संग्रह अर्थात् 'गागर में सागर' को चरितार्थ करने वाली एकमात्र मानक पुस्तक

© प्रकाशकधीन

प्रथम संस्करण नवंबर 2012-13
द्वितीय संस्करण जुलाई 2013-14
तृतीय संशोधित संस्करण सितंबर 2016-17
चतुर्थ संस्करण जनवरी 2017-18
पंचम् संस्करण अगस्त 2017-18
षष्ठ्म संशोधित संस्करण जून 2019-20

प्रकाशक:-
मिनित्या पब्लिकेशन®
रामनगर एक्सटेंशन, सोडाला
जिला-जयपुर (राज.)
मोबाईल-8233747470

ब्रांच ऑफिस
चौड़ा रास्ता, भगवती कॉलेज के पास
गंगापुर सिटी जिला-सवाई माधोपुर (राज.)
मोबाईल-9799068893

मुख्य वितरक
जितेन्द्र बुक हाऊस, गंगापुर सिटी मो-9828565850

मूल्य-120 रुपये मात्र (विद्यार्थियों हेतु 55%कमीशन)

इस पुस्तक को तैयार करने में यद्यपि पूर्ण सावधानी बरती गई है। फिर भी किसी भी प्रकार की त्रुटि, तथ्यात्मक गलती के लिए प्रकाशक एवं लेखक जिम्मेदार नहीं होंगे।
इस पुस्तक का कोई भी अंश अथवा भाग फोटोकॉपी, स्केन अथवा किसी अन्य युक्ति द्वारा छापना अथवा तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करना कानूनन अपराध माना जाएगा। किसी भी परिवाद के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

प्रिय विद्यार्थियों,

आपको जानकर अत्यन्त हर्ष होगा कि भरतपुर संभाग का एकमात्र सफलतम कोचिंग संस्थान **हल्दीघाटी कॉम्पीटीशन क्लासेज** के द्वारा वर्तमान की परीक्षाओं की जटिलता का सूक्ष्म निरीक्षण करते हुए उनके समाधान की सफल औषधि प्रदान करने के लिए अनुभवी प्राध्यापकों के सुझाव एवं परामर्श को ध्यान में रखते हुए इस पुस्तक को आपके समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

पुस्तक में वर्णित विषय सामग्री संपूर्ण नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित है। साथ ही शिक्षण के मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों को ध्यान में रखकर पाठ्य सामग्री का समावेश किया गया है। इस पुस्तक में दी जा रही पाठ्य सामग्री का संकलन विभिन्न सारगर्भित पुस्तकों व एनसीईआरटी की पुस्तकों से ग्रहण करके सरल व सटीक भाषा में समावेषित किया गया है।

हमारा मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को वर्तमान के इस विज्ञापनवादी संस्कृति व मिथ्या प्रचारवादी भ्रम से निकालकर उन्हें एक उत्कृष्ठ व रोचक पाठ्य साामग्री उपलब्ध कराना है। ताकि विद्यार्थी किसी भी भ्रम या भ्रांति में न पड़कर एक सही पुस्तक का चयन करके अपनी प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छे अंक से सफलता प्राप्त कर सके।

प्रिय विद्यार्थियों इस पुस्तक को साकार बनाने में **हल्दीघाटी कॉम्पीटीशन क्लासेज** की अनुभवी एवं दक्ष फैकल्टी **रमन पटेल, संतोष ठेकला** का सराहनीय योगदान रहा है।

हल्दीघाटी कॉम्पीटीशन क्लासेज की छः वर्ष की सफलता के उपलक्ष्य में **हल्दीघाटी कॉम्पीटीशन क्लासेज** के अनुभवी अध्यापकों की कड़ी मेहनत और ज्ञान के प्रकाश को संपूर्ण राजस्थान की प्रतियोगियों तक पहुंचाने के लिए इस पुस्तक का निर्माण किया गया है। मुझे यकीन ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि हमारी प्रेरणा और आपका प्रयास निश्चित रूप से आपको सफलता के मुकाम तक पहुंचाने में मदद करेगा।

निदेशक

एस.एस.बैंसला

मो-9799068893, 8005717229

❊ संवैधानिक इतिहास ❊

- किसी भी देश के संविधान का निर्माण सदैव उसके अतीत की नींव पर किया जाता है। अतः किसी भी विद्यमान तथा लागू संविधान को समझने के लिए उसकी पृष्ठभूमि तथा उसके इतिहास को जानना आवश्यक है।
- प्राचीन भारत में ऋग्वेद तथा अथर्ववेद में **सभा** (आम सभा) तथा **समिति (वयोवृद्धों की सभा)** का उल्लेख मिलता है। जो इस बात का साक्ष्य है कि भारतीय इतिहास के वैदिकोत्तर काल में अनेक सक्रिय गणतंत्र विद्यमान थे
- ई.पू. चौथी शताब्दी में **क्षुद्रक मल्ल संघ** नामक गणतंत्र ने सिकंदर का डटकर मुकाबला किया था। वह राज्य एक गणतंत्र था। उसका शासन एक सभा चलाती थी। उसका **एक निर्वाचित अध्यक्ष** होता था और उसे **नायक** कहा जाता था।
- 10वीं शताब्दी में **शुक्राचार्य ने नीतिसार** की रचना की जो **संविधान पर लिखी गई पुस्तक है।**
- ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर **बेबीलोनिया का हम्मूराबी संहिता** को संविधान का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता है।
- सही रुप में दस्तावेजों का संहिता करण रोमन साम्राज्य के तहत किया गया जिसे ***Twelve Table*** कहा गया था। इसे **बारह तख्तियों का कानून** कहा जाता है।
- आधुनिक **संविधान का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत** 1776 का अमेरिकी संविधान है। अमेरिकी संविधान को **आधुनिक युग का पहला लिखित संविधान** माना गया है।
- इंग्लैण्ड का संविधान **अलिखित संविधान** है। इंग्लैण्ड के संविधान को **संयोग और बुद्धिमता का शिशु** कहा गया है

भारत में आगमन से पूर्व इस देश के अनंत वैभव की कथाओं से विश्व का कोई भी राष्ट्र अनभिज्ञ न था। भारत **सोने की चिड़िया** कहलाता था। ब्रिटेनवासी भी भारत की धन सम्पदा एवं समृद्धि से अवगत थे और भली भांति इस बात को जानते थे कि भारत भविष्य में उनके खुलेबाजार की मांग की पूर्ति कर सकता है। इसी बीच **रैल्फफिट्ज** नामक एक प्रसिद्ध व्यापारी भारत, बर्मा आदि में लंबे प्रवास के बाद 1594 में इंग्लैण्ड वापस पहुँचा। भारत में अनुकुल व्यापारिक परिस्थितियों के विषय में अनेक रोचक कथाएँ उससे सुनकर ब्रिटेनवासी अत्यंत प्रभावित हुए। **सितम्बर 1599 में** लंदन के कुछ व्यापारियों ने **लॉर्ड मेयर की अध्यक्षता** में एक सभा का आयोजन किया। इसमें पूर्वी द्वीप समूह के साथ व्यापार करने के आशय से एक कंपनी का गठन किया गया। इस कंपनी का नाम **'गवर्नर एण्ड कम्पनी ऑफ मर्चेन्ट्स ऑफ लंदन ट्रेडिंग इन टू दि ईस्ट इंडीज रखा गया।'**

- 31 दिसम्बर 1600 को ब्रिटिश महारानी ने कम्पनी को 15 वर्षो के लिए इस कंपनी को व्यापारिक अधिकार पत्र (चॉर्टर) प्रदान किया। 1708 में इस कंपनी का नाम बदलकर **'द यूनाईटेड कम्पनी ऑफ मर्चेन्ट्स ऑफ इंग्लैण्ड ट्रेडिंग इन टू द ईस्ट इंडीज'** कर दिया गया। कंपनी का **यह नाम 1833 तक रहा।** 1833 के चॉर्टर में इस कंपनी का नाम **'ईस्ट इंडिया कंपनी'** कर दिया गया।

❊ संविधान की परिभाषा ❊

- **1922 में महात्मा गाँधी के शब्दों में** 'भारतीय संविधान का निर्माण भारतीयों की इच्छानुसार होना चाहिए'
- **1924 में मोतीलाल नेहरु के शब्दों में** 'भारतीय संविधान के निर्माण के लिए संविधान सभा का गठन किया जाना चाहिए।

संविधान शब्द का **सर्वप्रथम प्रयोग ब्रिटिश नागरिक सर हैनरीमैन** ने किया था। संविधान शब्द **लैटिन भाषा के *Constitare*** शब्द से बना है, जिसका अर्थ होता है प्रबंध करना या व्यवस्था करना।

- लिखित या अलिखित नियमों का एक ऐसा संकलन जिससे किसी देश या राज्य या क्षेत्र विशेष का व्यवस्थित शासन संचालित किया जा सके **संविधान** कहलाता है
- संविधान एक स्वतंत्र विषय नहीं है जबकि राजव्यवस्था का एक अनुसंगिक निकाय है।
- राजव्यवस्था का प्रतिपादन **डेविड ईस्टन** ने किया था।
- डेविड इस्टन ने अपनी **प्रसिद्ध पुस्तक द पोलटीकल सिस्टम (The Poltical System)** में राजव्यवस्था एवं संविधान दोनों की व्याख्या की है।
- विश्व में सर्वप्रथम संविधान की आवश्यकता इग्लैण्ड में महसूस की गई अत: **इग्लैण्ड को कानून की या संविधान की जननी** कहा जाता है।
- संविधान दो प्रकार का होता है।

(1) लिखित:- वह संविधान जिसका निर्माण संविधान सभा या एक संगठन विशेष के द्वारा किया गया हो लिखित संविधान कहलाता है।

- **विश्व का प्राचीनतम लिखित संविधान संयुक्त राज्य अमेरिका का है।**

(2) अलिखित:- वह संविधान जिसका निर्माण किसी संगठन या संविधान सभा के आधार पर स्वत: ही हो गया हो अलिखित संविधान कहलाता है।

- **इग्लैण्ड का संविधान संपूर्ण विश्व का प्राचीनतम अलिखित संविधान है।**
- विश्व के संविधानों में **सबसे बड़ा लिखित संविधान भारत का** हैं जबकि **सबसे छोटा लिखित संविधान संयुक्त राज्य अमेरिका** का है।

नोटः- भारतीय संविधान को विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान कहने वाला विद्वान **''सर आइवर जैनिंग्स''** था।

- सर आइबर जैनिंग्स ने ही भारतीय संविधान को **'उधार का थैला मात्र'** कहा है।
- भारत के पड़ौसी देशों में **मालदीव एकमात्र देश है** जिसका **अलिखित संविधान** है।
- भारत में संविधान का जनक **एम.एन. रॉय** को माना जाता है (मानवेन्द्र नाथ रॉय)
- भारत के संवैधानिक विकास को दो चरणों में विभाजित किया जाता है।

(1) चार्टर एक्टः- वह प्रतिवेदन जिसमें कम्पनी के शासन को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने हेतु (नियमों का प्रतिपादन किया गया हो) चार्टर एक्ट कहलाया ।

नोटः-चार्टर एक ब्रिटिश संसद या ब्रिटिश वह प्रलेख था जिसमें कम्पनी के व्यवस्थित शासन को संचालित करने हेतु नियमों का उल्लेख किया गया था।

- ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना इंग्लैण्ड में हुई थी।
- 31 दिसम्बर 1600 ई. को इंग्लैण्ड की महारानी ने एक प्रलेख जारी किया जिसे **''रॉयल चार्टर एक्ट''** कहा गया।
- रॉयल चार्टर एक्ट कम्पनी को दिया गया वह पत्र था जिसमें पश्चिमी देशों के साथ किये जाने व्यापार का अनुबन्ध उल्लेखित है।
- **ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना के समय भारत का शासक अकबर था। जबकि भारत में ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना के समय भारत का शासक जहांगीर था।**
- कम्पनी का शासन व्यवस्थित रूप से 1665 से प्रारम्भ हुआ लेकिन भारत में अंग्रेजी साम्राज्य की स्थापना 1757 के प्लासी के युद्ध में की।

❊ संवैधानिक विकास ❊

भारत में बिट्रिश राज्य को दो चरणों में विभाजित किया जा सकता है- 1858 ई. तक कंपनी राज और 1858 ई. से 1947 ई. तक क्राउन राज (अर्थात प्रत्यक्ष रूप से बिट्रेन का शासन)। संविधान के विकास के महत्वपूर्ण चरण इस प्रकार है।

- **भारत में सर्वप्रथम 1773 के रेग्युलेटिंग एक्ट के द्वारा** कंपनी के शासन हेतु एक लिखित संविधान जनता के सम्मुख लाया गया।

❖ 1773 का रेग्युलेटिंग एक्ट ❖

- ✓ भारत में ईस्ट इण्डिया कंपनी से संबधित मामलों को विनियमित व नियंत्रित करने के लिए यह बिट्रिश सरकार का प्रथम प्रयास था।
- ✓ **इसके तहत बंगाल के 'गर्वनर' को तीनों प्रेसिडेन्सियों (बंगाल, बिहार, बम्बई) का गवर्नर जनरल नियुक्त किया गया।**
- ✓ प्रथम गवर्नर जनरल **वारेन हेस्टिंग्ज** बने थे। गवर्नर जनरल की सहायता के लिए एक कार्यकारिणी परिषद् बनाई गई जिसमें 4 सदस्य थे। जो निम्न प्रकार है। **क्लेवरिंग, मॉनसन, बेरवैल, फिलिप**
- ✓ 1774 में **फोर्ट विलियम** (कलकत्ता) में **एपेक्स न्यायलय** के रूप में उच्चतम न्यायालय की स्थापना की गई
- ✓ **इसके प्रथम न्यायधीश एलिजा इम्पै थे, तथा इनकी सहायता के लिए तीन अन्य न्यायधीश थे।**
- ✓ रेग्युलेटिंग एक्ट के दोषों को दूर करने के लिए 1781 में **एक्ट ऑफ सेटलमेंट** पारित किया गया

❖ 1784 का पिट्स इण्डिया एक्ट ❖

- ✓ विनियमन–अधिनियम की कमियों को दूर करने के लिए यह अधिनियम लाया गया। इस अधिनियम का नाम तत्कालिन बिट्रिश प्रधानमंत्री के नाम पर रखा गया।
- ✓ गवर्नर जनरल की परिषद् की सदस्य संख्या चार से तीन कर दी गई।
- ✓ इस चार्टर एक्ट को **रेग्यूलेटिंग एक्ट का पूरक एक्ट** कहा जाता है।
- ✓ कंपनी की व्यापारिक गतिविधियों को **कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स** तथा राजनीतिक गतिविधियों को **बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स** के अधीन कर दिया गया।

❖ 1833 का चार्टर एक्ट ❖

- ✓ **इसके तहत बंगाल के गर्वनर जनरल को भारत का गर्वनर जनरल बनाया गया।**
- ✓ **भारत के प्रथम गर्वनर जनरल विलियम बैंटिक थे।**
- ✓ भारत में कानूनों को संचालित तथा सुधारने के लिए एक **विधि आयोग** की स्थापना की गई।
- ✓ भारत में **दास प्रथा को गैर-कानूनी** घोषित कर दिया गया।

❖ 1853 का चार्टर एक्ट ❖

- ✓ **कंपनी के 'सिविल सर्वेण्ट्स'** की नियुक्ति के लिए खुली प्रतियोगिता परीक्षा की एक प्रणाली को आधार बनाकर प्रस्तुत किया गया।
- ✓ 1853 के चार्टर अधिनियम द्वारा **बंगाल के लिए एक अलग से लेफ्टिनेंट गवर्नर की व्यवस्था** की गई।
- ✓ 1853 ब्रिटिश संसद द्वारा पारित किए गए चार्टर अधिनियमों की श्रृंखला में **यह अंतिम अधिनियम** था।

Fact–सर्वप्रथम सिविल परीक्षा का प्रयोग मौर्यकाल में चाणक्य द्वारा किया गया था

❊ भारत के गवर्नर जरनल ❊

लॉर्ड विलियम बैंटिक	1833–20 मार्च 1835
सर चार्ल्स मैटकॉफ	20 मार्च 1835–4 मार्च 1836 अस्थायी
लॉर्ड ऑकलैंड	4 मार्च 1836–28 फरवरी 1842
लॉर्ड ऐलनबरो	28 फरवरी 1842–जून 1844
विलियम विबरफोर्स बर्ड	जून 1844–23 जुलाई 1844 अस्थायी
सर हैनरी हॉर्डिंग	23 जुलाई 1844– 12 जनवरी 1848
लॉर्ड डलहौजी	12 जनवरी 1848– 28 फरवरी 1856
लॉर्ड कैनिंग	28 फरवरी 1856– 1 नवंबर 1858

❖ 1858 का भारत शासन अधिनियम ❖

- ✓ 1858 का अधिनियम भारत का प्रथम अधिनियम था इसे **विक्टोरिया घोषणा पत्र** या **इलाहाबाद घोषणा पत्र** भी कहा जाता है।
- ✓ इसे शिक्षित वर्ग ने **अपने अधिकारों का मैग्नाकार्टा** कहा है।
- ✓ इस अधिनियम के तहत भारत के शासन, क्षेत्र तथा राजस्व को ईस्ट इण्डिया कंपनी से बिट्रिश क्राउन को हस्तान्तिरित कर दिया गया। दूसरे शब्दो में, **भारत में कंपनी के शासन को बिट्रिश क्राउन के शासन में हस्तान्तरित कर दिया गया**।
- ✓ बिट्रिश क्राउन की शक्तियों का प्रयोग **भारत मंत्री** या **भारत सचिव** द्वारा किया जाना था
- ✓ उसकी सहायता के लिए 15 सदस्यों वाली भारतीय परिषद थी।
- ✓ वह बिट्रिश संसद के प्रति अंतिम रूप से उत्तरदायी था।
- ✓ गवर्नर जनरल को **'द वायसराय ऑफ इण्डिया'** का पद नाम भी दिया गया है, एक

क्या आप जानते है–स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल लॉर्ड मांउटबेटन थे तो प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल सी.राजगोपालाचारी थे।

❖ 1892 का भारत परिषद् अधिनियम ❖

- ✓ 1892 का यह अधिनियम कांग्रेस की स्थापना के पश्चात् निरंतर सुधारों की मांग का प्रतिफल था।
- ✓ **सुरेन्द्रनाथ बनर्जी ने इसे प्रतिनिध्यात्मक शासन की नींव का प्रस्तर** की संज्ञा दी है।
- ✓ यद्यपि इसके तहत निर्वाचन पद्धति को लाया गया, परन्तु यह पद्धति परोक्ष प्रकार की थी।
- ✓ विधान परिषद के कार्यो को बढाया गया एंव उसे बजट पर विचार विर्मश करने तथा कार्यपालिका से प्रश्न करने की शक्ति प्रदान की गई।

❖ 1909 का भारत परिषद् अधिनियम ❖

- ✓ इस अधिनियम कों **'मार्ले-मिन्टो सुधार'** के नाम से भी जाना जाता है। (लार्ड मार्ले तथा लार्ड मिन्टों क्रमशः तत्कालीन भारत मंत्री तथा तत्कालीन गर्वनर जनरल थे)
- ✓ **केन्द्रीय विधानपरिषद** का नाम **औपनिवेशिक विधानपरिषद्** रखा गया।
- ✓ इस अधिनियम के तहत **'पृथक निर्वाचक मंडल'** की अवधारणा को स्वीकार कर मुसलमानो के सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था का सूत्रपात किया गया।
- ✓ इस अधिनियम में अंग्रेजों की **फूट डालो और राज करो** की नीति स्पष्ट होती है।

Fact–लार्ड मिन्टो को **सांप्रदायिक निर्वाचक मंडल के जनक** के रूप में जाना जाता है।

Holistic Competition Classes Gangapur City

❖ 1919 का भारत परिषद् अधिनियम ❖

- ✓ इस अधिनियम को **'माण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड'** सुधार के नाम से भी जाना जाता है। माण्टेग्यू तथा चेम्सफोर्ड क्रमशः तत्कालीन भारत मंत्री तथा तत्कालीन गर्वनर जनरल थे।
- ✓ **इस अधिनियम के द्वारा प्रांतों में द्वैध शासन की स्थापना की गई।**
- ✓ इस अधिनियम ने **देश में पहली बार द्विसदनात्मक व्यवस्था** एंव प्रत्यक्ष निर्वाचन का प्रावधान किया। **एक केन्द्रीय सभा तथा दूसरी राज्य परिषद् (सभा)** जिसकी सदस्य संख्या क्रमशः 143 तथा 60 थी।
- ✓ इस अधिनियम के द्वारा एक प्रस्तावना भी जोड़ी गई। प्रस्तावना में कहा गया कि इस अधिनियम का उद्देश्य प्रांतों में स्वशासन की संस्थाओं के क्रमिक विकास के साथ–साथ आंशिक उत्तरदायी सरकार की स्थापना करना था।
- ✓ केन्द्र से संबधित विषयों को चिन्हित किया गया तथा उन्हें प्रान्तों से संबधित विषयों से पृथक किया गया।
- ✓ इस अधिनियम के द्वारा गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी परिषद् में 8 सदस्यों में से 3 भारतीय सदस्य नियुक्त करना अनिवार्य कर दिया गया।
- ✓ इस अधिनियम के द्वारा **'केन्द्रीय लोक सेवा आयोग'** के गठन का प्रावधान किया गया। लोक सेवा आयोग का गठन 1926 में किया गया। **जिसके प्रथम अध्यक्ष सर रोस बार्कर थे।**

Fact–लोकमान्य तिलक ने 1919 के अधिनियम को **एक बिना सूरज का सवेरा** बताया है।

❖ 1927 का साईमन कमीशन ❖

- ✓ 1919 ई. में पारित अधिनियम की जाँच हेतु 'सर जॉन साइमन' के नेतृत्व में छः अंग्रेज सदस्यों का एक आयोग का गठन किया गया।
- ✓ इस आयोग का संपूर्ण भारत में विरोध किया गया क्योंकि इसमें एक भी भारतीय नहीं था इस कारण इसे **व्हाइट मैन कमीशन** भी कहा जाता है।

साईमन कमीशन के सदस्य

1. सर जॉन साइमन 2. क्लीमेन्ट एटली 3. हैरी लेवी लॉसन 4. जाजै लेन फॉक्स 5. डोनाल्ड हावर्ड 6. एडवर्ड कैडगॉन 7. बरनॉन हार्टस्हांते

❖ नेहरु रिपोर्ट (1928) ❖

- ✓ **बर्न हेड (बर्केन हेड)** नामक अंग्रेज अधिकारी के चुनौती देने पर यह रिपोर्ट मोतीलाल नेहरु द्वारा प्रस्तुत की गई थी।
- ✓ नेहरु रिपोर्ट को संविधान का **ब्लू प्रिंट (नीला पत्र)** कहा जाता है।
- ✓ नेहरु रिपोर्ट 1928 के कांग्रेस अधिवेशन में प्रस्तुत की गई थी। इस रिपोर्ट में भारत को **डोमेनियन स्टेट (अधिराज्य)** की मांग रखी गई थी।

❖ 1935 का भारत शासन अधिनियम ❖

1935 ई. के अधिनियम में 451 धाराएँ और 15 परिशिष्ट थे। इस अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं

- ❑ **अखिल भारतीय संघ** – यह संघ 11 ब्रिटिश प्रान्तों, 6 चीफ कमिश्नर के क्षेत्रों और उन देशी रियासतों से मिलकर बनना था, जो स्वेच्छा से संघ में सम्मिलित हों। प्रान्तों के लिए संघ में सम्मिलित होना अनिवार्य था, किन्तु देशी रियासतों के लिए यह ऐच्छिक था। देशी रियासतें संघ में सम्मलित नहीं हुई और प्रस्तावित संघ का स्थापना–संबंधी घोषणा–पत्र जारी करने का अवसर ही नहीं आया
- ❑ **प्रान्तीय स्वायत्तता** – इस अधिनियम के द्वारा प्रांतों में द्वैध शासन व्यवस्था का अन्त कर उन्हें एक स्वतंत्र और स्वशासित संवैधानिक आधार प्रदान किया गया।
- ❑ **केन्द्र में द्वैध शासन की स्थापना** – कुछ संघीय विषयों (सुरक्षा, वैदेशिक संबंध, धार्मिक मामलें) को गवर्नर– जनरल के हाथों में सुरक्षित रखा गया। अन्य संघीय विषयों की व्यवस्था के लिए गवर्नर–जनरल को सहायता एवं परामर्श देने हेतु मंत्रिमंडल की व्यवस्था की गयी, जो मंत्रिमंडल व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी था।
- ❑ **संघीय न्यायालय की व्यवस्था** – इसका अधिकार–क्षेत्र प्रान्तों तथा रियासतों तक विस्तृत था। इस न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश तथा दो अन्य न्यायाधीशों की व्यवस्था की गयी। न्यायालय से संबंधित अंतिम शक्ति प्रिवी कौंसिल (लंदन) को प्राप्त थी।
- ❑ **ब्रिटिश संसद की सर्वोच्चता** – इस अधिनियम में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का अधिकार ब्रिटिश संसद के पास था। प्रान्तीय विधान मंडल और संघीय व्यवस्थापिका– इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं कर सकते थे
- ❑ **भारत परिषद् का अन्त** –इस अधिनियम के द्वारा भारत परिषद् का अन्त कर दिया गया।
- ❑ **साम्प्रदायिक निर्वाचन पद्धति का विस्तार**–संघीय तथा प्रान्तीय व्यवस्थापिकाओं में विभिन्न सम्प्रदायों को प्रतिनिधित्व देने के लिए साम्प्रदायिक

निर्वाचन पद्धति को जारी रखा गया और उसका विस्तार आंग्ल भारतीयों–भारतीय ईसाइयों, यूरोपियनों और हरिजनों के लिए भी किया गया।

- **इसके द्वारा बर्मा को भारत से अलग कर दिया गया।** अदन को इंगलैंड के औपनिवेशिक कार्यालय के अधीन कर दिया गया और बरार को मध्य प्रांत में शामिल कर लिया गया।
- भारत शासन अधिनियम 1935, 14 अगस्त 1947 तक लागू रहा।

Fact–1935 के संविधान के संबंध में विभिन्न विद्वानों ने अपने विचार निम्न प्रकार प्रकट किए है

मुस्लिम लीग के मोहम्मद अली जिन्ना ने 'इसे पूर्णतया सड़ा हुआ मूल रुप से अस्वीकृत बताया।'

जवाहर लाल नेहरु ने इसे **'दासता का नया चार्टर'** कहा है।

नेहरु ने ही इसे **'अनेक ब्रेकों वाली इंजन रहित मशीन'** कहा है।

पं. मदन मोहन मालवीय ने इसे 'बाहरी रुप से जनतंत्रवादी व अन्दर से खोखला कहा है।'

❊ 1947 का भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम ❊

ब्रिटिश संसद में **4 जुलाई, 1947 ई. को 'भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम'** प्रस्तावित किया गया, जो 18 जुलाई, 1947 ई. को स्वीकृत हो गया। इस अधिनियम में 20 धाराएँ थीं। इस अधिनियम के प्रमुख प्रावधान निम्न हैं–

- **दो अधिराज्यों की स्थापना** – 15 अगस्त, 1947 ई. को **भारत एवं पाकिस्तान** नामक दो **अधिराज्य** बना दिए गए, और उनको ब्रिटिश सरकार सत्ता सौंप देगी। सत्ता का उत्तरदायित्व दोनों अधिराज्यों की संविधान सभा को सौंपी जाएगी।
- भारत एवं पाकिस्तान दोनों अधिराज्यों में एक–एक गवर्नर जनरल होंगे, जिनकी नियुक्ति उनके मंत्रिमंडल की सलाह से की जाएगी।
- संविधान सभा का विधानमंडल के रूप में कार्य करना–जब तक संविधान सभाएँ संविधान का निर्माण नहीं कर लेतीं, तब तक वे विधानमंडल के रूप में कार्य करती रहेंगी।
- भारत–मंत्री के पद समाप्त कर दिए जाएँगे।
- 1935 ई. के भारतीय शासन अधिनियम द्वारा शासन जब तक संविधान सभा द्वारा नया संविधान बनाकर तैयार नहीं किया जाता है। तब तक उस समय 1935 ई. के भारतीय शासन अधिनियम द्वारा ही शासन होगा।
- देशी रियासतों पर ब्रिटेन की सर्वोपरिता का अन्त कर दिया गया।

Haldighati Competition Classes
Gangapur City

झण्डा समिति संबंधित विशेष तथ्य

संविधान सभा द्वारा डॉ.राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में एक 6 सदस्यीय राष्ट्रीय झण्डा समिति का गठन 23 जून 1947 को किया गया था जिसके अन्य सदस्य डॉ.बी.आर.अम्बेड़कर, के.एम. मुंशी, अबुल कलाम आजाद, सरोजनी नायडू तथा सी.राजगोपालाचारी थे। ध्यातव्य है कि कांग्रेस द्वारा भी एक 7 सदस्यीय झण्डा समिति का गठन 1931 में कराची अधिवेशन में किया गया था। जिसके अध्यक्ष सरदार वल्लभ भाई पटेल तथा अन्य सदस्य पं. जवाहरलाल नेहरु, अबुल कलाम आजाद, पी.सीतारम्मैया, डी.वी.केलकर, तारासिंह तथा हरि किंकर थे। ध्यातव्य है कि इन दोनों झण्डा समितियों में से किसी में भी श्री जे.बी.कृपलानी अध्यक्ष या सदस्य के रुप में सम्मिलत नहीं थे। जैसा कि कुछ किताबों में दिया गया है। अतः इस स्रोत व तथ्य का विशेष ध्यान रखा जाए

❖ एक पुनरावलोकन ❖

- **1687 में मद्रास में भारत के प्रथम नगर निगम का गठन किया गया।**
- **1772 में लार्ड वारेन हेस्टिंग्ज ने जिला कलेक्टर का पद निर्मित किया।**
- 1829 में लार्ड विलियम बैंटिक द्वारा 'मंडल आयुक्त' का पद निर्मित किया
- 1859 में लार्ड कैनिंग ने पोर्टफोलियों पद्धति प्रारंभ की।
- **1860 में बजट प्रणाली लाई गई।**
- 1870 में वित्तीय विकेन्द्रीकरण के संबध में लार्ड मेयो के प्रस्ताव ने भारत में स्थानीय स्वशासन से संबधित संस्थाओ के विकास का प्रारूप तैयार किया।
- **1872 में लार्ड मेयो के समय में भारत की पहली जनगणना हुई।**
- **1881 में लार्ड रिपन के काल में भारत की पहली नियमित जनगणना हुई।**
- 1882 लार्ड रिपन के प्रस्ताव को स्थानीय स्वशासन का अधिकृत आदि लेख या महाधिकार पत्र माना जाता है। लार्ड रिपन को **'भारत में स्थानीय स्वशासन का जनक'** कहा जाता है।
- 1905 में लार्ड कर्जन ने कार्यकाल की पद्धति को आरंभ किया।
- **1924 'आम बजट' से 'रेलवे बजट' को अलग कर दिया गया।**
- **1935 केन्द्रीय विधायिका के एक अधिनियम के तहत 'भारतीय रिर्जव बैंक' की स्थापना की गई।**

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

- ✓ रेग्युलेटिंग एक्ट कब पारित हुआ–**1773 ई. में**
- ✓ महारानी विक्टोरिया ने भारत का शासन कब अपने हाथों में ले लिया–**1858 ई. में**
- ✓ भारत में सचिव का पद कब सृजित किया गया–**भारत सरकार अधिनियम 1858**
- ✓ मुसलमानों के लिए पृथक् निर्वाचक मण्डल किस अधिनियम द्वारा प्रारुप में लाया गया–**मार्ले मिण्टो सुधार अधिनियम 1909**
- ✓ केन्द्र में द्वैध शासन को किस अधिनियम के अंतर्गत स्थापित किया गया–**भारत सरकार अधिनियम 1935**
- ✓ किस अधिनियम की प्रमुख विशेषता प्रान्तीय स्वयत्ता थी–**भारत सरकार अधिनियम 1935**
- ✓ किस अधिनियम द्वारा बर्मा, भारत से अलग हुआ –**भारत सरकार अधिनियम 1935**
- ✓ भारत के प्रथम गवर्नर जनरल कौन थे–**वारेन हेस्टिंग्ज**
- ✓ रेग्युलेटिंग एक्ट के दोषों को दूर करने के लिए 1781 में कौनसा एक्ट पारित हुआ– **एक्ट ऑफ सेटलमेंट**
- ✓ किस अधिनियम को भारत का प्रथम अधिनियम या **इलाहाबाद घोषणा पत्र** भी कहा जाता है–**1858 का भारत शासन अधिनियम**
- ✓ भारत के प्रथम वायसराय कौन थे–**लॉर्ड विलियम बैंटिक**
- ✓ साईमन कमीशन भारत कब आया जिसे व्हाईट मैन कमीशन भी कहा जाता है–**1927 ई. में**
- ✓ किस रिपोर्ट को भारतीय संविधान का ब्लू प्रिन्ट कहा जाता है–**नेहरु रिपोर्ट**
- ✓ भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 ब्रिटेन में कब पारित हुआ–**4 जुलाई, 1927 ई. में**

❊ भारतीय संविधान सभा ❊

- **कैबिनेट मिशन की संस्तुतियों के आधार पर** भारतीय संविधान की निर्माण करनेवाली संविधान सभा का गठन जुलाई, **1946** ई. में किया गया।
- संविधान सभा के **सदस्यों की कुल संख्या 389** निश्चित की गयी थी, जिनमें **292** ब्रिटिश प्रान्तों के प्रतिनिधि, **4** चीफ कमीश्नर क्षेत्रों (**अजमेर-मेरवाड़ा, दिल्ली, कुर्ग, ब्लूचिस्तान**) के प्रतिनिधि एवं **93** देशी रियासतों के प्रतिनिधि थे।
- मिशन योजना के अनुसार जुलाई, 1946 ई. में संविधान सभा का चुनाव हुआ। कुल 389 सदस्यों में से प्रान्तों के लिए निर्धारित 296 सदस्यों के लिए चुनाव हुए। इसमें कॉंग्रेस को 208, मुस्लिम लीग को 73 स्थान एवं 15 अन्य दलों के तथा स्वतंत्र उम्मीदवार निर्वाचित हुए।
- **9 दिसम्बर, 1946 ई. (सोमवार) को संविधान सभा की प्रथम बैठक नई दिल्ली स्थित कौंसिल चैम्बर के पुस्तकालय भवन** में हुई इसमें कुल 207 सदस्यों ने भाग लिया। सभा के सबसे बुजुर्ग सदस्य **डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा (बिहार से) को सभा का अस्थायी अध्यक्ष** चुना गया।
- **आचार्य जे.बी. कृपलानी (तत्कालीन राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष)** के द्वारा सच्चिदानन्द सिन्हा को अध्यक्ष पद के लिए नाम प्रस्तावित किया गया। **सरदार वल्लभ भाई पटेल ने इसे अनुमोदित किया।**

- वरिष्ठता का यह क्रम फ्रांस के संविधान से ग्रहण किया गया है।
- मुस्लिम लीग ने इस बैठक का बहिष्कार किया और पाकिस्तान के लिए बिल्कुल अलग संविधान सभा की माँग प्रारंभ कर दी।
- **हैदराबाद एक ऐसी देशी रियासत थी, जिसके प्रतिनिधि संविधान सभा में सम्मलित नहीं हुए थे।**
- संविधान सभा में ब्रिटिश प्रान्तों के **296** प्रतिनिधियों का विभाजन साम्प्रदायिक आधार पर किया गया–**213** सामान्य, **79** मुसलमान तथा **4** सिक्ख
- संविधान सभा के सदस्यों में **अनुसूचित जनजाति के सदस्यों की संख्या 33** थी।
- संविधान का प्रथम वाचन डॉ. एस. राधाकृष्णन ने किया था इसलिए डॉ. राधाकृष्णन को **संविधान का प्रथम वक्ता** कहा जाता है।
- **11 दिसम्बर, 1946 ई. को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष** निर्वाचित हुए। संविधान सभा के उपाध्यक्ष **एच.सी.मुखर्जी (हरेन्द्र कोमार मुखर्जी)** को चुना गया। इसी दिन **बी.एन.राव (बेनेगल नृसिंह राव)** को संविधान सभा का **संवैधानिक सलाहकार** नियुक्त किया गया।
- संविधान सभा की कार्यवाही **13 दिसम्बर, 1946 ई. को जवाहरलाल नेहरू द्वारा पेश किए गए उद्देश्य प्रस्ताव** के साथ प्रारंभ हुई।
- **22** जनवरी, **1947** ई. को उद्देश्य प्रस्ताव की स्वीकृति के बाद संविधान सभा ने संविधान निर्माण हेतु अनेक समितियाँ नियुक्त की।
- **22** जुलाई 1947 को तिरंगे झंडे को राष्ट्रीय ध्वज के रुप में अपनाया गया। सर्वप्रथम तिरंगे का प्रारूप **'पिंकली वैंकया'** ने तैयार किया था।
- **संविधान निर्माण की प्रक्रिया में कुल 2 वर्ष 11 महीना और 18 दिन लगे अर्थात् 11 अधिवेशन और कुल 165 दिन बैठकें हुई।** इस कार्य पर लगभग **63 लाख 96 हजार 729 रुपए** खर्च हुए।
- **संविधान के प्रारूप पर कुछ 114 दिन बहस हुई।**
- संविधान को जब **26 नवम्बर, 1949 ई**. को संविधान सभा द्वारा पारित किया गया, **तब इसमें कुल 22 भाग, 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियाँ थीं। वर्तमान समय में संविधान में 25 भाग, 446 अनुच्छेद एवं 12 अनुसूचीयाँ है।**
- **संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी, 1950 ई. को हुई** और उसी दिन संविधान सभा के द्वारा **डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति मनोनीत** किया गया। **डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के नाम का प्रस्ताव पं. जवाहरलाल नेहरू** ने रखा था तथा अनुमोदन सरदार वल्लभ भाई पटेल ने किया था।
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को पहली बार मनोनीत **राष्ट्रपति के रुप में शपथ लॉर्ड लुई माउंटबेटन** ने दिलाई थी क्योंकि भारत 15 अगस्त 1947 से 26 जनवरी 1950 तक एक डोमेनियन स्टेट (अधिराज्य) रहा था, अर्थात आंतरिक रुप से स्वतंत्र बाह्य रुप से ब्रिटिश शासन के अधीन।
- **24 जनवरी 1950, संविधान सभा की अंतिम बैठक को ही राष्ट्रीय गीत व राष्ट्रीय गान को संविधान सभा द्वारा स्वीकार किया गया।**
- **26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू** करने का निर्णय लिया गया इस तारीख को संविधान में **प्रारंभ की तारीख** कहा जाता है

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

- ✓ भारत की संविधान सभा गठित करने का प्रमुख आधार क्या था–**कैबिनेट मिशन**
- ✓ कैबिनेट मिशन योजना के अंतर्गत संविधान सभा में कुल सदस्यों की संख्या थी–**389**
- ✓ संविधान सभा में किस प्रान्त का प्रतिनिधित्व सबसे अधिक था–**संयुक्त प्रान्त**
- ✓ बी.आर. अम्बेड़कर का निर्वाचन संविधान सभा में कहाँ से हुआ–**पश्चिम बंगाल**
- ✓ संविधान सभा की प्रथम बैठक कब आयोजित की गई–**9 दिसंबर 1946**
- ✓ संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष कौन थे–**सच्चिदानंद सिन्हा**
- ✓ संविधान सभा की प्रारुप समिति (मसौदा) की नियुक्ति कब की गई–**20 अगस्त 1947**
- ✓ संविधान निर्मात्री सभा में झंडा समिति के अध्यक्ष कौन थे–**डॉ.राजेन्द्र प्रसाद**
- ✓ भारत का संविधान कब लागू हुआ– **26 जनवरी 1950**
- ✓ संविधान सभा में किस देशी रियासत के प्रतिनिधियों ने भाग नहीं लिया–**हैदराबाद**
- ✓ किसे संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष चुना गया था–**डॉ.राजेन्द्र प्रसाद**
- ✓ संविधान सभा में महिला सदस्यों की संख्या कितनी थी– **12**
- ✓ संविधान सभा की अंतिम बैठक कब हुई– **24 जनवरी 1950**
- ✓ मूल भारतीय संविधान में कितने अनुच्छेद थे– **395**
- ✓ संविधान निर्माण हेतु संविधान सभा की कुल कितनी बैठक हुई– **165**

संविधान सभा में राज्यवार संख्या

(31 दिसंबर 1947 को यथा विद्यमान)

प्रांत	सदस्यों की संख्या	प्रांत	सदस्यों की संख्या	प्रांत	सदस्यों की संख्या
मद्रास	49	पश्चिम बंगाल	19	बिहार	36
मध्य प्रांत और बरार	17	उड़ीसा	9	अजमेर–मेरवाड़ा	1
बंबई	21	संयुक्त प्रांत	55	पूर्वी पंजाब	12
असम	8	दिल्ली	1	कुर्ग	1
		देशी रियासतें			
अलवर	1	भोपाल	1	कोचीन	1
इंदौर	1	जोधपुर	2	बड़ौदा	3
बीकोनर	1	ग्वालियर	4	जयपुर	3
कोल्हापुर	1	कोटा	1	मयूरभंज	1
मैसूर	7	पटियाला	2	रीवा	2
त्रावणकोर	6	उदयपुर	2	पू.राजपूताना राज्य समूह	1
त्रिपुरा,मणिपुर,खासी	1	संयुक्त प्रांत राज्य समूह	1	पश्चिमी भारत	4
गुजरात समूह	2	दक्षिण व मद्रास राज्य समूह	2	पंजाब राज्य समूह	3
पूर्वी राज्य समूह–1	4	पूर्वी राज्य समूह–2	3	अवशिष्ट राज्य समूह	4
सिक्किम व कूच बिहार समूह	1				
मध्य भारत (बुंदेलखण्ड,मालवा सहित)	3				

Haldighati Competition Class
Gangapur City

❖ संविधान सभा की समितियाँ ❖

प्रक्रिया नियम समिति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
संचालन समिति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
वित्त एवं कर्मचारी समिति	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
Credential समिति	अल्लादी कृष्णास्वामी अययर
सदन समिति	बी.पट्टाभि सीतारम्मैया
कार्य संचालन समिति	श्री के.एम.मुंशी
मूल अधिकार और अल्पसंख्यक परामर्श समिति	सरदार वल्लभ भाई पटेल
प्रारुप समिति	डॉ.बी.आर.अम्बेड़कर
संघीय संविधान समिति	जवाहर लाल नेहरु
संघ शक्ति समिति	जवाहर लाल नेहरु
प्रांतीय संविधान समिति	सरदार वल्लभ भाई पटेल
राज्यों के लिए समिति (राज्यों के समझौता करने वाली)	जवाहर लाल नेहरु
अल्पसंख्यक उप समिति	एच.सी.मुखर्जी
मौलिक अधिकार उप समिति	आचार्य कृपलानी
राष्ट्रध्वज संबंधी तदर्थ समिति (अस्थायी)	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
झण्डा समिति (स्थायी)	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

संविधान सभा की प्रारुप समिति

डॉ. भीमराव अम्बेड़कर (अध्यक्ष)

एन. गोपालस्वामी आयंगर अल्लादी कृष्णस्वामी अययर के.एम.मुंशी सैयद मोहम्मद सादुल्ला एन.माधवराव डी.पी.खेतान

Fact–संविधान सभा में डॉ. भीमराव अम्बेड़कर का निर्वाचन पं.बंगाल से हुआ था। यह प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे किन्तु **संविधान का प्रारूप बी.एन. राव ने तैयार किया था।** प्रारूप समिति के उपाध्यक्ष के.एम.मुंशी (कन्हैयालाल माणिक्यलाल मुंशी) प्रारूप समिति में कांग्रेस के एकमात्र सदस्य थे। सैययद मोहम्मद सादुल्ला प्रारूप समिति में एकमात्र मुस्लिम सदस्य थे। 1948 ई. में डी.पी. खेतान की मृत्यु के बाद टी. टी. कृष्णमाचारी को सदस्य बनाया गया। एन. माधव राव को बी. एल. मित्र के स्थान पर नियुक्त किया गया था। संविधान निर्माण के कारण अंबेड़कर को **आधुनिक मनु** की संज्ञा दी गई थी।

संविधान सभा में महिला सदस्या

श्रीमती सुचेता कृपलानी	उत्तर प्रदेश	कांग्रेस	श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित	उत्तर प्रदेश	कांग्रेस
श्रीमती पूर्णिमा बनर्जी	उत्तर प्रदेश	कांग्रेस	श्रीमती कमला चौधरी	उत्तर प्रदेश	कांग्रेस
श्रीमती अम्मू स्वामीनाथन	मद्रास	कांग्रेस	श्रीमती दक्षायनी वेलायुधन	मद्रास	कांग्रेस
श्रीमती दुर्गा पई	मद्रास	कांग्रेस	श्रीमती हंसा मेहता	मुम्बई	कांग्रेस
श्रीमती मालती चौधरी	उड़ीसा	कांग्रेस	राजकुमारी अमृत कौर	सेन्ट्रल प्राविन्स	कांग्रेस
श्रीमती सरोजनी नायडू	बिहार	कांग्रेस	श्रीमती लीला राय	बंगाल	कांग्रेस

Fact–संविधान सभा के लिए चुनी गई महिला सदस्यों की संख्या 12 थी और ये सभी कांग्रेस से चुनकर आयी थी। किन्तु संविधान निर्माण के बाद उस पर हस्ताक्षर करने वाली महिलाओं की संख्या केवल 8 थी।

❖ संविधान सभा में राजस्थान का प्रतिनिधित्व ❖

संविधान सभा में राजस्थान से कुल बारह सदस्यों ने भाग लिया था जो निम्न प्रकार थे– वी.टी.कृष्णमाचारी, हीरालाल शास्त्री, सरदार सिंह, जसवंत सिंह, रायबहादुर, माणिक्य लाल वर्मा, गोकुल लाल असावा, रामचन्द्र उपाध्याय, बलवंत सिंह मेहता, दलेल सिंह, जयनारायण व्यास, श्री मुकुटबिहारी भार्गव।

❖ संविधान की प्रस्तावना ❖

'हम भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिको को–'सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वंतत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए, तथा उन सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए'' दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख **26.11.1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी)** को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते है।'

संविधान द्वारा भारत को एक'संप्रभुता संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य' के रूप में घोषित करने से आदर्शो को प्राप्त कर लिया गया है। परन्तु आकांक्षाओं के अन्तर्गत न्याय, स्वतंत्रता, समता व बंधुता आते है, जिन्हे अभी भी प्राप्त किया जाना है। आदर्श, आकांक्षाओ की प्राप्ति के साधन है।

❖ संविधान सभा के अधिवेशन ❖

अधिवेशन	समय	प्रमुख कार्य
प्रथम	9 से 23 दिसम्बर 1946	उद्देश्य प्रस्ताव प्रस्तुत
द्वितीय	20 से 25 जनवरी 1947	उद्देश्य प्रस्ताव स्वीकार
	व समितियों का गठन	
तृतीय	28 अप्रैल से 2 मई 1947	समितियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत
चतुर्थ	14 से 31 जुलाई 1947	राष्ट्रध्वज (तिरंगा) अपनाया गया
पंचम	14 से 30 अगस्त 1947	प्रारुप समिति का गठन
षष्ठ	27 जन. से 7 फरवरी 1948	संविधान का प्रारुप प्रस्तुत
सप्तम्	4 नव. से 9 नव. 1948	संविधान का प्रथम वाचन
अष्ठम्	16 मई से 16 जून 1949	राष्ट्रमण्डल की सदस्यता ग्रहण
नवम्	30 जुलाई से 18 सित 1949	संविधान का हिन्दी में अनुवाद
दशम्	6 अक्टू. से 17 अक्टू. 1949	संविधान का दूसरा वाचन

ग्याहरवाँ 14 नव. से 26 नव. 1949 संविधान का तीसरा वाचन

Fact–24 जनवरी 1950 को संविधान का बाहरवाँ अधिवेशन माना जाता है। **क्योंकि इसी दिन राष्ट्रपति, राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत को अपनाया गया था** तथा संविधान पर हस्ताक्षर का कार्य पूर्ण हुआ था।

❊ संविधान के स्रोत ❊

उपराष्ट्रपति का पद व स्थिति	**अमेरिका**	**राष्ट्रपति पर महाभियोग**	**अमेरिका**
लोकतंत्रात्मक शासन	अमेरिका	**न्यायपालिका की स्वतंत्रता**	**अमेरिका**
न्यायिक पुनरावलोकन	**अमेरिका**	कार्यपालिका प्रमुख के रुप में राष्ट्रपति	अमेरिका
मौलिक अधिकार	**अमेरिका**	सर्वोच्च कमांडर के रुप में राष्ट्रपति	अमेरिका
राज्यसभा का सभापति उपराष्ट्रपति	अमेरिका	दोहरी नागरिकता	अमेरिका
राष्ट्रपति की संवैधानिक स्थिति	अमेरिका	विधि का शासन	ब्रिटेन
एकल नागरिकता	ब्रिटेन	कानून निर्माण की प्रक्रिया	ब्रिटेन
संसदीय शासन व्यवस्था	**ब्रिटेन**	**संघात्मक व्यवस्था, राज्यपाल का पद**	**कनाडा**
नीति निदेशक तत्व	**आयरलैंड**	**राष्ट्रपति के निर्वाचन की प्रक्रिया**	**आयरलैंड**
राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा सदस्यों का मनोयन	**आयरलैंड**	**आपातकाल** व मौलिक अधिकारो पर इसका प्रभाव	**जर्मनी**
समवर्ती सूची	**ऑस्ट्रेलिया**	व्यापार, वाणिज्य तथा संगमन का प्रावधान	ऑस्ट्रेलिया
प्रस्तावना की भाषा	ऑस्ट्रेलिया	**संविधान संशोधन**	**द.अफ्रीका**
मौलिक कर्तव्य	**रुस**	गणराज्य	फ्रांस

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

- ✓ भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्य किस देश के संविधान से लिए गए है–**रुस**
- ✓ हमारे संविधान में मूल अधिकारों की अवधारणा किस देश के संविधान से ली गई है–**अमेरिका**
- ✓ संसदीय शासन प्रणाली किस देश में विकसित हुई –**ब्रिटेन**
- ✓ भारत के राष्ट्रपति की आपातकालीन शक्तियाँ किस देश की देन है –**जर्मनी**
- ✓ भारतीय संविधान के निर्माण पर सर्वाधिक प्रभाव है –**1935 भारत शासन अधिनियम का**
- ✓ भारतीय संविधान में संघवाद किस देश से लिया गया है –**कनाडा**
- ✓ कानून के समक्ष संरक्षण वाक्य किस देश के संविधान से लिया गया है –**अमेरिका**

❊ संविधान की अनुसूची ❊

प्रथम इसमें भारतीय संघ के घटक राज्यों, (29 राज्य) एवं संघ शासित, (सात) क्षेत्रों का उल्लेख है।

नोट- **संविधान के 69वें संशोधन के द्वारा दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का दर्जा दिया गया है।**

द्वितीय इसमें भारतीय राज–व्यवस्था के **विभिन्न पदाधिकारियों को प्राप्त होने वाले वेतन, भत्ते और पेंशन आदि** का उल्लेख किया गया है।

तृतीय इसमें विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा **पद-ग्रहण के समय ली जानेवाली शपथ** का उल्लेख है।

चौथी इसमें विभिन्न राज्यों तथा संघीय क्षेत्रों की **राज्यसभा में प्रतिनिधित्व** का विवरण दिया गया है।

पाँचवीं इसमें विभिन्न **अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजाति के प्रशासन और नियंत्रण** के बारे में उल्लेख है।

छठी इसमें असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में प्रावधान है।

सातवीं इसमें केन्द्र एवं राज्यों के बीच शक्तियों के बँटवारे के बारे में दिया गया है। इसके अन्तर्गत तीन सूचियाँ हैं– संघ सूची–प्रारंभ में इसमें **97 विषय** थे। वर्तमान समय में इसमें **99 विषय** है। **राज्य सूची**–संविधान के लागू होने के समय इसके अन्तर्गत **66 विषय** थे, वर्तमान समय में इसमें **61 विषय** है एवं **समवर्ती सूची**- संविधान के लागू होने के समय समवर्ती सूची में **47 विषय** थे–वर्तमान समय में इसमें **52 विषय** हैं।

नोट **समवर्ती सूची का प्रावधान जम्मू-कश्मीर राज्य के संबंध में नहीं है।**

आठवीं इसमें भारत की **22 भाषाओं का उल्लेख** किया गया है। मूल रूप से **आठवीं अनुसूची में 14 भाषाएँ** थीं, **1967 ई. में** सिंधी को और 1992 ई. में कोंकणी, मणिपुरी तथा नेपाली को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया। 2003 ई. में मैथिली, संथाली, डोगरी एवं बोडो को आठवीं

अनुसूची में शामिल किया गया।

नौवीं संविधान में यह अनुसूची प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम, 1951 के द्वारा जोड़ी गई। इसके अन्तर्गत राज्य द्वारा सम्पत्ति के अधिग्रहण की विधियों का उल्लेख किया गया है। इस अनुसूची में सम्मिलित विषयों को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है।

दसवीं यह संविधान में 52वें संशोधन, 1985 के द्वारा जोड़ी गई है। इसमें दल–बदल से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख है।

ग्यारहवीं यह अनुसूची संविधान में 73वें संवैधानिक संशोधन (1993) के द्वारा जोड़ी गयी है। इसमें पंचायतीराज संस्थाओं को कार्य करने के लिए 29 विषय प्रदान किए गए हैं।

बारहवीं यह अनुसूची संविधान में 74वें संवैधानिक संशोधन (1993) के द्वारा जोड़ी गई है। इसमें शहरी क्षेत्र की स्थानीय स्वशासन संस्थाओं को कार्य करने के लिए 18 विषय प्रदान किए गए हैं।

संघ और उसके राज्य क्षेत्र

- भारत राज्यों का संघ है, जिसमें सम्प्रति **29** राज्य और सात केन्द्र–शासित प्रदेश हैं।
- **अनुच्छेद 1–** **(अ) भारत अर्थात् इंडिया राज्यों का संघ** होगा।
  (ब) राज्य और उनके राज्य–क्षेत्र वे होंगे जो पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट है।
  (स) भारत के राज्यक्षेत्र में अर्जित किए गए अन्य क्षेत्र समाविष्ट होंगे।
- **अनुच्छेद 2–** भारत की संसद को विधि द्वारा ऐसे निर्बन्धों और शर्तो पर जो वह ठीक समझे संघ में नए राज्य का प्रवेश या उनकी स्थापना की शक्ति प्रदान की गयी।
- **अनुच्छेद 3** – नए राज्यों का निर्माण और वर्तमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन संसद विधि द्वारा कर सकती है।
- संविधान में संघ के लिए फेडरेशन शब्द का प्रयोग नहीं हुआ अपितु यूनियन शब्द का प्रयोग किया गया है।

Fact–भारतीय संविधान में प्रयुक्त **यूनियन शब्द कनाडा के संविधान से** लिया गया है।

देशी रियासतों का विलय

- रियासतों को भारत में सम्मिलित करने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल ने नेतृत्व में रियासती मंत्रालय बनाया गया। आजादी के समय भारत में **562 देशी रियासतें** थी।
- **जूनागढ़ रियासत** को जनमत संग्रह के आधार पर, **हैदराबाद** की रियासत को 'पुलिस कार्रवाई' के माध्यम से और **जम्मू–काश्मीर** रियासत को विलय–पत्र पर हस्ताक्षर के द्वारा भारत में मिलाया गया।
- **1947 में स्वतंत्रता के समय भारत में 4 प्रकार के राज्य थे अर्थात् चार प्रकार की श्रेणिया थी, यथा–**

'क' श्रेणी असम, बिहार, बम्बई, मध्यप्रदेश, मद्रास उड़ीसा, पंजाब, संयुक्त प्रांत, पश्चिम बंगाल।

'ख' श्रेणी हैदराबाद, जम्मू–कश्मीर, मध्य भारत, मैसूर, पटियाला और पूर्वी पंजाब, राजस्थान, सौराष्ट्र, त्रावणकोर– कोचीन एवं विंध्य भारत।

'ग' श्रेणी अजमेर,कुर्ग,बिलासपुर, दिल्ली,कच्छ,भोपाल, कूचबिहार, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर,त्रिपुरा।

'घ' श्रेणी अंडमान निकोबार द्वीप समूह और अर्जित राज्य क्षेत्र।

Fact–हैदराबाद रियासत पर की गई पुलिस कारवाई को **ऑपरेशन पोलो** नाम से जाना जाता है

राज्यों का पुनगर्ठन

- भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन उचित है या नहीं, इसकी जाँच के लिए संविधान सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त **न्यायाधीश एस.के.धर की अध्यक्षता में एक चार सदस्यीय आयोग की नियुक्ति की।** इस आयोग ने भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का विरोध किया और प्रशासनिक सुविधा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का समर्थन किया।
- नेहरू, पटेल एवं सीतारमैय्या (**जे. वी. पी. समिति**) समिति की रिपोर्ट के बाद मद्रास राज्य के तेलुगु–भाषियों ने पोटी श्री रामुल्लू के नेतृत्व में आन्दोलन प्रारंभ हुआ।
- **1 अक्टूबर, 1953 ई. को आन्ध्रप्रदेश राज्य का गठन हो गया। यह स्वतंत्र राज्य भारत में भाषा के आधार पर गठित होने वाला पहला राज्य था।**
- **दिसम्बर 1953 को भारत सरकार द्वारा राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया। इसमें कुल तीन सदस्य थे। राज्य पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष फजल अली थे।** इसके अन्य सदस्य पं. हृदयनाथ कुंजरू और सरदार के. एस. पणिक्कर थे। इस आयोग ने अपनी रिपोर्ट 1955 में

प्रस्तुत की। रिपोर्ट में भाषा के आधार पर राज्यों के पुर्नगठन की सिफारिश की गई थी।

- फजल अली आयोग ने **'एक राज्य एक भाषा'** के सिद्धान्त को अस्वीकार कर दिया था।
- राज्य पुनर्गठन आयोग के सुझावों के आधार पर **7 वें संविधान संशोधन (1956)** द्वारा राज्य पुनर्गठन एक्ट 1956 के तहत् 1 नवंबर 1956 ई. को भारत में 14 राज्य एवं 6 केन्द्र शासित प्रदेशों का गठन किया गया। जो निम्न प्रकार थे–

1. आंध्रप्रदेश	2. असम	3. बिहार	4. बम्बई	5. जम्मू एवं कश्मीर
6. केरल	7. मध्यप्रदेश	8. मद्रास	9. मैसूर	10. उड़ीसा
11. पंजाब	12. राजस्थान	13. पं. बंगाल	14. उत्तर प्रदेश	

केन्द्रशासित प्रदेश

1. अंडमान निकोबार	2. हिमाचल प्रदेश	3. त्रिपुरा	4. मणिपुर
5. दिल्ली	6. लक्षद्वीप, मिनिकॉय और दमन दीव		

- नवम्बर, **1954** ई. को फ्रांस की सरकार ने अपनी सभी बस्तियाँ पांडिचेरी, यमन, चन्द्रनगर और केरीकल को भारत को सौंप दिया, **28** मई, **1956** ई. को इस संबंध में संधि पर हस्ताक्षर हो गए। इसके बाद इन सभी को मिलाकर **'पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र'** का गठन किया गया।
- भारत सरकार ने **18** दिसम्बर, **1961** ई. को गोवा, दमन व दीव की मुक्ति के लिए पुर्तगालियों के विरुद्ध कार्यवाही की और उन पर पूर्ण अधिकार कर लिया। बारहवें संविधान संशोधन द्वारा गोवा, दमन व दीव को प्रथम परिशिष्ट में शामिल करके भारत का अभिन्न अंग बना दिया गया।
- **1** मई, **1960** ई. को दो भाषाओं–मराठी एवं गुजराती भाषियों के बीच संघर्ष के कारण बम्बई राज्य का बँटवारा करके महाराष्ट्र एवं गुजरात नामक दो राज्यों की स्थापना की गयी।
- नागा आन्दोलन के कारण असम को विभाजित करके **1 दिसम्बर, 1963 ई. में** नागालैंड को अलग राज्य बनाया गया।

1 नवम्बर 1966 ई. पंजाब को विभाजित करके पंजाब (पंजाबी भाषी) एवं हरियाणा (हिन्दी भाषी) दो राज्य बना दिए गए।

25 जनवरी, 1971 ई. हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया।

21 जनवरी, 1972 ई. मणिपुर, त्रिपुरा एवं मेघालय को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया।

26 अप्रैल, 1975 ई. को सिक्किम भारत का 22वाँ राज्य बना।

20 फरवरी, 1987 ई. में मिजोरम एवं अरूणाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया।

30 मई, 1987 ई. में गोवा को **25** वाँ राज्य का दर्जा दिया गया।

1 नवम्बर, 2000 ई. को छत्तीसगढ़, 26वाँ राज्य, 9 नवम्बर,को उत्तरांचल 27वाँ राज्य एवं 15 नवम्बर, को झारखंड 28वाँ राज्य बनाया गया।

2 जून, 2014 ई. में आंध्रप्रदेश से अलग करके तेलंगाना को 29 वाँ राज्य बनाया गया।

- वर्तमान समय में भारत में **29** राज्य एवं **7** संघ राज्य क्षेत्र हैं।

राज्यों के गठन से संबंधित संशोधन

7 वां संविधान संशोधन, 1956	इस अधिनियम के द्वारा केन्द्र को भाषायी आधार पर राज्यों के पुनगर्ठन करने की शक्ति प्रदान की गई।
10 वां संविधान संशोधन, 1961	इस के द्वारा दादर एवं नागर हवेली को संघ राज्य क्षेत्र घोषित किया गया
12 वां संविधान संशोधन, 1962	इसके द्वारा गोवा, दमन एवं दीव को संघ राज्य क्षेत्र घोषित किया गया।
13 वां संविधान संशोधन, 1962	नागालैंड राज्य का गठन किया गया।
14 वां संविधान संशोधन, 1962	इसके द्वारा पुदुचेरी को संघ राज्य क्षेत्र बनाया गया।
18 वां संविधान संशोधन, 1966	इसके द्वारा पंजाब और हरियाणा को राज्य बनाया गया तथा हिमाचल प्रदेश को संघ–राज्य क्षेत्र बनाया गया।
22 वां संविधान संशोधन, 1969	मेघालय को राज्य का दर्जा दिया गया।
27 वां संविधान संशोधन, 1975	इस के द्वारा मणिपुर तथा त्रिपुरा को राज्य घोषित किया गया तथा मिजोरम व अरुणाचल प्रदेश को संघ राज्य क्षेत्र बनाया गया
36 वां संविधान संशोधन, 1975	सिक्किम को राज्य बनाया गया।

53 वां संविधान संशोधन, 1986	मिजोरम को राज्य बनाया गया।
55 वां संविधान संशोधन, 1986	अरुणाचल प्रदेश को राज्य बनाया गया।
56 वां संविधान संशोधन, 1987	गोवा को राज्य बनाया गया
राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2000	इस अधिनियम द्वारा उत्तरांचल (वर्तमान) उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ एवं झारखंड राज्य का निर्माण किया गया।
आंध्रप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, फरवरी 2014	इस अधिनियम द्वारा तेलंगाना राज्य का निर्माण किया गया।

❖ भारतीय नागरिकता ❖

- भारत में एकल नागरिकता का प्रावधान है।
- भारतीय संविधान में नागरिकता का उल्लेख **भाग-2 में अनुच्छेद 5 से 11 के मध्य** है। इस भाग को **भीमराव अंबेड़कर ने सबसे कठिन भाग** कहा है।
- भारत की **नागरिकता गृह मंत्रालय द्वारा** प्रदान की जाती है। भारतीय नागरिकता अधिनियम, **1955** ई. के अनुसार निम्न में से किसी एक आधार पर नागरिकता प्राप्त की जा सकती है
- **जन्म से**–प्रत्येक व्यक्ति जिसका जन्म संविधान लागू होने अर्थात् 26 जनवरी, 1950 ई. को या उसके पश्चात् भारत में हुआ हो, वह जन्म से भारत का नागरिक होगा। **अपवाद-राजनयिकों के बच्चे, विदेशियों के बच्चे।**
- **वंश-परम्परा द्वारा नागरिकता** – भारत के बाहर अन्य देश में 26 जनवरी, 1950 ई. के पश्चात् जन्म लेनेवाला व्यक्ति भारत का नागरिक माना जाएगा, यदि उसके जन्म के समय उसके माता–पिता में से कोई भारत का नागरिक हो।
  नोट –माता की नागरिकता के आधार पर विदेश में जन्म लेने वाले व्यक्ति को नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान नागरिकता संशोधन अधिनियम 1992 ई. द्वारा किया गया है।
- **देशीयकरण द्वारा नागरिकता** – भारत सरकार से देशीयकरण का प्रमाण–पत्र प्राप्त कर भारत की नागरिकता प्राप्त की जा सकती है।
- **पंजीकरण द्वारा नागरिकता** – निम्नलिखित वर्गो में आनेवाले लोग पंजीकरण के द्वारा भारत की नागरिकता प्राप्त कर सकते हैं –
  - ✓ वे व्यक्ति जो पंजीकरण प्रार्थना–पत्र देने की तिथि से छह माह पूर्व से भारत में रह रहे हों।
  - ✓ वे भारतीय, जो अविभाज्य भारत से बाहर किसी देश में निवास कर रहे हों।
  - ✓ वे स्त्रियाँ, जो भारतीयों से विवाह कर चुकी हैं या भविष्य में विवाह करेंगी।
  - ✓ भारतीय नागरिकों के नाबालिग बच्चे।
  - ✓ राष्ट्रमंडलीय देशों के नागरिक, जो भारत में रहते हों या भारत सरकार की नौकरी कर रहे हों। आवेदन पत्र देकर भारत की नागरिकता प्राप्त कर सकते हैं
- **भूमि-विस्तार द्वारा** – यदि किसी नए भू–भाग को भारत में शामिल किया जाता है, तो उस क्षेत्र में निवास करनेवाले व्यक्तियों को स्वतः भारत की नागरिकता प्राप्त हो जाती है।
- **भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1986**–भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1986 के आधार पर भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1955 में निम्न संशोधन किए गए हैं।
  - ✓ अब भारत में जन्मे केवल उस व्यक्ति को ही नागरिकता प्रदान की जाएगी, जिसके माता–पिता में से एक भारत का नागरिक हो।
  - ✓ जो व्यक्ति पंजीकरण के माध्यम से भारतीय नागरिकता प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें अब भारत में कम से कम पाँच वर्षो तक निवास करना होगा। पहले यह अवधि छह माह थी
  - ✓ देशीयकरण द्वारा नागरिकता तभी प्रदान की जाएगी, जबकि संबंधित व्यक्ति कम से कम 10 वर्षो तक भारत में रह चुका हो। पहले यह अवधि 5 वर्ष थी। नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1986 जम्मू–कश्मीर तथा असम सहित भारत के सभी राज्यों पर लागू होगा।
- **भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2003** – प्रवासी भारतीयों व विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों को दोहरी नागरिकता प्रदान करने के लिए यह विधेयक **लक्ष्मीमल सिंघवी की अध्यक्षता** वाली समिति की सिफारिश पर संसद द्वारा पारित किया गया था।
- **भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2005** – इसके अन्तर्गत भारतीय मूल के लोग जो या जिनके माता–पिता या दादा–दादी 26 जनवरी 1950 के बाद विदेश गये हो अथवा 26 जनवरी 1950 को भारतीय नागरिकता की योग्यता उनके पास रही हो जहाँ पर दोहरी नागरिकता का प्रावधान हो उन्हें ओवरसीज भारतीय नागरिकता दी जाती है
- **भारतीय नागरिकता का अन्त**–भारतीय नागरिकता का अन्त निम्न प्रकार से हो सकता है–

Gangapur City

- ✓ नागरिकता का परित्याग करने से।
- ✓ किसी अन्य देश की नागरिकता स्वीकार कर लेने पर।
- ✓ सरकार द्वारा नागरिकता छीनने पर।

❊ मौलिक अधिकार ❊

मौलिक अधिकार वह है जिसे राज्य के लिखित संविधान द्वारा सुरक्षित व प्रतिभूत बनाया जाता है–**डी.डी.बसु**

- ❑ भारत में मौलिक अधिकारों की सर्वप्रथम मांग 1895 के संविधान विधेयक द्वारा की गई। 1928 में मोतीलाल नेहरु द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रतिवेदन में भारतीयों को मूल अधिकार प्रदान करने की मांग की गई।
- ❑ मौलिक अधिकारों के विचार की उत्पत्ति 1215 के **इंग्लैण्ड के मैग्नाकार्टा** से मानी जाती है।
- ❑ सर्वप्रथम 1789 में फ्रांस ने अपने संविधान में मौलिक अधिकारों को स्थान दिया।
- ❑ डॉ. अम्बेड़कर ने मौलिक अधिकार से संबद्ध भाग को **संविधान का सबसे अधिक आलोकित भाग कहा** था क्योंकि संविधान सभा ने इस पर विचार करने के लिए 38 दिन लगाए थे।
- ❑ भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार सरदार वल्लभ भाई पटेल की अध्यक्षता वाली मौलिक अधिकार समिति व उपसमिति के अध्यक्ष जे.बी.कृपलानी द्वारा तैयार किए गए थे।
- ❑ **इसे संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से लिया गया है।**
- ❑ इसका वर्णन संविधान के भाग–**3** में (अनुच्छेद–12 से अनु.–35) है
- ❑ इसमें संशोधन हो सकता है एवं राष्ट्रीय आपात के दौरान (अनु.–352) जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को छोड़कर अन्य मौलिक अधिकारों को स्थगित किया जा सकता है।
- ❑ मूल अधिकार निम्न स्थितियों में निलम्बित किये जा सकते है।
- ❑ प्रतिरक्षा सेना के सदस्यों के संबंध में अनुच्छेद–33
- ❑ जब सरकार द्वारा सैनिक शासन लागू कर दिया गया हो अनुच्छेद–34
- ❑ आपातकाल के दौरान अनुच्छेद –352
- ❑ अनुच्छेद 19 में प्राप्त मूल अधिकारों का निलम्बन युद्ध या बाह्य आक्रमण के आधार पर लागू राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान ही किया जा सकता है, सशस्त्र विद्रोह के कारण लागू राष्ट्रीय आपात के दौरान नहीं। यह प्रावधान 44 वें संविधान संशोधन अधिनियम (1978) द्वारा लागू किया गया था।
- ❑ **मूल संविधान में सात मौलिक अधिकार थे,** लेकिन 44 वें संविधान संशोधन (1978 ई) के द्वारा सम्पत्ति का अधिकार को मौलिक अधिकार की सूची से हटाकर इसे संविधान के अनु. 300 (क) के अन्तर्गत कानूनी अधिकार के रूप में रखा गया है।

अब भारतीय नागरिकों को निम्नः 6 मूल अधिकार प्राप्त हैं –

✓ समता या समानता का अधिकार	(अनु. 14–18)	✓ स्वतंत्रता का अधिकार	(अनु. 19–22)
✓ शोषण के विरुद्ध अधिकार	(अनु. 23–24)	✓ धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार	(अनु. 25–28)
✓ संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार	(अनु. 29–30)	✓ संवैधानिक उपचारों का अधिकार	(अनु. 32–35)

मूल अधिकारों से संबंधित वाद– शंकर प्रसाद बनाम भारत संघ (1951), सज्जन सिंह व अन्य बनाम राजस्थान राज्य (1964), गोकलनाथ बनाम पंजाब राज्य (1967), केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (1973)

अनु. 12 परिभाषा

अनु. 13 मूल अधिकारो से असंगत या उनका अल्पीकरण करने वाली विधियां

समता या समानता का अधिकार

अनु. 14 विधि के समक्ष समता – इसका अर्थ यह है कि राज्य सभी व्यक्तियों के लिए एक–समान कानून बनाएगा तथा उन पर एक समान लागू करेगा।

अनु. 15 धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म-स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध – राज्य के द्वारा धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग एवं जन्म स्थान आदि के आधार पर नागरिकों के प्रति जीवन के किसी भी क्षेत्र में भेदभाव नहीं किया जाएगा।

अनु. 16 लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता – राज्य के अधीन किसी पद पर नियोजन या नियुक्ति से संबंधित विषयों में सभी नागरिकों के लिए अवसर की समानता होगी।

अपवाद– अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग।

अनु. 17 अस्पृश्यता का अन्त-अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए उसे दंडनीय अपराध घोषित किया गया है।

अनु. 18 उपाधियों का अन्त – सेना या विधा संबंधी सम्मान के सिवाए अन्य कोई भी उपाधि राज्य द्वारा प्रदान नहीं की जाएगी। भारत का कोई नागरिक किसी अन्य देश से बिना राष्ट्रपति की आज्ञा के कोई उपाधि स्वीकार नहीं कर सकता है

स्वतंत्रता का अधिकार

अनु. 19 मूल संविधान में सात तरह की स्वतंत्रता का उल्लेख था, अब सिर्फ छह हैं–

19 (क) बोलने की स्वतंत्रता।

19 (ख) शांतिपूर्वक बिना हथियारों के एकत्रित होने और सभा करने की स्वतंत्रता।

19 (ग) संघ बनाने को स्वतंत्रता।

19 (घ) देश के किसी भी क्षेत्र में आवागमन की स्वतंत्रता।

19 (ड़) देश के किसी भी क्षेत्र में निवास करने और बसने की स्वतंत्रता। **अपवाद-जम्मू-कश्मीर**

19 (च) सम्पत्ति का अधिकार।

19 (छ) कोई भी व्यापार एवं जीविका चलाने की स्वतंत्रता।

अनु. 20 अपराधों के लिए दोष-सिद्धि के संबंध में संरक्षण-इसके तहत तीन प्रकार की स्वतंत्रता का वर्णन है

- ✓ किसी भी व्यक्ति को एक अपराध के लिए सिर्फ एक बार सजा मिलेगी।
- ✓ अपराध करने के समय जो कानून है उसी के तहत सजा मिलेगी न कि पहले और बाद में बनने वाले कानून के तहत।
- ✓ किसी भी व्यक्ति की स्वयं के विरुद्ध न्यायालय में गवाही देने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा।

अनु. 21 प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण–किसी भी व्यक्ति को विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अतिरिक्त उसके जीवन और वैयक्तिक स्वतंत्रता के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

अनु. 22 कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध में संरक्षण – अगर किसी भी व्यक्ति को मनमाने ढंग से हिरासत में ले लिया गया हो, तो उसे तीन प्रकार की स्वतंत्रता प्रदान की गई है–

- ✓ हिरासत में लेने का कारण बताना होगा।
- ✓ 24 घंटे के अन्दर (आने–जाने के समय को छोड़कर) उसे दंडाधिकारी के समक्ष पेश किया जाएगा।
- ✓ उसे अपने पसंद के वकील से सलाह लेने का अधिकार होगा।

शोषण के विरुद्ध अधिकार

अनु. 23 मानव के दुर्व्यापार और बलात् श्रम का प्रतिषेध-इसके द्वारा किसी व्यक्ति की खरीद बिक्री, बेगारी तथा इसी प्रकार का अन्य जबरदस्ती लिया हुआ श्रम निषिद्ध ठहराया गया है, जिसका उल्लंघन विधि के अनुसार दंडनीय अपराध है–

अनु. 24 बालकों के नियोजन का प्रतिषेध-14 वर्ष से कम आयु वाले किसी बच्चे को कारखानों, खानों या अन्य किसी जोखिमभरे काम पर नियुक्त नहीं किया जा सकता है।

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार

अनु. 25 अंतः करण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता–कोई भी व्यक्ति किसी भी धर्म को मान सकता है और उसका प्रचार–प्रसार कर सकता है।

अनु. 26 धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता–व्यक्ति को अपने धर्म के लिए संस्थाओं की स्थापना व पोषण करने, विधि–सम्मत सम्पत्ति के अर्जन, स्वामित्व व प्रशासन का अधिकार है।

अनु. 27 राज्य किसी भी व्यक्ति को ऐसे कर देने के लिए बाध्य नहीं कर सकता है, जिसकी आय किसी विशेष धर्म अथवा धार्मिक सम्प्रदाय की उन्नति या पोषण में व्यय करने के लिए विशेष रूप से निश्चित कर दी गई है।

अनु. 28 राज्य–विधि से पूर्णतः पोषित किसी शिक्षा संस्था में कोई धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाएगी। ऐसे शिक्षण–संस्थान अपने विद्यार्थियों को किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने या किसी धर्मोपदेश को बलात् सुनने हेतु बाध्य नहीं कर सकते।

***Fact*:-प्रेस की स्वतंत्रता** का वर्णन अनु. 19 (क) में ही है।

संस्कृति एवं शिक्षा का अधिकार

अनु. 29 अल्पसंख्यक वर्गों के हितों का संरक्षण – कोई भी अल्पसंख्यक वर्ग अपनी भाषा, लिपि और संस्कृति को सुरक्षित रख सकता है और केवल भाषा, जाति, धर्म और संस्कृति के आधार पर उसे किसी भी सरकारी शैक्षिक संस्था में प्रवेश से नहीं रोका जाएगा।

अनु. 30 शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक वर्गों का अधिकार – कोई भी अल्पसंख्यक वर्ग अपनी पसंद का शैक्षणिक संस्था चला सकता है और सरकार उसे अनुदान देने में किसी भी तरह की भेदभाव नहीं करेगी।

संवैधानिक उपचारों का अधिकार

अनु. 32 इसके अन्तर्गत मौलिक अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए समुचित कार्रवाइयों द्वारा उच्चतम न्यायालय में आवेदन करने का अधिकार प्रदान किया गया हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय को पाँच तरह के रिट निकालने की शक्ति प्रदान की गयी है, जो निम्न है –

- **बन्दी-प्रत्यक्षीकरण** – यह उस व्यक्ति की प्रार्थना पर जारी किया जाता है, जो यह समझता है कि उसे अवैध रूप से बंदी बनाया गया है। इसके द्वारा न्यायालय बंदीकरण करनेवाले अधिकारी को आदेश देता है, कि वह बंदी बनाए गए व्यक्ति को निश्चित स्थान और निश्चित समय के अन्दर उपस्थित करे, जिससे न्यायालय बंदी बनाए जाने के कारणों पर विचार कर सके।
- **परमादेश** – परमादेश का लेख उस समय जारी किया जाता है, जब कोई पदाधिकारी अपने सार्वजनिक कर्त्तव्य का निर्वाह नहीं करता है। इस प्रकार के आज्ञापत्र के आधार पर पदाधिकारी को उसके कर्त्तव्य का पालन करने का आदेश जारी किया जाता है।
- **प्रतिषेध-लेख** – यह आज्ञापत्र सर्चोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों द्वारा निम्न न्यायालयों तथा अर्द्ध न्यायिक न्यायाधिकरणों को जारी करते हुए आदेश दिया जाता है कि इस मामले में अपने यहाँ कार्रवाही न करें, क्योंकि यह मामला उनके अधिकार क्षेत्र के बाहर है।
- **उत्प्रेषण** – इसके द्वारा अधीनस्थ न्यायालयों को यह निर्देश दिया जाता है कि वे अपने पास लम्बित मुकदमों के न्याय–निर्णयन के लिए उसे वरिष्ठ न्यायालय को भेजे।
- **अधिकार पृच्छा-लेख**–जब कोई व्यक्ति ऐसे पदाधिकारी के रूप में कार्य करने लगता है, जिसके रूप में कार्य करने का उसे वैधानिक रूप से अधिकार नहीं है, तो न्यायालय अधिकार–पृच्छा के आदेश के द्वारा उस व्यक्ति से पूछता है कि वह किस अधिकार से कार्य कर रहा है और जब तक वह इस बात का संतोषजनक उत्तर नहीं देता, वह कार्य नहीं कर सकता है।

Fact– संवैधानिक उपचारों के अधिकार' को डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने **संविधान की आत्मा** कहा है।

केवल भारतीयों को प्राप्त अधिकार

अनु. 15 धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म–स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध
अनु. 16 लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता
अनु. 19 वाक् स्वातंत्रय आदि विषयक कुछ अधिकारों का संरक्षण
अनु. 29 अल्पसंख्यक वर्गो के हितों का संरक्षण
अनु. 29 अल्पसंख्यक वर्गो के हितों का संरक्षण
अनु. 30 शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक वर्गो का अधिकार

सभी नागरिकों को प्राप्त अधिकार

अनु. 14 विधि के समक्ष समता।
अनु. 20 अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में संरक्षण।
अनु. 21 प्राण व दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण।
अनु. 23 मानव के दुर्व्यवहार और बाल श्रम का प्रतिषेध
अनु. 24 कारखानों आदि में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध
अनु. 25 अन्तःकरण की ओर धर्म के अबाध रुप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता।
अनु. 26 धार्मिक कार्यो के प्रबंध की स्वतंत्रता।
अनु. 27 किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों की स्वतंत्रता।
अनु. 28 कुछ शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के बारें में स्वतंत्रता।

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

✓	भारतीय संविधान में भारत को कैसे परिभाषित किया गया है	**राज्यों का संघ**
✓	भाषायी आधार पर बनने वाला भारत का प्रथम राज्य कौनसा था	**हैदराबाद**
✓	स्वतंत्रता के समय भारत में कुल कितनी रियासतें थी	**562**
✓	राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन कब किया गया	**1953 ई.में**
✓	किस वर्ष सिक्किम को राज्य का दर्जा दिया गया	**1975 ई. में**
✓	उत्तराखण्ड राज्य के सृजन के समय 11वें वित्त आयोग ने इसे कैसे राज्य का दर्जा दिया था	**विशेष वर्ग का राज्य**
✓	झारखण्ड राज्य का गठन कब किया गया	**15 नवंबर 2000**
✓	भारतीय संविधान कौनसी नागरिकता प्रदान करता है	**एकल नागरिकता**
✓	भारत में एकल नागरिकता की अवधारणा किस देश से ली गई है	**इंग्लैण्ड**
✓	किस देश में दोहरी नागरिकता का सिद्धान्त स्वीकार किया है	**संयुक्त राज्य अमेरिका**
✓	कितने वर्ष भारत से बाहर रहने पर नागरिकता समाप्त हो जाती है	**7 वर्ष**
✓	मौलिक अधिकार संविधान के किस भाग में वर्णित है	**भाग III**
✓	समानता का अधिकार भारतीय संविधान के किन पाँच अनुच्छेदों में किया गया है	**अनुच्छेद 14 से 18**
✓	क्या मौलिक अधिकारों को निलम्बित किया जा सकता है	**हाँ (राष्ट्रपति द्वारा)**
✓	मौलिक अधिकारों के बारे में सुनवाई करने का अधिकार किसके पास है	**सर्वोच्च न्यायालय**
✓	भारतीय संविधान में अस्पृश्यता के उन्मूलन से संबंधित अनुच्छेद कौनसा है	**अनुच्छेद 17**
✓	प्रेस की स्वतंत्रता किस अनुच्छेद से संबधित है	**अनुच्छेद 19**
✓	मौलिक अधिकारों के अंतर्गत कौनसा अनुच्छेद बच्चों के शोषण से संबंधित है	**अनुच्छेद 24**
✓	संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत सिक्खों को कृपाण धारण करना धार्मिक स्वतंत्रता का अंग माना गया है	**अनुच्छेद 25**
✓	धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार किस अनुच्छेद के द्वारा दिया गया है	**अनुच्छेद 25**
✓	संवैधानिक उपचारों का अधिकार किस अनुच्छेद के अंतर्गत दिया गया है	**अनुच्छेद 32**
✓	डॉ. बी.आर.अम्बेड़कर ने किसे संविधान का हृदय एवं आत्मा बताया है	**संवैधानिक उपचारों का अधिकार**
✓	संपत्ति का अधिकार कौनसा अधिकार है	**कानूनी अधिकार**
✓	किस वाद ने संसद को मौलिक अधिकारों में संशोधन का अधिकार दिया	**केशवानन्द भारती वाद**
✓	भारत में उच्च न्यायालय ने किस मामले में माना था कि मौलिक अधिकारों में संशोधन नहीं किया जा सकता	**गोलकनाथ का मामला**
✓	सूचना का अधिकार किस राज्य में लागू नहीं है	**जम्मू और कश्मीर**
✓	मौलिक अधिकारों में संशोधन कौन कर सकता है	**संसद**
✓	मानव के दुर्व्यवहार और बलात् श्रम का निषेध किस अनुच्छेद में किया गया है	**अनुच्छेद 23**
✓	डॉ.बी.आर.अम्बेड़कर ने संविधान के किस भाग को सर्वाधिक आलोकित भाग कहा है	**मौलिक अधिकार को**
✓	संपत्ति के अधिकार को किस संविधान संशोधन द्वारा कानूनी अधिकार बनाया गया	**44वें संविधान संशोधन (1978ई.)**
✓	वर्तमान में संपत्ति का अधिकार किस अनुच्छेद के अंतर्गत है	**300 (क)**
✓	मौलिक अधिकार की अवधारणा किस देश के संविधान से ली गई है	**अमेरिका**

❊ नीति निदेशक तत्व ❊

- ❑ राज्य के नीति निर्देशक सिद्धान्त का वर्णन संविधान के भाग–**4** में (अनु. 36–51) किया गया है।
- ❑ **इसकी प्रेरणा आयरलैंड के संविधान** से मिली है।
- ❑ आयरलैण्ड के सविंधान में इन्हे स्पेन के सविंधान से ग्रहण किया गया था।
- ❑ इसे न्यायालय द्वारा लागू नहीं किया जा सकता। दूसरे शब्दों में इसे वैधानिक शक्ति प्राप्त नहीं है।
- ❑ **ग्रेनविल ऑस्टिन** ने नीति निर्देशक तत्वों को **संविधान की मूल आत्मा** कहा है।

- ❑ वास्तव में नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख अनुच्छेद 38 से 51 तक ही किया गया है क्योंकि 36 में राज्य की परिभाषा दी गई है
- ❑ भारतीय सविंधान के नीति निर्देशक तत्वों में समाजवाद गाँधीवाद तथा पाश्चात्य उदारवाद के आदर्शो का अदभुत समन्वय है।
- ❑ राज्य के नीति–निर्देशक सिद्धान्त निम्न है

अनु. 38 राज्य लोक कल्याण की अभिवृद्धि के लिए सामाजिक व्यवस्था बनाएगा, जिससे नागरिक का सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय मिलेगा ।

अनु. **39 क** समान न्याय और नि:शुल्क विधिक सहायता, समान कार्य के लिए समान वेतन की व्यवस्था इसी में है।

अनु. **39 ख** सार्वजनिक धन का स्वामित्व तथा नियंत्रण इस प्रकार करना ताकि सार्वजनिक हित का सर्वोत्तम साधन हो सके।

अनु. **39 ग** धन का समान वितरण।

अनु. 40 ग्राम पंचायतों का संगठन।

अनु. **41** कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार।

अनु. **42** काम की न्याय–संगत और मानवोचित दशाओं का तथा प्रसूति सहायता का उपबन्ध।

अनु. **43** कर्मकारों के लिए निर्वाचन मजदूरी एवं कुटीर उद्योग को प्रोत्साहन।

अनु. **44** नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता।

अनु. 45 बालकों के लिए अनिवार्य एवं नि:शुल्क शिक्षा का उपबंध।

अनु. **46** अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य दुर्बल वर्गो के शिक्षा और अर्थ–संबंधी हितों की अभिवृद्धि।

अनु. **47** पोषाहार स्तर, जीवन स्तर को ऊँचा करने तथा लोक स्वास्थ्य का सुधार करने का राज्य का कर्त्तव्य।

अनु. **48** कृषि एवं पशुपालन का संगठन।

अनु. 48 क पर्यावरण का संरक्षण तथा संवर्धन और वन एवं वन्य जीवों की रक्षा।

अनु. 49 राष्ट्रीय महत्त्व के स्मारकों, स्थानों और वस्तुओं का संरक्षण।

अनु. 50 कार्यपालिका एवं न्यायपालिका का पृथक्करण।

अनु. 51 अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा की अभिवृद्धि।

उपरोक्त अनुच्छेद के अतिरिक्त कुछ ऐसे अनुच्छेद भी हैं, जो राज्य के लिए निदेशक सिद्धान्त के रूप में कार्य करते हैं, जैसे –

अनु **350 (क)** प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा देना।

अनु. **351** हिन्दी को प्रोत्साहन देना।

Gangapur City Competition Classes

❊ मौलिक कर्तव्य ❊

- ❑ सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर संविधान के **42वें संशोधन (1976 ई.)** के द्वारा मौलिक कर्त्तव्य को संविधान में जोड़ा गया।
- ❑ इसे भाग **4(क) में अनु. 51(क)** के तहत रखा गया।
- ❑ इसे **रूस के संविधान** से लिया गया है।
- ❑ **मौलिक कर्त्तव्य की संख्या 11 है,** जो इस प्रकार है–

✓ प्रत्येक नागरिक का यह कर्त्तव्य होगा कि वह संविधान का पालन करे और उसके आदर्शो, संस्थाओं राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे।

✓ स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शो को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करें।

✓ भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे।

✓ देश की रक्षा करें

✓ भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे।

✓ हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परीक्षण करे।

✓ प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और उसका संवर्धन करे।

✓ वैज्ञानिक दृष्टिकोण और ज्ञानार्जन की भावना का विकास करे।

✓ सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे।

✓ व्यक्तिगत एवं सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे।

✓ 6–14 वर्ष की आयु के बच्चों को अभिभावकों द्वारा अनिवार्य शिक्षा।

Fact– मूल कर्तव्यों को प्रभावी बनाने के लिए **सी.आर.ईरानी** समिति का गठन किया गया था।
मूल कत्तव्यो की स्पष्ट उल्लेख जापान के संविधान में किया गया है।

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

- ✓ भारतीय संविधान में राज्य के नीति निदेशक तत्वों को किस देश से ग्रहण किया गया है– **आयरलैंड**
- ✓ राज्य के नीति निदेशक तत्व संविधान के किस भाग में वर्णित है **भाग IV**
- ✓ संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत न्यायपालिका एवं कार्यपालिका का पृथक्करण किया गया है **अनुच्छेद 50**
- ✓ राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्तों के अनुसार किस आयु तक के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा देने की घोषणा की गई है **14 वर्ष**
- ✓ किस अनुच्छेद में ग्राम पंचायतों के गठन की बात कही गई है **अनुच्छेद 40**
- ✓ भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में भारतीय नागरिकों के मूल कर्तव्यों को शामिल किया गया है **अनुच्छेद 51 क**

⁂ संघीय कार्यपालिका ⁂

(अनु.52–78)

- ❑ संविधान के भाग–5 में 'संघ' की कार्यपालिका विधायिका तथा न्यायपालिका का उल्लेख अनुच्छेद 52 से 151 तक किया गया है। जिसमें भाग–5 के अध्याय 2 में अनुच्छेद 79 से 122 तक संसद का वर्णन किया गया है।
- ❑ संसदीय कार्यप्रणाली के तीन प्रमुख अंग माने गए है।
- ✓ **कार्यपालिका**–कार्यपालिका के अन्तर्गत राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद् आती है।
- ✓ **व्यवस्थापिका**–व्यवस्थापिका के अन्तर्गत राष्ट्रपति, लोकसभा एवं राज्यसभा आती है जो मिलकर संसद का निर्माण करती है।
- ✓ **न्यायपालिका**–संविधान के संरक्षण का कार्य मूल रुप से न्यायपालिका द्वारा किया जाता है।
- ❑ संघ की कार्यपलिका अनुच्छेद 52 से 78 तक संघ की कार्यपालिका में 'राष्ट्रपति, मंत्रीपरिषद् उपराष्ट्रपति' का उल्लेख किया गया है।
- ❑ भारतीय संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित है।
- ❑ भारत में संसदीय व्यवस्था को अपनाया गया है। अतः **राष्ट्रपति नाममात्र की कार्यपालिका** है तथा प्रधानमंत्री तथा उसका मंत्रिमंडल **वास्तविक कार्यपालिका** है।

राष्ट्रपति

- ❑ राष्ट्रपति भारत का संवैधानिक प्रधान होता है।
- ❑ भारत का राष्ट्रपति **भारत का प्रथम नागरिक** कहलाता है।
- ❑ **अनुच्छेद 52** के अन्तर्गत भारत का एक राष्ट्रपति होगा
- ❑ **पद की योग्यता**–संविधान के **अनुच्छेद 58** में राष्ट्रपति पद की योग्यताएं दी गई है।
- ✓ भारत का नागरिक हो।
- ✓ 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।
- ✓ लोकसभा का सदस्य निर्वाचित किए जाने योग्य हो।
- ✓ चुनाव के समय लाभ का पद धारण नहीं करता हो।
- ❑ **अनुच्छेद 53** के अनुसार भारत की समस्त कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित होती है
- ❑ अनुच्देद 59 के अनुसार राष्ट्रपति–पद के उम्मीदवार के लिए निर्वाचक– मंडल के 50 सदस्य प्रस्तावक तथा 50 सदस्य अनुमोदक होते हैं।
- ❑ राष्ट्रपति–पद के उम्मीदवार को 15000 रुपये जमानत राशि के रुप में जमा कराने पड़ते है ऐसा इसलिए किया गया है जिससे की प्रत्येक उम्मीदवार इस चुनाव को गम्भीरता से ले।
- ❑ राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति की जमानत राशि **RBI** में जमा की जाती है।
- ❑ एक ही व्यक्ति जितनी बार चाहे राष्ट्रपति के पद पर निर्वाचित हो सकता है।
- ❑ **निर्वाचक मण्डल**–अनुच्छेद 54 के अनुसार राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए निर्वाचक मंडल में **राज्यसभा, लोकसभा** और **राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य** रहते हैं। नवीनतम व्यवस्था के अनुसार पांडिचेरी विधानसभा तथा दिल्ली की विधानसभा के निर्वाचित सदस्य को भी सम्मिलित किया गया है।

राष्ट्रपति पद की निर्वाचन पद्धति

- ❑ राष्ट्रपति की **निर्वाचन पद्धति को आयरलैंड के संविधान से** लिया गया है।
- ❑ अनुच्छेद 55 में राष्ट्रपति की निर्वाचन पद्धति दी गइ है।
- ❑ राष्ट्रपति का निर्वाचन **आनुपातिक प्रतिनिधित्व** की **एकल संक्रमणीय मत पद्धति** के द्वारा होता है।
- ❑ मत मूल्य का आधार वर्ष 1971 की जनसंख्या को माना गया है। जो पहले 2000 तक निर्धारित था जिसे 84 वें संशोधन, 2000 द्वारा 2026 तक कर दिया गया। अर्थात् राष्ट्रपति के निर्वाचन में 2026 तक 1971 की जनसंख्या का ही आधार होगा।

Fact – भारतीय संविधान के अनुसार राष्ट्रपति के चुनाव के लिए 1971 की जनसंख्या को आधार माना गया है। केवल झारखण्ड, छत्तीसगढ़ ओर उत्तराखंड के विधायकों के मत मूल्य अलग से तय किया गया है।

- ❑ राज्य के एक MLA का मत मूल्य $= \dfrac{\text{राज्य की कुल जनसंख्या}}{\text{राज्य विधानसभा में निर्वाचित सदस्य}} \div 100$
- ❑ संसद के सदस्यों (MP) के मत मूल्य को निकालने के लिए सूत्र

(MP) का मत मूल्य $= \dfrac{\text{राज्य विधानसभा के मत का मूल्य}}{\text{संसद के निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या}}$

राष्ट्रपति के चुनाव में एक सांसद का मत मूल्य

राज्य के कुल निर्वाचित विधायको के मतों का मूल्य	5,49,474
लोकसभा के निर्वाचित सदस्यों की संख्या	543
राज्यसभा के कुल निर्वाचित सदस्यों की संख्या	233
कुल निर्वाचित सांसदो की संख्या	776

MP का मत मूल्य $= \dfrac{549474}{776} = 708.085$

अर्थात् एक सांसद का मत मूल्य 708.085 है इसलिए सभी सांसदो का मत मूल्य $708 \times 776 = 549408$ है

- ❑ राष्ट्रपति के निर्वाचन पद्धति का दूसरा भाग **'एकल संक्रमणीय मत प्रणाली है'** जिसमें निम्न प्रकार की विधि का प्रावधान किया गया है।

Fact–भारत में राष्ट्रपति के निर्वाचन में अब तक केवल एक ही बार **'एकल संक्रमणीय पद्धति'** (दूसरे चक्र की मतगणना) के आधार पर राष्ट्रपति वी. वी. गिरी (1969) घोषित किए गए।

- ❑ **विवादों का निपटारा**–अनुच्छेद 71 के अनुसार राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित संदेहों एवं विवादों का निपटारा **उच्चतम न्यायालय** द्वारा किया जाता है। निर्वाचन अवैध घोषित होने पर उसके द्वारा किए गए कार्य अवैध नहीं होते है।
- ❑ **पदावधि-अनुच्छेद 56(1)** के अनुसार राष्ट्रपति अपने पद ग्रहण की तिथि से पाँच वर्ष की अवधि तक पद धारण करेगा। अपने पद की समाप्ति के बाद भी वह पद पर तब तक बना रहेगा जब तक उसका उत्तराधिकारी पद ग्रहण नहीं कर लेता है।
- ❑ **पुनर्निर्वाचन–अनुच्छेद 57** के अनुसार राष्ट्रपति एक बार पद धारण करने के बाद कितनी ही बार और पुनर्पिवाचित किया जा सकता है।
- ❑ **शपथ-अनुच्छेद 60** के अनुसार पद धारण करने के पूर्व राष्ट्रपति को एक निर्धारित प्रपत्र पर **भारत के मुख्य न्यायाधीश** अथवा उनकी अनुपस्थिति में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश के सम्मुख शपथ लेनी पड़ती है।

Fact – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति थे जिन्हें शपथ एक विदेशी (लॉर्ड माउंटबेटन) ने दिलवाई थी।

- ❑ **त्यागपत्र – अनुच्छेद 56 (1)** के अनुसार राष्ट्रपति निम्न दशाओं में पाँच वर्ष से पहले भी पद त्याग सकता है

(1) उपराष्ट्रपति को संबोधित अपने त्यागपत्र द्वारा।

(2) महाभियोग द्वारा हटाए जाने पर (अनु.–61)।

- ❑ महाभियोग संसद के किसी भी सदन में प्रारंभ किया जा सकता है किन्तु इसकी सूचना राष्ट्रपति को 14 दिन पूर्व देनी होती है।
- ❑ इसके पश्चात् एक सदन में महाभियोग लाया जाता है तथा दूसरा सदन इसका विश्लेषण करता है और अंत में दोनो सदनों में दो तिहाई बहुमत से पारित होने पर राष्ट्रपति को अपने पद से त्यागपत्र देना पड़ता है।
- ❑ **भारत में महाभियोग अभी तक किसी भी राष्ट्रपति पर नहीं लगाया गया है।**
- ❑ अनुच्छेद 62 के अनुसार राष्ट्रपति पद आकस्मिक रिक्त हो जाने पर उसे 6 माह के भीतर भरना आवश्यक होता है।
- ❑ राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति के रुप में उसके कार्यो का निर्वहन करता है।

Haldighati Competition Classes Gangapur City

- ❑ राष्ट्रपति का वेतन आयकर से मुक्त होता है।
- ❑ राष्ट्रपति किसी सार्वजनिक महत्त्व के प्रश्न पर उच्चतम न्यायालय से अनु.–143 के अधीन परामर्श ले सकता है, लेकिन वह यह परामर्श मानने के लिए बाध्य नहीं है।
- ❑ राष्ट्रपति की किसी विधेयक पर अनुमति देने या न देने के निर्णय लेने की सीमा का अभाव होने के कारण राष्ट्रपति **जेबी वीटो** का प्रयोग कर सकता है।

Fact–जेबी वीटो शक्ति का प्रयोग 1986 ई. में संसद द्वारा पारित भारतीय डाकघर संशोधन विधेयक है, जिस पर तत्कालीन राष्ट्रपति **ज्ञानी जैल सिंह** ने कोई निर्णय नहीं लिया।

Fact–यदि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दोनों के ही पद रिक्त हो तो सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायधीश राष्ट्रपति के रुप में कार्य करता है और यदि मुख्य न्यायाधीश भी अनुपस्थित हो तो सर्वोच्च न्यायालय के अन्य 30 न्यायधीशों में से वरिष्ठ न्यायधीश राष्ट्रपति के रुप में कार्य करता है। ऐसा अवसर भारतीय इतिहास में एक बार आया था जब 1969 में राष्ट्रपति जाकिर हुसैन की आकस्मिक मृत्यु हो गई एवं उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरी ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था तो सर्वाच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश एम. हिदायतुल्ला ने कार्यवाहक राष्ट्रपति के रुप में 20 जुलाई 1969 से 24 जुलाई 1969 तक राष्ट्रपति पद का निर्वहन किया।

❖ राष्ट्रपति के अधिकार एवं कर्तव्य ❖

नियुक्ति संबंधी अधिकार

(1) भारत का प्रधानमंत्री, (2) प्रधानमंत्री की सलाह पर मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्यों, (3) सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों, (4) भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, (5) राज्यों के राज्यपाल, (6) मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त, (7) भारत के महान्यायवादी, (8) राज्यों के मध्य समन्वय के लिए अन्तर्राज्यीय परिषद् के सदस्य, (9) संघीय लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों, (10) संघीय क्षेत्रों के मुख्य आयुक्तों, (11) वित्त आयोग के सदस्यों, (12) भाषा आयोग के सदस्यों, (13) पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्यों, (14) अल्पसंख्यक आयोग के सदस्यों, (15) भारत के राजदूतों तथा अन्य राजनयिकों, (16) अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में रिपोर्ट देनेवाले आयोग के सदस्यों आदि।

विधायी शक्तियाँ

राष्ट्रपति संसद का अभिन्न अंग होता है। इसे निम्न विधायी शक्तियाँ प्राप्त हैं–

(1) अनुच्छेद 85 के अनुसार राष्ट्रपति को संसद के सत्र को आहूत करने, सत्रावसान करने तथा लोकसभा भंग करने संबंधी अधिकार प्राप्त है।
(2) **अनुच्छेद 108** के अनुसार संसद के एक सदन में या एक साथ सम्मिलित रूप से दोनों सदनों में अभिभाषण करने की शक्ति राष्ट्रपति को प्राप्त है।
(3) लोकसभा के लिए प्रत्येक साधारण निर्वाचन के पश्चात् प्रथम सत्र के प्रारंभ में और प्रत्येक वर्ष के प्रथम सत्र के आरंभ में सम्मिलित रूप से संसद में अभिभाषण करने की शक्ति।
(4) संसद द्वारा पारित विधेयक राष्ट्रपति के अनुमोदन के बाद ही कानून बनता है।
(5) संसद में निम्न विधेयक को पेश करने के लिए राष्ट्रपति की पूर्व सहमति आवश्यक है
(i) नये राज्यों का निर्माण और वर्तमान राज्य के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन संबंधी विधेयक
(ii) वित्त विधेयक (iii) संचित विधि में व्यय करने वाले विधेयक
(iv) ऐसे कराधान पर, जिसमें राज्य–हित जुड़े हैं, प्रभाव डालने वाले विधेयक।
(v) राज्यों के बीच व्यापार, वाणिज्य और समागम पर निर्बन्धन लगाने वाले विधेयक।

संसद सदस्यों के मनोयन का अधिकार

अनुच्छेद 331 के अनुसार जब राष्ट्रपति को यह लगे कि लोकसभा में आंग्ल भारतीय समुदाय के व्यक्तियों का समुचित प्रतिनिधित्व नहीं है, तब वह उस समुदाय के दो व्यक्तियों को लोकसभा के सदस्य के रूप में नामांकित कर सकता है। इसी प्रकार **अनुच्छेद 80** के अनुसार वह कला, साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञान तथा सामाजिक कार्यो में पर्याप्त अनुभव एवं दक्षता रखनेवाले 12 व्यक्तियों को राज्यसभा में नामजद कर सकता है।

अध्यादेश जारी करने का अधिकार

संसद के स्थगन के समय **अनु.–123** के तहत अध्यादेश जारी कर सकता है, जिसका प्रभाव संसद के अधिनियम के समान होता है। इसका प्रभाव संसद सत्र के शुरू होने के छह सप्ताह तक रहता है।

सैन्य अधिकार

राष्ट्रपति तीनों सेनाओं का सर्वोच्च सेनापति होता है। सैन्य बलों की सर्वोच्च शक्ति राष्ट्रपति में सन्निहित है, किन्तु इसका प्रयोग विधि द्वारा नियमित होता है।

राजदूतों की नियुक्ति का अधिकार

दूसरे देशों के साथ कोई भी समझौता या संधि राष्ट्रपति के नाम से की जाती है। राष्ट्रपति विदेशों के लिए भारतीय राजदूतों की नियुक्ति करता है एवं भारत में विदेशों के राजदूतों की नियुक्ति का अनुमोदन करता है।

क्षमादान का अधिकार

संविधान के **अनु.–72** के अन्तर्गत राष्ट्रपति को किसी अपराध के लिए दोषी ठहराए गए किसी व्यक्ति के दण्ड को क्षमा करने, उसका प्रविलम्बन, परिहार और लघुकरण की शक्ति प्राप्त है।

आपातकालीन अधिकार

आपातकाल से संबंधित उपबन्ध भारतीय **संविधान के भाग–18 के अनु. 352–360** के अन्तर्गत मिलता है। मंत्रिपरिषद् के परामर्श से राष्ट्रपति तीन प्रकार के आपात लागू कर सकता है

अनु. 352

युद्ध या बाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह के कारण लगाया गया आपात।

अब तक तीन बार राष्ट्रीय आपात लगाया जा चुका है।

समयावधि	कारण	राष्ट्रपति	प्रधानमंत्री
26 अक्टू. 1962 से 10 जन. 1966	भारत–चीन युद्ध	एस.राधाकृष्णन	नेहरु
3 दिस. 1971 से 27 मार्च, 1977	भारत–पाक युद्ध	वी.वी.गिरि	इंदिरा गाँधी
26 जून 1975 से 21 मार्च 1977	आंतरिक अशांति	फखरुद्दीन अली	इंदिरा गाँधी

अनु. 356

राज्यों में सांविधानिक तंत्र के विफल होने से उत्पन्न आपात (अर्थात् राष्ट्रपति शासन)

***Fact*–** राजस्थान में अब तक चार बार (1967, 1977, 1980 तथा 1992)में राष्ट्रपति शासन प्रभावी रहा था। **सबसे लंबी अवधि** तक राष्ट्रपति शासन पंजाब में 11 मई 1987 से 25 फरवरी 1992 तक रहा एवं **सर्वप्रथम राष्ट्रपति शासन** भी पंजाब में ही (20 जून, 1951 में) लगा था। **सबसे कम अवधि** के लिए राष्ट्रपति शासन कर्नाटक में 10 अक्टूबर 1990 से 17 अक्टूबर 1990 तक रहा एवं **सर्वाधिक बार राष्ट्रपति शासन** पंजाब तथा उत्तरप्रदेश दोनों में 10 बार लग चुका है।

अनु. 360

वित्तीय आपात (न्यूनतम अवधि-दो माह)।

भारत के राष्ट्रपति संबंधी तथ्य

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद

जन्म–3 दिसम्बर, 1884 (जिरादेई ग्राम, बिहार), **मृत्यु–** 28 फरवरी, 1963 (पटना, बिहार),पत्नि का नाम–राजवंशी देवी, **कार्यकाल**–24 जनवरी 1950 से 13 मई 1962 तक, **विशेष-भारत के प्रथम राष्ट्रपति, एकमात्र निर्वाचित व मनोनीत राष्ट्रपति, अब तक सर्वाधिक लम्बा कार्यकाल, लगातार दो बार राष्ट्रपति बनने वाले एकमात्र व्यक्ति।** प्रारंभ में कलकत्ता में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर के रुप में कार्यरत। बापू के कदमों में, चंपारन सत्याग्रह, भारतीय शिक्षा आदि प्रसिद्ध पुस्तकों के रचियता। तत्कालीन प्रधानमंत्री–जवाहरलाल नेहरु

Baldighati Competition Classes Gangapur City

सर्वपल्ली राधाकृष्णन

जन्म–5 सितम्बर, 1888 (थिरुतन्नी, मद्रास), **मृत्यु**– 17 अप्रैल 1975 (चैन्नई), पत्नि का नाम–शिवाकामू, **कार्यकाल**–13 मई 1962 से 13 मई 1967 तक, **विशेष**–भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति (13 मई 1952 से 12 मई 1962 तक)। इनके **जन्मदिवस को शिक्षक दिवस** के रुप में मनाया जाता है। 1954 में इन्हें भारत रत्न प्रदान किया गया। इनके द्वारा रचित प्रसिद्ध पुस्तकों के नाम **इण्डियन फिलॉसफी, दा हिन्दु व्यु ऑफ लाईफ** है। तत्कालीन प्रधानमंत्री–जे.एल. नेहरु, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गाँधी, गुलजारी लाल नंदा (कार्यवाहक)

डॉ. जाकिर हुसैन

जन्म–8 फरवरी, 1897 (हैदराबाद),**मृत्यु**- 3 मई, 1969 (नई दिल्ली), पत्नि का नाम–शाहजहाँ बेगम, **कार्यकाल**– 13 मई 1967 से 3 मई 1969 तक, **विशेष**–भारत के प्रथम मुस्लिम राष्ट्रपति। प्रथम राष्ट्रपति जिनकी पद पर रहते हुए मृत्यु हुई। राष्ट्रपति बनने से पूर्व उपराष्ट्रपति (13 मई 1962 से 12 मई 1967 तक)। जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के संस्थापक। 6 जुलाई 1957 से 11 मई 1962 तक बिहार के राज्यपाल रहे। 1963 में इन्हें भारत रत्न प्रदान किया गया। फ्रेडरिक विलियम विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में Ph.D की उपाधि धारण की थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री– इंदिरा गाँधी

वी.वी. गिरी

जन्म–10 अगस्त, 1894– बैराहमपुर, तत्कालीन मद्रास (उड़ीसा),**मृत्यु**– 23 जून,1980 (मद्रास), पत्नि का नाम–सरस्वती बाई, **कार्यवाहक कार्यकाल**– 3 मई 1969 से 20 जुलाई 1969 तक। **भारत के प्रथम कार्यवाहक राष्ट्रपति जिन्होनें पद पर रहते हुए त्याग पत्र दिया। विशेष**– राष्ट्रपति बनने से पूर्व 13 मई 1967 से 3 मई 1969 तक उपराष्ट्रपति रहे। इससे पूर्व कर्नाटक (2 अप्रैल 1965 से 13 मई 1967), केरल (1 जुलाई 1960 से 2 अप्रैल 1965) तथा उत्तर प्रदेश (10 जून, 1956 से 30 जून 1960) के राज्यपाल रहे। तत्कालीन प्रधानमंत्री– इंदिरा गाँधी

एम.हिदायतुल्ला

जन्म–17 दिसम्बर, 1905 (लखनऊ), **मृत्यु**– 18 सितम्बर 1992 (मुम्बई), पत्नि का नाम–पुष्पा शाह। **कार्यवाहक कार्यकाल**– 20 जुलाई, 1969 से 24 अगस्त 1969 तक **विशेष**–भारत के प्रथम मुख्य न्यायधीश जो कार्यवाहक राष्ट्रपति बने। तत्कालीन प्रधानमंत्री–इंदिरा गाँधी।
Fact–यदि राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति दोनों का पद खाली हो तो सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायधीश राष्ट्रपति के रुप में कार्य करता है और यदि किसी कारणवश यह पद भी खाली हो तो अन्य 30 न्यायधीशों में से वरिष्ठ न्यायधीश राष्ट्रपति के रुप में कार्य करेगा।

वी.वी. गिरी

जन्म–10 अगस्त, 1894 बैराहमपुर, तत्कालीन मद्रास (उड़ीसा)। **मृत्यु**– 23 जून,1980 (मद्रास)। पत्नि का नाम– सरस्वती बाई। **कार्यकाल**– 25 अगस्त 1969 से 23 अगस्त 1974 तक। **विशेष**–(भारत के प्रथम कार्यवाहक राष्ट्रपति) भारत के एकमात्र राष्ट्रपति जो उपराष्ट्रपति पद से त्यागपत्र देकर राष्ट्रपति बने। इनके चुनाव में पहली बार द्वितीय चक्र की मतगणना (एकल संक्रमणीय पद्धति) करनी पड़ी। तत्कालीन प्रधानमंत्री– इंदिरा गाँधी

फखरुद्दीन अली अहमद

जन्म–13 मई 1905 (नई दिल्ली)। **मृत्यु**–11 फरवरी, 1977 (नई दिल्ली)। पत्नि का नाम–बेगम अबीदा अहमद। **कार्यकाल**–24 अगस्त 1974 से 11 फरवरी 1977 तक

विशेष-भारत के द्वितीय मुस्लिम राष्ट्रपति, इनकी भी पद पर रहते हुए मृत्यु हुई। 1975 में यूविनर्सिटी ऑफ प्रिस्टीना (यूगोस्लाविया) ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रधान की। इसके अतिरिक्त असम फुटबाल संघ एवं क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रहे। तत्कालीन प्रधानमंत्री–इंदिरा गाँधी

बी.डी.जत्ती

जन्म–10 सितंबर, 1913 (सवालगी)। **मृत्यु**– 7 मई, 2002। **कार्यकाल**–11 फरवरी 1977 से 25 जुलाई 1977 तक। **विशेष**–सबसे लंबे समय तक कार्यवाहक राष्ट्रपति। राष्ट्रपति बनने से पूर्व 8 नवंबर 1972 से 20 अगस्त 1974 तक उड़ीसा के राज्यपाल, 14 अक्टूब
र 1968 से 7 नवंबर 1972 तक पांडिचेरी के राज्यपाल रहे। 16 मई 1958 से 6 मार्च 1962 तक मैसूर के मुख्यमंत्री रहे। तत्कालीन प्रधानमंत्री–मोरारजी देसाई, इंदिरा गाँधी

नीलम संजीव रेड्डी

जन्म–13 मई,1913 (इल्लूर, मद्रास)। **मृत्यु**– 1 जून, 1996 (बंगलौर)। **पत्नि का नाम**–नीलम नागरात्नामा। **कार्यकाल**–25 जुलाई 1977 से 25 जुलाई 1982 तक। **विशेष**–निर्विरोध राष्ट्रपति बने, सबसे कम आयु के राष्ट्रपति, राष्ट्रपति बनने से पूर्व लोकसभाध्यक्ष (26 मार्च, 1977 से 13 जुलाई, 1977), एवं आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री (12 मार्च, 1962 से 20 फरवरी 1964) के रुप में कार्य किया। **एकमात्र राष्ट्रपति जो चुनाव हारे ओर दूसरी बार निर्विरोध चुने गए।** तत्कालीन प्रधानमंत्री–मोरारजी देसाई, चौ. चरणसिंह, इंदिरा गाँधी

ज्ञानी जैल सिंह

जन्म–5 मई, 1916 (संधावन)। **मृत्यु**– 25 मई 1994 (चंडीगढ़)। **कार्यकाल**– 25 जुलाई 1982 से 15 जुलाई 1987 तक। **विशेष-भारत के**

प्रथम सिख राष्ट्रपति। एकमात्र राष्ट्रपति जिनकी सड़क दुर्घटना में मृत्यु हुई। सबसे कम पढ़े लिखे राष्ट्रपति। राष्ट्रपति बनने से पूर्व पंजाब के मुख्यमंत्री रहे। तत्कालीन प्रधानमंत्री–इंदिरा गाँधी, राजीव गाँधी

रामास्वामी वेंकटरमण

जन्म–4 दिसम्बर 1910 (राजामदाम, तमिलनाडू)। **मृत्यु**-27 जनवरी, 2009 (नई दिल्ली)। पत्नि का नाम–जानकी वेंकटरमण। **कार्यकाल**–25 जुलाई 1987 से 25 जुलाई 1992 तक। **विशेष**-सबसे अधिक आयु के राष्ट्रपति। राष्ट्रपति बनने से पूर्व 14 जनवरी 1980 से 15 जनवरी 1982 तक वित्तमंत्री, 25 जून 1982 से 2 सितंबर 1982 तक गृहमंत्री एवं 25 जनवरी 1982 से 2 अगस्त 1984 तक रक्षामंत्री रहे। तत्कालीन प्रधानमंत्री– राजीव गाँधी, वी.पी.सिंह, चन्द्रशेखर, पी.वी.नरसिंहराव।

डॉ.शंकरदयाल शर्मा

जन्म–19 अगस्त, 1918(भोपाल सेन्ट्रल प्रोविन्स, वर्तमान में मध्यप्रदेश में)। **मृत्यु**– 26 दिसम्बर 1999 (नई दिल्ली)। **कार्यकाल**– 25 जुलाई 1992 से 25 जुलाई 1997 तक। **विशेष**- राष्ट्रपति बनने से पूर्व 3 सितम्बर 1987 से 25 जुलाई 1992 तक उपराष्ट्रपति, 3 अप्रैल 1986 से 2 सितंबर 1987 तक महाराष्ट्र के राज्यपाल, 3 अप्रैल 1986 से 2 सितंबर 1987 तक पंजाब के राज्यपाल, 29 अगस्त 1984 से 26 नवंबर 1985 तक आंध्रप्रदेश के राज्यपाल एवं 25 जनवरी 1982 से 2 अगस्त 1984 तक रक्षामंत्री रहे। तत्कालीन प्रधानमंत्री–पी.वी.नरसिंह राव, अटलबिहारी वाजपेयी, एच.डी. दैवगौड़ा, आई. के. गुजराल।

विशेष– उनकी **बेटी गीतांजलि की हत्या** 31 जुलाई 1985 को पश्चिमी दिल्ली में श्री माकन के कीर्तिनगर स्थित निवास के बाहर खलिस्तानी उग्रवादियों **हरजिंदर सिंह जिंदा, सुखदेव सिंह सुख और रंजीत सिंह गिल उर्फ कुक्की** द्वारा अपने पति कांग्रेस के ललित माकन के साथ कर दी गई थी।

के.आर.नारायणन (कोचेरिल रमन नारायणन)

जन्म–27 अक्टूबर 1920, (पेरुमाथनम् त्रावणकोर में) **मृत्यु**- 9 नवम्बर 2005 (नई दिल्ली)। **कार्यकाल**– 25 जुलाई 1997 से 25 जुलाई 2002 तक। **विशेष**- भारत के प्रथम दलित राष्ट्रपति, राष्ट्रपति बनने से पूर्व 12 अगस्त 1992 से 24 जुलाई 1997। तत्कालीन प्रधानमंत्री– आई. के. गुजराल, अटलबिहारी वाजपेयी।

ए.पी.जे.अब्दुल कलाम (अबुल पकीर जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम)

जन्म–15 अक्टूबर 1931, (रामेश्वरम् में)। **मृत्यु**- 27 जुलाई 2015 (शिलांग, मेघालय)। **कार्यकाल**– 25 जुलाई 2002 से 25 जुलाई 2007 तक। **विशेष**– भारत के प्रथम राष्ट्रपति जो वैज्ञानिक है। तत्कालीन प्रधानमंत्री– अटलबिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह।

अब्दुल कलाम को प्रदान किए गए अवार्ड, उपाधि तथा पुरस्कार

पुरुस्कार वर्ष	पुरुस्कार का नाम	देने वाली संस्था
2012	डॉक्टर्स ऑफ लॉ	सिम्सन फ्रेजर विश्वविद्यालय
2011	IEEE Honorary Membership	IEEE
2010	डॉक्टर्स ऑफ इंजीनियरिंग	वाटरलू विश्वद्यिालय
2009	हूवर मेडल	ASME Foundation, USA
2009	अंतराष्ट्रीय कर्म विंग्स अवार्ड	कैलीफोर्निया इंस्टीट्युट
2008	डॉक्टर्स ऑफ इंजीनियरिंग	नानयंग विश्वविद्यालय, सिंगापुर
2007	किंग चार्ल्स II मेडल	रॉयल सोसायटी, U.K
2007	डॉक्ट्रेट ऑफ साईस	वोल्वेरहैम्पटन विश्वविद्यालय, U.K
2000	रामानुजन अवार्ड	अलवार शोध केन्द्र, चैन्नई
1998	वीर सावरकर अवार्ड	भारत सरकार
1997	इंदिरा गाँधी शांति अवार्ड	भारत सरकार
1997	भारत रत्न	भारत सरकार
1990	पद्म विभूषण	भारत सरकार
1981	पद्म भूषण	भारत सरकार

प्रतिभा पाटिल

जन्म–19 दिसम्बर, 1934 (नदगाँव)। **कार्यकाल**– 25 जुलाई 2007 से 25 जुलाई 2012 तक। **विशेष**-भारत की पहली महिला राष्ट्रपति।

राष्ट्रपति बनने से पूर्व 8 नवंबर 2004 से 23 जून 2007 तक राजस्थान की राज्यपाल। प्रधानमंत्री– मनमोहन सिंह।

प्रणब मुखर्जी

जन्म–11 दिसम्बर, 1935 (लखनऊ)। **कार्यकाल**– 25 जुलाई 2012 से वर्तमान तक। **विशेष**–प्रथम राष्ट्रपति जो राष्ट्रपति बनने से पूर्व वित्तमंत्री थे। राष्ट्रपति बनने से पूर्व 24 जनवरी 2009 से 26 जून 2012 तक वित्तमंत्री, 25 जनवरी 1982 से 2 अगस्त 1984 तक रक्षामंत्री, 24 जून 1991 से 15 मई 1996 तक योजना आयोग के उपाध्यक्ष एवं रहे। तत्कालीन प्रधानमंत्री– मनमोहन सिंह। 2008 को इन्हे पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। इनके पिता का नाम कमादा किंकर मुखर्जी तथा माता का नाम राजलक्ष्मी मुखर्जी है। इन्हे **हर मौसम का आदमी (बचपन में पोल्टू)** नाम से भी जाना जाता है।

रामनाथ कोविंद

जन्म–1 अक्टूबर, 1945 (देहात, कानपुर उत्तर प्रदेश)। **कार्यकाल**– 25 जुलाई 2014 से वर्तमान तक। **विशेष**–राष्ट्रपति बनने से पूर्व 16 अगस्त 2015 से 20 जून 2017 तक बिहार के राज्यपाल रहे है। 1994 से 2006 तक उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद के रुप में चुने गए है। इनकी **पत्नि का नाम सविता कोविन्द, पुत्र का नाम प्रशांत कुमार एवं पुत्री का नाम स्वाति** है।

राष्ट्रपति से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत के एकमात्र राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा ने सर्वाधिक चार प्रधानमंत्रियों का कार्यकाल देखा था।
- भारत के **प्रथम मुस्लिम राष्ट्रपति** जाकिर हुसैन, **प्रथम सिक्ख राष्ट्रपति** ज्ञानी जैलसिंह, **प्रथम दलित राष्ट्रपति** के.आर.नारायणन एवं **प्रथम महिला राष्ट्रपति** प्रतिभा पाटिल है।
- वी.वी.गिरी एवं बी.डी.जत्ती ऐसे उपराष्ट्रपति थे जिन्होंने कार्यवाहक राष्ट्रपति के रुप में कार्य किया।
- उच्चतम न्यायालय के एकमात्र मुख्य न्यायधीश एम.हिदायतुल्ला ने कार्यवाहक राष्ट्रपति के रुप में कार्य किया।
- डॉ.राजेन्द्र प्रसाद, नीलम संजीव रेड्डी, फखरुद्दीन अली अहमद, ए.पी.जे.अब्दुल कलाम व प्रतिभा पाटिल सीधे ही राष्ट्रपति बने अर्थात् ये पहले उपराष्ट्रपति नहीं थे।
- डॉ.जाकिर हुसैन और फखरुद्दीन अली अहमद का कार्यकाल के दौरान निधन हो गया था
- डॉ. फखरुद्दीन अली अहमद ने सर्वाधिक अध्यादेशों को जारी किया था

राष्ट्रपति पद के लिए महिला उम्मीदवार

वर्ष	प्रत्याशी	विजेता	वर्ष	प्रत्याशी	विजेता
1967	मनोहरा होल्कर	डॉ.जाकिर हुसैन	1969	फुरचरण कौर	वी.वी.गिरी
2002	लक्ष्मी सहगल	ए.पी.जे.अब्दुल कलाम	2007	प्रतिभा पाटिल	प्रतिभा पाटिल

राष्ट्रपति भवन

- राष्ट्रपति के आवास के लिये दिल्ली में राष्ट्रपति भवन, शिमला में, राजस्थान तथा हैदराबाद में निलयम उपलब्ध है
- भारत का राष्ट्रपति भवन वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना है। इस भवन के निर्माण में स्टील का बिल्कुल प्रयोग नही किया गया है।
- इस भवन के मुख्य शिल्पकार एडविन लुटियन्स तथा प्रमुख अभियन्ता हता कीलिगं थे
- इस भवन के निर्माण में 17 वर्ष लगे तथा उस समय लगभग 1 करोड 28 लाख रूपये खर्च हुए
- राष्ट्रपति भवन चार मंजिल है तथा इसमें 340 कमरे है।
- 26 जनवरी 1950 को यह भवन प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की सरकारी आवास बना
- राष्ट्रपति भवन में तीन बड़े हाल है।
  1. दरबार हॉल 2. अशोक हॉल 3. बैंकेट हाल
- सभी प्रमुख समारोह दरबार हॉल में आयोति किये जाते है।
- शपथ ग्रहण समारोह अशोक हॉल में किया जाता है।
- मेहमानों को भोज बैंकट हॉल में किया जाता है।
- राष्ट्रपति भवन परिसर में लगभग 1000 किस्म के फूल पौधों से युक्त **मुगल गार्डन** भी है।

उपराष्ट्रपति

- संविधान के **अनुच्छेद–63 के अनुसार** भारत का एक उपराष्ट्रपति होगा।
- संविधान में उपराष्ट्रपति से संबंधित प्रावधान अमेरिका के संविधान से ग्रहण किया गया है।
- **अनु. 64 के अनुसार भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है।**
- उपराष्ट्रपति राज्यसभा का सदस्य नहीं होता है, अतः इसे मतदान का अधिकार नहीं है, किन्तु सभापति के रूप में निर्णायक मत देने का अधिकार उसे प्राप्त है।
- **योग्यता**–कोई व्यक्ति उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने के योग्य तभी होगा, जब वह
  (1) भारत का नागरिक हो। (2) 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।
  (3) राज्यसभा का सदस्य निर्वाचित होने के योग्य हो।
  (4) निर्वाचन के समय किसी प्रकार के लाभ के पद पर नहीं हो।
  (5) वह संसद के किसी सदन या राज्य के विधानमंडल के किसी सदन का सदस्य नहीं हो सकता
- **अनुच्छेद 67 के अनुसार उपराष्ट्रपति का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है।**
- उपराष्ट्रपति को अपना पद ग्रहण करने से पूर्व राष्ट्रपति अथवा उसके द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति के समक्ष शपथ लेनी पड़ती है
- **अनुच्छेद 65 के अनुसार** राष्ट्रपति के पद खाली रहने पर उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति की हैसियत से कार्य करता है। उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने की अधिकतम अवधि छह महीने होती है। इस दौरान राष्ट्रपति का चुनाव करा लेना अनिवार्य होता है। राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते समय उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति को मिलने वाली वेतन तथा सभी सुविधाओं का उपभोग करता है।

भारत के उपराष्ट्रपति

डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन	1952–1957	डॉ.जाकिर हुसैन	1962–1967
वी.वी.गिरी	1967–1969	जी.एस.पाठक	1969–1974
बी.डी.जत्ती	1974–1979	एम.हिदायतुल्ला	1979–1984
आर.वेंकटरमन	1984–1987	शंकरदयाल शर्मा	1987–1992
के.आर.नारायणन	1992–1997	कृष्णकांत	1997–2002
भैरोसिंह शेखावत	2002–2007	डॉ.हामिद अंसारी	2007-2017
वैंकैयया नायडू	2017–वर्तमान		

उपराष्ट्रपति से संबंधित तथ्य

- भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन दो कार्यकाल तक उपराष्ट्रपति रहे।
- कृष्णकांत एकमात्र ऐसे उपराष्ट्रपति थे जिनकी मृत्यु कार्यकाल के दौरान हो गई थी।
- भारत के इतिहास में एस.राधाकृष्णन के बाद हामिद अंसारी दूसरे ऐसे व्यक्ति बन गए है जो लगातार दूसरी बार इस पद पर निर्वाचित हुए है।
- दो उपराष्ट्रपति वी.वी.गिरि एवं वेंकटरमन कार्यकाल पूरा होने से पहले ही राष्ट्रपति चुन लिए गए।
- डॉ.जाकिर हुसैन और फखरुद्दीन अली अहमद का कार्यकाल के दौरान निधन हो गया था

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

✓ भारत में कार्यपालिका का अध्यक्ष कौन होता है	**राष्ट्रपति**
✓ भारत का राष्ट्रपति बनने के लिए न्युनतम आयु सीमा क्या है	**35 वर्ष**
✓ राष्ट्रपति पद के निर्वाचन हेतु कौनसी पद्धति अपनाई जाती है	**आनुपातिक प्रतिनिधित्व एवं एकल संक्रमणीय मत पद्धति**
✓ राष्ट्रपति पर महाभियोग का आरोप संसद के के किस सदन द्वारा लगाया जा सकता है	**किसी भी सदन द्वारा**
✓ भारतीय राष्ट्रपति के सर्वसम्मति से चुने जाने का एकमात्र उदाहरण है	**नीलम संजीव रेड्डी**
✓ स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति किस राज्य से थे	**बिहार**
✓ कौनसा व्यक्ति लगातार दो बार राष्ट्रपति चुना गया	**डॉ.राजेन्द्र प्रसाद**
✓ भारतीय सेनाओं का सर्वोच्च सेनापति कौन होता है	**राष्ट्रपति**

- ✓ लोकसभा व राज्यसभा में राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत कुल सदस्यों की संख्या कितनी है **14**
- ✓ सर्वाजनिक महत्व के किसी विषय पर राष्ट्रपति संविधान के किस अनुच्छेद के तहत् सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श ले सकता है **अनुच्छेद 143**
- ✓ राष्ट्रपति किस अनुच्छेद के अंतर्गत अध्यादेश जारी कर सकता है **अनुच्छेद 123**
- ✓ नामांकन के समय राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को जमानत के तौर पर कितनी राशि जमा करानी पड़ती है **15000 रुपये**
- ✓ भारत के प्रथम राष्ट्रपति का चुनाव किसके द्वारा किया गया था **संविधान सभा द्वारा**
- ✓ अनुच्छेद 63 के अनुसार भारत का एक.........होगा **उपराष्ट्रपति**
- ✓ कौन सबसे कम समय के लिए भारत का उपराष्ट्रपति रहा **वी.वी.गिरि**
- ✓ भारत का उपराष्ट्रपति पदेन सभापति होता है **राज्यसभा का**
- ✓ उपराष्ट्रपति अपने मत का प्रयोग करता है **मतों के बराबर रहने की स्थिति में**
- ✓ कौन राष्ट्रपति के चुनाव में तो मतदान नहीं करते किन्तु उपराष्ट्रपति के चुनाव में तमदान करते है **संसद के मनोनीत सदस्य**
- ✓ उपराष्ट्रपति चुनाव में निर्वाचक मण्डल के सदस्य कौन–कौन होते है **संसद के सभी सदस्य**
- ✓ उपराष्ट्रपति को उसके कार्यकाल से पूर्व हटाने का अधिकार है **संसद को**
- ✓ भारत के प्रथम दलित राष्ट्रपति कौन थे **के.आर.नारायणन**
- ✓ भारत के एकमात्र राष्ट्रपति जिनकी मृत्यु सड़क दुर्घटना में हुई थी **ज्ञानी जैलसिंह**
- ✓ भारत की प्रथम महिला राष्ट्रपति कौन है **प्रतिभा देवीसिंह पाटिल**
- ✓ भारत के उपराष्ट्रपति को पदच्युत करने का प्रस्ताव प्रस्तावित किया जा सकता है **केवल राज्यसभा में**
- ✓ उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के सभापति के रुप में अन्य भत्तों के अलावा कितना वेतन प्राप्त होता है **1,25,000 रुपये**
- ✓ भारत के किस राष्ट्रपति ने जेबी वीटो पावर का प्रयोग किया था **ज्ञानी जैलसिंह**

Haldighati Competition Classes Gangapur City

प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्

- संविधान के **अनु.–74** के अनुसार राष्ट्रपति को उसके कार्यो के सम्पादन व सलाह देने हेतु एक मंत्रिपरिषद् होती है, जिसका प्रधान प्रधानमंत्री होता है
- प्रधानमंत्री पद के लिए **न्युनतम आयु 25 वर्ष** है।
- संविधान के **अनु.–75** के अनुसार प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति करेगा और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की सलाह पर करेगा
- पद ग्रहण से पूर्व प्रधानमंत्री सहित प्रत्येक मंत्री को राष्ट्रपति के सामने पद और गोपनीयता की शपथ लेनी होती है।
- **मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।**
- मंत्री तीन प्रकार के होते है–**कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री एवं उपमंत्री।** कैबिनेट मंत्री विभाग के अध्यक्ष होते हैं। प्रधानमंत्री एवं कैबिनेट मंत्री को मिलाकर मंत्रिमंडल का निर्माण होता है।
- प्रधानमंत्री की सलाह पर ही राष्ट्रपति लोकसभा भंग करता है।
- **प्रधानमंत्री नीति आयोग (योजना आयोग) का पदेन अध्यक्ष होता है।**

भारत के प्रधानमंत्री

पंडित जवाहर लाल नेहरु	15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964
गुलजारी लाल नंदा	27 मई 1964 से 9 जून 1964
लाल बहादुर शास्त्री	9 जून 1964 से 11 जनवरी 1966
गुलजारी लाल नंदा	11 जनवरी 1966 से 24 जनवरी 1966
इंदिरा गाँधी	24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977
मोरारजी देसाई	24 मार्च 1977 से 28 जुलाई 1979
चौधरी चरणसिंह	28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980
इंदिरा गाँधी	14 जनवरी 1980 से 31 अक्टूबर 1984
राजीव गाँधी	31 अक्टूबर 1984 से 2 दिसंबर 1989
विश्वनाथ प्रताप सिंह	2 दिसंबर 1989 से 10 नवंबर 1990
चन्द्रशेखर	10 नवंबर 1990 से 21 जून 1991
पी.वी.नरसिंहराव	21 जून 1991 से 1 मई 1996
अटल बिहारी वापजेयी	16 मई 1996 से 1 जून 1996
एच.डी.दैवेगौड़ा	1 जून 1996 से 21 अप्रैल 1997
आई.के. गुजराल	21 अप्रैल 1997 से 19 मार्च 1998
अटलबिहारी वाजपेयी	19 मार्च 1998 से 22 मई 2004
डॉ.मनमोहन सिंह	23 मई 2004 से 22 मई 2009 एवं
	22 मई 2009 से 26 मई 2014
नरेन्द्र मोदी	26 मई 2014 से वर्तमान तक

Haldighati Competition Classes
Gangapur City

प्रधानमंत्री से संबंधित तथ्य

- प्रधानमंत्रियों में सबसे बड़ा कार्यकाल प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रहा (16 साल 9 महीने और 13 दिन)। जवाहरलाल नेहरु एकमात्र मनोनीत व निर्वाचित प्रधानमंत्री थे।
- **नेहरु, लालबहादुर शास्त्री तथा इंदिरा गाँधी की मृत्यु उनके कार्यकाल के दौरान हुई थी**
- **देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी बनीं।** जब इन्दिरा गाँधी प्रधानमंत्री बनीं तो वह राज्यसभा की सदस्य थीं।
- **चरण सिंह एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री रहे, जो कभी लोकसभा में उपस्थित नहीं हुए।**
- **विश्वास मत प्राप्त करने में असफल होने वाले प्रथम प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह थे।**
- सबसे कम समय प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले व्यक्ति अटल बिहारी वाजपेयी है (मात्र 13 दिन)।
- जवाहर लाल नेहरु तथा लालबहादुर शास्त्री की मृत्यु के बाद गुलजारी लाल नंदा भारत के दो बार कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने थे।

भारत के उपप्रधानमंत्री

सरदार वल्लभ भाई पटेल	15 अगस्त 1947 से 15 दिसंबर 1950	जवाहर लाल नेहरु
मोरारजी देसाई	13 मार्च 1967 से 19 जुलाई 1969	इंदिरा गाँधी
जगजीवन राम	24 जनवरी 1979 से 28 जुलाई 1979	मोरारजी देसाई
चौधरी चरणसिंह	24 जनवरी 1979 से 28 जुलाई 1979	मोरारजी देसाई
वाई.वी.च्वहाण	28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980	चौधरी चरणसिंह
चौधरी देवीलाल	2 दिसंबर 1989 से 1 अगस्त 1990	विश्वनाथ प्रतापसिंह
चौधरी देवीलाल	10 नवंबर 1990 से 21 जून 1991	चंद्रशेखर
लालकृष्ण आडवाणी	29 जून 2002 से 22 मई 2004	अटलबिहारी वाजपेयी

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

- ✓ प्रधानमंत्री की नियुक्ति कौन करता है — **राष्ट्रपति**
- ✓ संघीय परिषद् का अध्यक्ष कौन होता है — **प्रधानमंत्री**
- ✓ नीति आयोग का अध्यक्ष कौन होता है — **प्रधानमंत्री**
- ✓ प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है, यह किस अनुच्छेद में वर्णित है — **अनु. 75 में**
- ✓ प्रधानमंत्री पद के लिए न्युन्तम आयु सीमा क्या है — **25 वर्ष**
- ✓ भारत के प्रधानमंत्री का पद है — **संविधान द्वारा सृजित**

महान्यायवादी

- ❑ **अनुच्छेद 76 के अनुसार भारत का महान्यायवादी प्रथम विधि अधिकारी होता है।**
- ❑ भारत का महान्यायवादी न तो संसद का सदस्य होता है और न ही मंत्रिमंडल का सदस्य होता है। लेकिन वह किसी भी सदन में अथवा उनकी समितियों में बोल सकता है, किन्तु उसे मत देने का अधिकार नहीं है।
- ❑ **महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है तथा वह उसके प्रसाद पर्यन्त पद धारण करता है।**
- ❑ भारत के प्रथम महान्यायवादी **एम.सी.सीतलवाड** थे।

❖ हमारा संसद भवन–एक नजर ❖

- ❑ संसद भवन की **परिकल्पना सर एडविन लुटियन्स और हर्बट बेकर** ने की थी।
- ❑ इसके निर्माण में 6 वर्ष 4 माह तथा 9 दिन लगे थे तथा इसके निर्माण में 83 लाख रुपये खर्च हुए थे।
- ❑ इसका **उद्घाटन लॉर्ड इरविन ने 18 जनवरी 1927** को किया था।
- ❑ संसद भवन की **नींव ड्युक ऑफ कनाट** नामक इंजीनियर ने एवं इसका **शिलान्यास 12 फरवरी 1921 को प्रिंस ऑर्थर** ने किया था।
- ❑ भारतीय संसद भवन एक विशिष्ट भवन है, इसके केन्द्र में केन्द्रीय कक्ष है। इसी कक्ष में लॉर्ड माउंटबेटन ने पं. जवाहरलाल नेहरु को भारत की स्वतंत्रता संबंधी घोषणा पत्र दिया। वर्तमान में संसद के संयुक्त अधिवेशन में इस कक्ष का प्रयोग किया जाता है।
- ❑ वर्तमान में संसद भवन में तीन प्रमुख कक्ष है जिन्हें **लोकसभा, राज्यसभा ओर लाईब्रेरी हॉल,** जो केन्द्रीय कक्ष की और है।
- ❑ संसद का **लोकसभा भवन अंग्रेजी के 'यू' (U) आकार** का है।
- ❑ संसद भवन में कुल 144 खम्भें है। भवन के अन्दर और बाहर कुल 12 फव्वारें है व इसमें कुल 12 प्रवेश द्वार है।
- ❑ संसद भवन में गुलाबों का एक बगीचा है जिसे **'मुगल गार्डन'** के नाम से जाना जाता है। इस उद्यान में 11193 किस्म के गुलाब के फूल लगते है।
- ❑ संसद भवन के एक खम्भे की ऊँचाई 27 फिट है। जो **क्रीमी सैंडस्टोन** के बने हुए है।
- ❑ संसद भवन के बाहर अम्ब्रेला प्लांट है जो मूलतः संयुक्त राज्य अमेरिका का पौधा है। जिनकी संख्या 18 है। जिन पर ग्रीष्म ऋतु में नीले और पीले फूल लगते है।

23 दिसंबर 2001

- ❑ 23 दिसम्बर 2001 को **भारत का हृदय** के उपनाम से प्रसिद्ध संसद भवन पर लश्कर–ए–तैयबा एवं जैश–ए–माहम्मद के पांच आतंकवादियों ने हमला कर दिया था किन्तु भारत माँ के वीर जाबांज सपूतों ने पाँचों आतंकवादियों को घटनास्थल पर ही मार गिराया।

- इस हमले का **मुख्य सुत्रधार अफजल गुरू था** जिसे 9 फरवरी 2013 को प्रातः 7: 30 बजे दिल्ली में स्थित तिहाड़ जेल की बैरक नंबर तीन में फाँसी दे दी गई और उसके शव को वहीं दफना दिया गया था।
- संसद के एक वर्ष में तीन सत्र होते है।

1. **बजट सत्र**– फरवरी से मई के मध्य। 2. **मानसून सत्र**– जुलाई से सितंबर के मध्य।
3. **शीतकालीन सत्र**–नवंबर से दिसम्बर के मध्य।

संघीय संसद

- भारत की संसद राष्ट्रपति, राज्यसभा तथा लोकसभा से मिलकर बनती है।
- संसद के **निम्न सदन को लोकसभा एवं उच्च सदन को राज्यसभा** कहते है।

राज्यसभा

- **अनुच्छेद 80** के अनुसार राज्यसभा का गठन किया जाता है।
- राज्यसभा को संसद का **उच्च सदन, द्वितीय सदन, विद्वानों का सदन, वरिष्ठ सदन** या **स्थायी सदन** के नाम से भी जाना जाता है।
- **प्रथम राज्यसभा का गठन 3 अप्रैल 1952** को हुआ था। जिसमें अधिकतम 250 सदस्य (238 निर्वाचित + 12 मनोनीत) हो सकते है, किन्तु वर्तमान में सदस्य संख्या 245 है।
- अनुच्छेद 80 (3) के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा इसमें **12 सदस्य मनोनीत** किए जाते हैं। ये ऐसे व्यक्ति होते हैं जिन्हें **कला, साहित्य, विज्ञान, समाजसेवा या सहकारिता** के क्षेत्र में विशेष ज्ञानी या अनुभवी हैं।
- राज्यसभा में राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों से 238 सदस्यों का निर्वाचन किया जाता है किन्तु वर्तमान में केवल 233 सदस्य ही निर्वाचित हो रहे है।
- **राज्यसभा की सदस्यता के लिए न्यूनतम उम्र-सीमा 30 वर्ष है।**
- राज्यसभा एक स्थायी सदन है जो कभी भंग नहीं होती। इसके **सदस्यों का कार्यकाल छह वर्ष** का होता है। इसके **एक तिहाई सदस्य प्रति दो वर्ष बाद** सेवानिवृत्त हो जाते हैं।
- **भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है।**
- राज्यसभा अपने सदस्यों में से किसी एक को 6 वर्ष के लिए उपसभापति निर्वाचित करती है।
- अनुच्छेद 80(4) के अनुसार राज्यसभा के सदस्यों का निर्वाचन भारतीय जनता द्वारा अप्रत्यक्ष रुप से तथा राज्यों एवं संघों के विधानसभा द्वारा प्रत्यक्ष रुप से किया जाता है।
- अनुच्छेद 89 के अनुसार राज्यसभा में एक सभापति व उपसभापति होता है। सभापति, उपसभापति को तथा उपसभापति, सभापति को **अपना त्यागपत्र** देते है।
- **राज्यसभा सदस्य अनुच्छेद 99 के अनुसार शपथ एवं अपना त्यागपत्र उपराष्ट्रपति को देते है।**
- धन विधेयक के संबंध में राज्यसभा को केवल सिफारिशें करने का अधिकार है। इसके लिए राज्यसभा को 14 दिन का समय मिलता है। यदि इस समय में विधेयक वापस नहीं होता तो पारित समझा जाता है।
- राष्ट्रपति वर्ष में कम–से–कम दो बार राज्यसभा का अधिवेशन आहूत करता है। राष्ट्रपति के एक सत्र की अन्तिम बैठक तथा अगले सत्र की प्रथम बैठक के लिए नियत तिथि के बीच 6 माह से अधिक अन्तर नहीं होना चाहिए
- राज्यसभा में **सर्वाधिक प्रतिनिधि** उत्तरप्रदेश (31) से एवं **न्युनतम** अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नागालैंड, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम एवं गोआ (प्रत्येक से 1) भेजते है।

राज्यसभा में प्रतिनिधित्व

उत्तरप्रदेश	31	महाराष्ट्र	19	तमिलनाडू	18
आंध्रप्रदेश	11	पं.बंगाल	16	बिहार	16
कर्नाटक	12	गुजरात	11	मध्यप्रदेश	11
राजस्थान	10	ओडिशा	10	केरल	9
असोम	7	पंजाब	7	झारखण्ड	6
छत्तीसगढ़	5	हरियाणा	5	जम्मू–काश्मीर	4
हिमाचल प्रदेश	3	दिल्ली	3	उत्तराखण्ड	3

Gangapur City

सिक्किम	1	नागालैंड	1	त्रिपुरा	1
मेघालय	1	गोवा	1	पुदुचेरी	1
मणिपुर	1	मिजोरम	1	अरुणाल प्रदेश	1
तेलंगाना	7				

- **राज्यसभा में प्रतिनिधित्व नहीं है**–अंडमान– निकोबार, चण्डीगढ़, दादर व नागर हवेली, दमन व दीव और लक्षद्वीप।

लोकसभा

- लोकसभा संसद का **प्रथम या निम्न सदन** है।
- मूल संविधान में **लोकसभा की सदस्य-संख्या 500** निश्चित की गयी है। अभी इसके सदस्यों की **अधिकतम सदस्य-संख्या 552** हो सकती है। इनमें से अधिकतम 530 सदस्य राज्यों के निर्वाचन क्षेत्रों से व अधिकतम 20 सदस्य संघीय क्षेत्रों से निर्वाचित किए जा सकते हैं एवं राष्ट्रपति **आंग्ल भारतीय वर्ग के अधिकतम 2 सदस्यों** का मनोनयन कर सकते हैं।
- वर्तमान में लोकसभा की सदस्य–संख्या 545 है। इस सदस्यों में 530 सदस्य 28 राज्यों से 13 सदस्य 7 केन्द्र शासित प्रदेशों से निर्वाचित होते हैं तथा 2 सदस्य आंग्ल भारतीय वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होते हैं।
- अगस्त 2001 ई. में संसद द्वारा पारित 91वें संविधान संशोधन विधेयक के अनुसार लोकसभा एवं विधानसभाओं की सीटों की संख्या 2026 ई. तक यथावत रखने का प्रावधान किया गया है।
- **लोकसभा के सदस्यों का चुनाव गुप्त मतदान के द्वारा वयस्क मताधिकार (18 वर्ष) के आधार पर होता है।**
- **61वें संवैधानिक संशोधन (1989 ई.) के अनुसार भारत में अब 18 वर्ष की आयु प्राप्त व्यक्ति को वयस्क माना गया है।**
- अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों हेतु लोकसभा में 2010 ई. तक स्थानों को सुरक्षित कर दिया गया है। (79वें संवैधानिक संशोधन (1999 ई.) के द्वारा)
- लोकसभा की सदस्यता के लिए अनिवार्य योग्यताएँ निम्न है
  - ✓ वह व्यक्ति भारत का नागरिक हो।
  - ✓ उसकी **आयु 25 वर्ष** या इससे अधिक हो।
  - ✓ भारत सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के अन्तर्गत वह कोई लाभ के पद पर नहीं हो।
  - ✓ यह पागल तथा दिवालिया न हो।
- लोकसभा का अधिकतम कार्यकाल सामान्यत 5 वर्ष का होता है।
- प्रधानमंत्री के परामर्श के आधार पर राष्ट्रपति के द्वारा लोकसभा को समय से पूर्व भी भंग किया जा सकता है, ऐसा अब तक 8 बार (1970 ई., 1977 ई., 1979 ई.ए 1984ई., नव. 1989 ई., मार्च 1991 ई., दिस. 1997 ई. तथा अप्रैल 1999 ई. किया गया है।)
- आपातकाल की घोषणा लागू होने पर विधि द्वारा संसद लोकसभा के कार्यकाल में वृद्धि कर सकती है, जो एक बार में एक वर्ष से अधिक नहीं होगी। 1976 ई. में लोकसभा का कार्यकाल दो बार एक–एक वर्ष के लिए बढ़ाया गया था।
- लोकसभा एवं राज्यसभा के अधिवेशन राष्ट्रपति के द्वारा ही बुलाए और स्थगित किए जाते हैं। लोकसभा की दो बैठकों में 6 माह से अधिक का अन्तर नहीं होना चाहिए।
- लोकसभा की गणपूर्ति या कोरम कुल सदस्य संख्या का दसवाँ भाग (अर्थात 55 सदस्य होता है।)
- **संविधान के अनुच्छेद 108 में संसद के संयुक्त अधिवेशन की व्यवस्था है।** संयुक्त अधिवेशन राष्ट्रपति के द्वारा निम्न तीन स्थितियों में बुलाया जा सकता है। विधेयक एक सदन से पारित होने के बाद जब दूसरे सदन में जाए तब यदि (1) दूसरे सदन द्वारा विधेयक अस्वीकार कर दिया गया हो, (2) विधेयक पर किए जानेवाले संशोधनों के बारे में दोनों सदन अन्तिम रूप से असहमत हो गए हैं, (3) दूसरे सदन को विधेयक प्राप्त होने की तारीख से उसके द्वारा विधेयक पारित किए बिना 6 मास से अधिक बीत गए हों।
- **संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता लोकसभाध्यक्ष के द्वारा की जाती है।**
- संसद के वर्ष में कम से कम दो अधिवेशन बुलाना आवश्यक होता है प्रथम अधिवेशन की अंतिम तिथि तथा दूसरे अधिवेशन की प्रथम तिथि के मध्य छः माह से अधिक अंतर नहीं होना चाहिए।
- संसद की कार्यवाही का प्रथम एक घंटा **'प्रश्नकाल'** कहलाता है।
- प्रश्नकाल के दौरान तीन प्रकार के प्रश्न पूछे जाते है–

Haldihati Competition Classes Gangapur City

- ✓ **तारांकित**–मौखिक
- ✓ **अतारांकित**–लिखित
- ✓ **अल्प सूचना प्रश्न**–समसामयिक घटनाओं से संबंधित प्रश्न।
- ❑ प्रश्नकाल के तत्काल बाद का समय **शून्यकाल** कहलाता है। शून्यकाल के लिए 30 मिनट (अधिकतम) का समय निर्धारित किया गया है।
- ❑ वित्त विधेयक के संबंध में लोकसभा का निर्णय अन्तिम होता है। इस संबंध में संयुक्त अधिवेशन की व्यवस्था नहीं है।

Fact–संसद में किसी मंत्री के द्वारा कोई विधेयक प्रस्तुत किया जाता है तो उसे **'सरकारी विधेयक'** तथा किसी संसद सदस्य के द्वारा प्रस्तुत किया गया विधेयक **'गैर सरकारी विधेयक'** कहलाता है।

- ❑ **लोकसभा के पदाधिकारी** : अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष– संविधान के अनुच्छेद **93** के अनुसार लोकसभा स्वयं ही अपने सदस्यों में से एक अध्यक्ष और एक उपाध्यक्ष का निर्वाचन करेगी।
- ❑ **अध्यक्ष उपाध्यक्ष को तथा उपाध्यक्ष अध्यक्ष को त्यागपत्र देता है।**
- ❑ लोकसभा के अध्यक्ष, अध्यक्ष के रूप में शपथ नहीं लेता, बल्कि सामान्य सदस्य के रूप में शपथ लेता है।
- ❑ चौदह दिन के पूर्व सूचना देकर लोकसभा के तत्कालीन समस्त सदस्यों के बहुमत से पारित संकल्प द्वारा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष को पद से हटाया जा सकता है।
- ❑ लोकसभा में अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति में राष्ट्रपति द्वारा बनाए गए वरिष्ठ सदस्यों का पैनल में से कोई व्यक्ति, पीठासीन होता है।
- ❑ भारतीय संसद ने 13 मई 2012 को अपने 60 वर्ष पूरे किए थे। इस अवसर पर संसद की संयुक्त बैठक आयोजित की गई थी। राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने संसद को संबोधित किया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने चार सदस्यों रिशांग किसिंग (मणिपुर), रेशमलाल जांगिड़ (छत्तीसगढ़), काण्डला सुब्रह्मण्यम तथा के. मोहनराव (आंध्रप्रदेश) को सम्मानित किया। ये भारत की प्रथम संसद के जीवित बचे सदस्य है।

एक पुनरावलोकन

	लोकसभा	राज्यसभा
गठन	6 मई, 1952	3 अगस्त, 1952
प्रथम अध्यक्ष	जी.वी.मावलंकर	डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन
प्रथम उपाध्यक्ष	एम.ए.आयंगर	एस.वी.कृष्णमूर्ति राव

Fact:–जी.वी.मावलंकर का पूरा नाम **गणेश वासुदेव मावलंकर** है इन्हें **लोकसभा का पितामह** भी कहा जाता है।

भारत की संचित निधि

- ❑ भारत की संचित निधि पर भारित व्यय निम्न है –
- ✓ राष्ट्रपति का वेतन एवं भत्ता और अन्य व्यय।
- ✓ राज्यसभा तथा लोकसभा के पदाधिकारियों के वेतन एवं भत्ते।
- ✓ सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का वेतन, भत्ता तथा पेंशन।
- ✓ भारत के नियत्रक–महालेखा परीक्षक का वेतन, भत्ता तथा पेंशन।
- ✓ ऐसा ऋण–भार, जिनका दायित्व भारत सरकार पर है।
- ✓ भारत सरकार पर किसी न्यायालय द्वारा दी गयी बिक्री।
- ✓ कोई अन्य व्यय जो संविधान द्वारा या संसद विधि द्वारा इस प्रकार भारित घोषित करें।

भारतीय राजव्यवस्था में वरीयता क्रम

भारतीय राजव्यवस्था में विभिन्न पदाधिकारियों का वरीयता अनुक्रम इस प्रकार है –

(1) राष्ट्रपति, (2) उपराष्ट्रपति, (3) प्रधानमंत्री (4) राज्यों के राज्यपाल, अपने राज्यों में, (5) भूतपूर्व राष्ट्रपति, (5) क–उप प्रधानमंत्री, (6) भारत का मुख्य न्यायाधीश तथा लोकसभाध्यक्ष, (7) केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री राज्य के मुख्यमंत्री अपने–अपने राज्यों में, योजना आयोग का उपाध्यक्ष, पूर्व प्रधानमंत्री तथा संसद के विपक्ष का नेता, (8) भारत रत्न सम्मान के धारक, (9) राजदूत, (10) उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश (11) मुख्य निर्वाचन आयुक्त तथा भारत का नियंत्रक महालेखा परीक्षक, (12) राज्यसभा का उपसभापति लोकसभा का उपाध्यक्ष, योजना आयोग के सदस्य तथा केन्द्र में राज्यमंत्री।

नियंत्रक महालेखा परीक्षक

- अनुच्छेद 148 के अनुसार नियंत्रक महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।
- इसकी पदावधि पद ग्रहण करने की तिथि से 6 वर्ष तक होगी, लेकिन यदि इससे पूर्व 65 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेता है तो वह अवकाश ग्रहण कर लेता है।
- यह सेवानिवृत्ति के पश्चात् भारत सरकार के अधीन कोई पद धारण नहीं कर सकता।
- नियंत्रक महालेखा परीक्षक सार्वजनिक धन का संरक्षक होता है।
- भारत तथा प्रत्येक राज्य तथा प्रत्येक संघ राज्य क्षेत्र की संचित निधि से किए गए सभी व्यय विधि के अधीन ही हुए हैं यह इस बात की संपरीक्षा करता है

संविधान में संशोधन

- संविधान के अनु. 368 में संशोधन की प्रक्रिया का उल्लेख किया गया है। इसमें संशोधन की तीन विधियों को अपनाया गया है
(1) साधारण विधि द्वारा संशोधन।, (2) संसद के विशेष बहुमत द्वारा।, (3) संसद के विशेष बहुमत और राज्य के विधान–मंडलों की स्वीकृति से संशोधन।

1. **साधारण विधि द्वारा**–संसद के साधारण बहुमत द्वारा पारित विधेयक राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने पर कानून बन जाता है। इसके अन्तर्गत राष्ट्रपति को पूर्व अनुमति मिलने पर निम्न संशोधन किए जा सकते हैं
(1) नए राज्यों का निर्माण।, (2) राज्यक्षेत्र, सीमा और नाम में परिवर्तन। (3) संविधान की नागरिकता संबंधी अनुसूचित क्षेत्रों और जनजातियों की प्रशासन संबंधी तथा केन्द्र द्वारा प्रशासित क्षेत्रों की प्रशासन संबंधी व्यवस्थाएँ।
2. **विशेष बहुमत द्वारा संशोधन**–यदि संसद के प्रत्येक सदन द्वारा कुल सदस्यों का बहुमत तथा उपस्थित और मतदान में भाग लेनेवाले सदस्यों के 2/3 मतों से विधेयक पारित हो जाए तो राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलते ही वह संशोधन संविधान का अंग बन जाता है। न्यायपालिका तथा राज्यों के अधिकारों तथा शक्तियों जैसी कुछ विशिष्ट बातों को छोड़कर संविधान की अन्य सभी व्यवस्थाओं में इसी प्रक्रिया के द्वारा संशोधन किया जाता है।
3. संसद के विशेष बहुमत एवं राज्य विधानमंडलों की स्वीकृति से संशोधन – संविधान के कुछ अनुच्छेदों में संशोधन के लिए विधेयक को संसद के दोनों सदनों के विशेष बहुमत तथा राज्यों के कुल विधानमंडलों में से आधे द्वारा स्वीकृति आवश्यक है। इसके द्वारा किए जानेवाले संशोधन के प्रमुख विषय हैं–
(1) राष्ट्रपति का निर्वाचन (अनु.– 54), (2) राष्ट्रपति निर्वाचन की कार्य–पद्धति (अनु.–55), (3) संघ की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार,(4) राज्यों की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार, (5)केन्द्र शासित क्षेत्रों के लिए उच्च न्यायालय,(6) संघीय न्यायपालिका, (7) राज्यों के उच्च न्यायालय, (8) संघ एवं राज्यों में विधायी संबंध, (9) सातवीं अनुसूची का कोई विषय, (10) संसद में राज्यों का प्रतिनिधित्व, (11) संविधान संशोधन की प्रक्रिया से संबंधित उपबन्ध।

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

✓ भारत की संघीय व्यवस्थापिका को किस नाम से जाना जाता है	**संसद**
✓ संसद के किस सदन को प्रतिनिधि सभा के नाम से जाना जाता है	**लोकसभा**
✓ संसद का लोकप्रिय सदन कौनसा है	**लोकसभा**
✓ संसद का स्थाई सदन कौनसा है	**राज्यसभा**
✓ संसद के दो सत्रों के बीच 6 मास का अंतर नहीं होगा यह किस अनुच्छेद में वर्णित है	**अनुच्छेद 85(1) क में**
✓ संसद के दोनों सदनों का सत्रावसान कौन करता है	**लोकसभाध्यक्ष**
✓ राज्यसभा को स्थाई सदन कहते है क्योंकि	**इसे भंग नहीं किया जा सकता**
✓ जिन संघशासित क्षेत्रों में विधानसभाएँ नहीं होती है, उनके प्रतिनिधि किस प्रकार चुने जाते है	**विशेष निर्वाचक मंडल द्वारा**
✓ राज्यसभा में सदस्यों का निर्वाचन होता है	**आनुपातिक प्रतिनिधित्व के अनुसार एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा**
✓ राज्यसभा के सदस्यों के लिए न्युनतम आयु कितनी है	**30 वर्ष**
✓ राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है	**6 वर्ष**
✓ राज्यसभा में गणपूर्ति (कोरम) के लिए निर्धारित संख्या है	**कुल सदस्य का 1/10**

✓ वह कौनसी सभा है जिसका अध्यक्ष उस सदन का सदस्य नहीं होता	**राज्यसभा**
✓ लोकसभा द्वारा पारित धन विधेयक राज्यसभा को प्राप्त होने के कितनों दिनों के भीतर लोकसभा को वापस लौटाना पड़ता है	**14 दिनं**
✓ राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनावों की अधिसूचना कौन जारी करता है	**निर्वाचन आयोग**
✓ राज्यसभा के सदस्यों का निर्वाचन होता है	**राज्य के विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा**
✓ स्वतंत्र भारत में राज्यसभा के प्रथम सभापति कौन है	**डॉ.एस.राधाकृष्णन**
✓ सर्वप्रथम किस फिल्म अभिनेता को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया था	**पृथ्वीराज कपूर**
✓ राज्यसभा के लिए नामित प्रथम अभिनेत्री कौन थी	**नरगिस दत्त**
✓ राज्यसभा का सर्वप्रथम गठन कब किया गया	**3 अप्रैल 1952**
✓ कौनसा सदन जनता द्वारा प्रत्यक्ष रुप से निर्वाचित सदन है	**लोकसभा**
✓ मूल संविधान में लोकसभा सदस्यों की संख्या कितनी निर्धारित की गई	**552**
✓ वर्तमान में लोकसभा सदस्यों की संख्या कितनी है	**545**
✓ राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा में दो एंग्लो–इण्डियन समुदाय के दो सदस्यों की नियुक्ति किस अनुच्छेद के अंतर्गत की जाती है	**अनुच्छेद 331**
✓ लोकसभा के लिए प्रथम आम चुनाव कब हुए	**1952 में**
✓ लोकसभा में केन्द्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधि चुने जाते है	**प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा**
✓ किस राज्य का लोकसभा एवं राज्यसभा में प्रतिनिधित्व सर्वाधिक है	**उत्तरप्रदेश**
✓ लोकसभा में किस संघ शासित क्षेत्र के सर्वाधिक प्रतिनिधि आते है	**दिल्ली**
✓ आपातकाल के दौरान संसद लोकसभा के कार्यकाल को कितने वर्ष बढ़ा सकती है	**1 वर्ष**
✓ किसे लोकसभा का अभिरक्षक कहा जाता है	**लोकसभाध्यक्ष**
✓ अस्थायी लोकसभाध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) को कौन नियुक्त करता है	**राष्ट्रपति**
✓ लोकसभा का नेता कौन होता है	**प्रधानमंत्री**
✓ किस विधेयक को केवल लोकसभा में ही प्रस्तुत किया जा सकता है	**वित्त विधेयक**
✓ अविश्वास प्रस्ताव किस सदन में लाया जाता है	**लोकसभा में**
✓ भारत में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र कौनसा है	**लद्दाख (जम्मू-कश्मीर)**
✓ लोकसभा का सत्र एक वर्ष में न्युनतम कितनी बार बुलाया जा सकता है	**दो बार**
✓ बजट पहले किसके द्वारा पारित किया जाता है	**लोकसभा**
✓ किस लोकसभा ने पाँच वर्ष से अधिक कार्य किया	**पाँचवीं**
✓ संसद का चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार की न्युनतम आयु सीमा है	**25 वर्ष**

Haldighati Competition Classes Gangapur City

❄ न्यायपालिका ❄

सर्वोच्च न्यायालय

- ❑ भारत की न्यायिक व्यवस्था इकहरी और एकीकृत है, जिसके सर्वोच्च शिखर पर भारत का उच्चतम न्यायालय है।
- ❑ उच्चतम न्यायालय की स्थापना, गठन, अधिकारिता, शक्तियों के विनियमन से संबंधित विधि निर्माण की शक्ति भारतीय संसद को प्राप्त है।
- ❑ उच्चतम न्यायालय दिल्ली में स्थित है।
- ❑ **उच्चतम न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश तथा 30 अन्य न्यायाधीश होते हैं।**
- ❑ इन न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा होती है।
- ❑ **उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश बनने के लिए न्यूनतम आयु-सीमा निर्धारित नहीं की गयी है। एक बार नियुक्ति होने के बाद इनके अवकाश ग्रहण करने की आयु-सीमा 65 वर्ष है।**
- ❑ उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश साबित कदाचार तथा असमर्थता के आधार पर संसद के प्रत्येक सदन में विशेष बहुमत से पारित समावेदन के आधार पर राष्ट्रपति के द्वारा हटाये जा सकते हैं।
- ❑ उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश के लिए योग्यताएँ–
- ✓ वह भारत का नागरिक हो।
- ✓ वह किसी उच्च न्यायालय अथवा दो या दो से अधिक न्यायालयों में लगातार कम–से–कम 5 वर्षो तक न्यायाधीश के रूप में कार्य कर चुका हो। या, किसी उच्च न्यायालय या न्यायालयों में लगातार 10 वर्षो तक अधिवक्ता रह चुका हो। या, राष्ट्रपति की दृष्टि में कानून का उच्च कोटि का ज्ञाता हो।
- ❑ उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अवकाश प्राप्त करने के बाद भारत में किसी भी न्यायालय या किसी भी अधिकारी के सामने वकालत नहीं कर सकते हैं।
- ❑ **उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को पद एवं गोपनीयता की शपथ राष्ट्रपति दिलाता है।**
- ❑ मुख्य न्यायाधीश, राष्ट्रपति की पूर्व स्वीकृति लेकर, दिल्ली के अतिरिक्त अन्य किसी स्थान पर सर्वोच्च न्यायालय की बैठकें बुला सकता है। अब तक हैदराबाद और श्रीनगर में इस प्रकार की बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं।

Hindaun Competition Classes Gangapur City

उच्च न्यायालय

- ❑ संविधान के अनुसार प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय होगा, लेकिन संसद विधि द्वारा दो या दो से अधिक राज्यों और किसी संघ राज्य क्षेत्र के लिए एक ही उच्च न्यायालय स्थापित कर सकती है। वर्तमान में पंजाब एवं हरियाणा, असम, नागालैंड, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम तथा अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, दादर और नागर हवेली और दमन तथा दीव और प. बंगाल अंडमान निकोबार द्वीप समूह आदि के लिए एक ही उच्च न्यायालय है।
- ❑ केन्द्र शासित प्रदेशों से केवल दिल्ली में उच्च न्यायालय है।
- ❑ **वर्तमान में भारत में 24 उच्च न्यायालय हैं।**
- ❑ प्रत्येक उच्च न्यायालय का गठन एक मुख्य न्यायाधीश तथा ऐसे अन्य न्यायाधीशों से मिलाकर किया जाता है। इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा होती है। भिन्न–भिन्न उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की संख्या अलग–अलग होती है।
- ❑ **गुवहाटी उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या सबसे कम अर्थात् तीन एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या सबसे अधिक अर्थात् 58 है।**
- ❑ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए योग्यताएँ –
- ✓ भारत का नागरिक हो।
- ✓ कम–से–कम दस वर्ष तक न्यायिक पद धारण कर चुका हो। अथवा, किसी उच्च न्यायालय में या एक से अधिक उच्च न्यायालयों में लगातार **10** वर्षो तक अधिवक्ता रहा हो।
- ❑ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को उस राज्य, जिसमें उच्च न्यायालय स्थित है, का राज्यपाल उसके पद की शपथ दिलाता है।
- ❑ **उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों का अवकाश ग्रहण करने की अधिकतम उम्र सीमा 65 वर्ष हैं।**
- ❑ **उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का अवकाश ग्रहण करने की अधिकतम उम्र सीमा 62 वर्ष हैं।**
- ❑ उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को देते है।

- उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को उसी प्रकार अपदस्थ किया जा सकता है, जिस प्रकार उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश पद मुक्त किया जाता है
- जिस व्यक्ति ने उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश के रूप में कार्य किया है, वह उसे न्यायालय में वकालत नहीं कर सकता। किन्तु वह किसी दूसरे उच्च न्यायालय में अथवा उच्चतम न्यायालय में वकालत कर सकता है।
- राष्ट्रपति आवश्यकतानुसार किसी भी उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि कर सकता है अथवा अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति कर सकता है।
- राष्ट्रपति उच्च न्यायालय के किसी अवकाश प्राप्त न्यायाधीश को भी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रूप में कार्य करने का अनुरोध कर सकता है।
- भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श कर राष्ट्रपति उच्च न्यायालय के किसी भी न्यायाधीश का स्थानांतरण किसी दूसरे उच्च न्यायालय में कर सकता है।

उच्च न्यायालय:अधिकारिता एवं स्थान

नाम	स्थापना वर्ष	राज्य क्षेत्रीय	मूल स्थान	खंडपीठ
कोलकाता	1862 ई.	प. बंगाल, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह	कोलकाता	पोर्टब्लेयर
मुम्बई	1862 ई.	महाराष्ट्र, गोवा, दादर नागर हवेली और दमन तथा दीव	मुम्बई	नागपुर
मद्रास	1862 ई.	तमिलनाडु, पांडिचेरी	चेन्नई	—
इलाहाबाद	1866 ई.	उत्तर प्रदेश	इलाहाबाद	लखनऊ
कर्नाटक	1884 ई.	कर्नाटक	बंगलौर	—
पटना	1916 ई.	बिहार	पटना	—
जम्मू–कश्मीर	1928 ई.	जम्मू–कश्मीर	श्रीनगर	जम्मू
उड़ीसा	1948 ई.	उड़ीसा	कटक	—
गुवाहाटी	1948 ई.	असम, नागालैंड, मिजोरम एवं अरुणाचल	गुवहाटी	कोहिमा, इम्फाल, अगरतल्ला
राजस्थान	1949 ई.	राजस्थान	जोधपुर	जयपुर
आन्ध्र प्रदेश	1954 ई.	आन्ध्र प्रदेश	हैदराबाद	
मध्यप्रदेश	1956 ई.	मध्य प्रदेश	जबलपुर ग्वालियर	 इन्दौर
केरल	1958 ई.	केरल, लक्षद्वीप	अर्नाकुलम	—
गुजरात	1960 ई.	गुजरात	अहमदाबाद	—
दिल्ली	1966 ई.	दिल्ली	दिल्ली	—
हिमाचल प्रदेश	1971 ई.	हिमाचल प्रदेश	शिमला	—
पंजाब तथा हरियाणा	1975 ई.	पंजाब, हरियाणा	चण्डीगढ़	—
सिक्किम	1975 ई.	पंजाब,हरियाणा	चण्डीगढ़	—
छत्तीसगढ़	2000 ई.	छत्तीसगढ़	बिलासपुर	—
झारखंड	2000 ई.	झारखंड	राँची	—
उत्तराखंड	2000 ई.	उत्तराखंड	देहरादून	—
मेघालय	2013 ई.	मेघालय	शिलांग	—
त्रिपुरा	2013 ई.	त्रिपुरा	अगरत्तला	—
मणिपुर	2013 ई.	मणिपुर	इम्फाल	—

Gangapur City Competition Classes

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

✓ भारतीय संविधान के किस भाग में न्यायपालिका का उल्लेख है	**भाग-IV**
✓ सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश की नियुक्ति कौन करता है	**राष्ट्रपति**
✓ सर्वोच्च न्यायालय में न्यायधीश नियुक्त होने के लिए व्यक्ति को कम से कम कितने वर्ष उच्च न्यायालय में वकालात का अनुभव होना चाहिए	**10 वर्ष**
✓ सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश को प्रति माह कितना वेतन मिलता है	**1,00,000 रुपये**
✓ मूल रुप से संविधान में सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायधीश के अतिरिक्त कितने न्यायधीशों का प्रावधान किया गया है	**7**
✓ भारत के किस मुख्य न्यायधीश ने राष्ट्रपति के रुप में कार्य किया	**एम.हिदायतुल्ला**
✓ भारत में न्यायपालिका का स्वरुप है	**स्वतंत्र एवं एकीकृत**
✓ उच्च न्यायालय को परामर्शदात्री बनाया गया है	**अनुच्छेद 143 में**
✓ सर्वोच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायधीश कौन थे	**हीरालाल जे.कानिया**
✓ सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश पद पर सर्वाधिक लंबी अवधि तक कौन पदस्थ रहा	**वाई.वी.चन्द्रचूड़**
✓ सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश पद पर सबसे कम समय तक कौन आसीन रहा	**कमल नारायण सिंह**
✓ उच्चतम न्यायालय की प्रथम महिला न्यायधीश कौन थी	**फातिमा बीबी**
✓ संविधान की अंतिम व्याख्या करने का अधिकार किसके पास है	**सर्वोच्च न्यायालय**
✓ सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीशों को राष्ट्रपति हटा सकता है	**संसद में महाभियोग पारित होने पर**
✓ भारत में कितने उच्च न्यायालय है	**24**
✓ भारत के किस उच्च न्यायालय में न्यायधीशों की संख्या सबसे कम है	**सिक्किम उच्च न्यायालय**
✓ भारत के किस संघ शासित क्षेत्र का अपना उच्च न्यायालय है	**दिल्ली**
✓ भारत में सबसे बड़ा उच्च न्यायालय है	**इलाहबाद उच्च न्यायालय**
✓ अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह किस उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार में आते है	**कोलकाता उच्च न्यायालय**
✓ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश पद पर नियुक्त होने वाली प्रथम महिला कौन है	**लीला सेठ**
✓ उच्च न्यायालय को किसका अधीक्षण करने का अधिकार है	**अधीनस्थ न्यायालय**

Gangapur City

❊ कार्यपालिका ❊

राज्यपाल

- संविधान के भाग–**6** में राज्य शासन के लिए प्रावधान किया गया है और यह प्रावधान जम्मू–कश्मीर को छोड़कर सभी राज्यों के लिए लागू होता है।
- अनुच्छेद 153 के अनुसार राज्य में एक राज्यपाल होगा जिसकी नियुक्ति अनुच्छेद 155 के संघीय मंत्रिपरिषद् की अनुशंसा पर राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- प्रत्येक राज्य में एक राज्यपाल होता है लेकिन सातवें संशोधन (1956) के अनुसार एक ही राज्यपाल को दो या अधिक राज्यों का राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है।
- **राज्यपाल की योग्यता**–राज्यपाल पद पर नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति में निम्न योग्यताएँ होना अनिवार्य है–(1) वह भारत का नागरिक हो। (2) वह 35 वर्ष की उम्र पूरा कर चुका हो। (3) किसी प्रकार के लाभ के पद पर नहीं हो। (4) वह राज्य विधानसभा का सदस्य चुने जाने योग्य हो।
- **राज्यपाल की नियुक्ति द्वारा पाँच वर्षों की अवधि के लिए की जाती है, परन्तु यह राष्ट्रपति के प्रसाद-पर्यन्त पद धारण करता है।**
- राज्यपाल पद ग्रहण करने से पूर्व उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अथवा वरिष्ठतम न्यायाधीश के सम्मुख अपने पद की शपथ लेता है।
- अनुच्छेद 154 के अनुसार राज्य की सभी कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होती है

राज्यपाल की उन्मुक्तियाँ तथा विशेषाधिकार

(1) वह अपने पद की शक्तियों के प्रयोग तथा कर्त्तव्यों के पालन के लिए किसी न्यायालय के प्रति उत्तरदायी नहीं है
(2) राज्यपाल की पदावधि के दौरान उसके विरूद्ध किसी भी न्यायालय में किसी प्रकार की आपराधिक कार्रवाही नहीं प्रारंभ की जा सकती है।
(3) जब वह पद पर हो तब उसकी गिरफ्तारी का आदेश किसी न्यायालय द्वारा जारी नहीं किया जा सकता।
(4) राज्यपाल का पद ग्रहण करने से पूर्व या पश्चात् उसके द्वारा किए गए कार्य के संबंध में कोई सिविल कार्रवाही करने से पहले उसे दो मास पूर्व सूचना देनी पड़ती है।

राज्यपाल की शक्तियाँ एवं कार्य

कार्यपालिका संबंधी कार्य

(अ) अनुच्छेद 154 के अनुसार राज्य के समस्त कार्यपालिका कार्य राज्यपाल के नाम के किए जाते हैं।
(ब) राज्यपाल मुख्यमंत्री को तथा मुख्यमंत्री की सलाह से उसकी मंत्रिपरिषद् के सदस्यों को नियुक्त करता है तथा उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाता है।
(स) राज्यपाल राज्य के उच्च अधिकारियों, जैसे महाधिवक्ता, राज्य लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति करता है तथा राज्य के उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में राष्ट्रपति को परामर्श देता है।
(द) राज्यपाल का अधिकार है कि वह राज्य के प्रशासन के संबंध में मुख्यमंत्री से सूचना प्राप्त करें।
(य) जब राज्य का प्रशासन संवैधानिक तंत्र के अनुसार न चलाया जा रहा हो तो राज्यपाल राष्ट्रपति से राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करता है
(र) राष्ट्रपति शासन के समय राज्यपाल केन्द्र सरकार के अभिकर्त्ता के रूप में राज्य का प्रशासन चलाता है।
(ल) **राज्यपाल राज्य के विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति होता है** तथा उपकुलपतियों को भी नियुक्त करता है।

विधायी अधिकार

(अ) राज्यपाल विधान मंडल का अभिन्न अंग है।
(ब) राज्यपाल विधान मंडल का सत्राह्वान करता है, उसका सत्रावसान करता है, तथा उसका विघटन करता है, राज्यपाल विधान सभा के अधिवेशन अथवा दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करता है।
(स) वह राज्य विधान परिषद् की कुल सदस्य संख्या का 1/6 भाग सदस्यों को नियुक्त करता है, जिनका संबंध विज्ञान, साहित्य, कला, समाज–सेवा, सहकारी आन्दोलन आदि से रहता है।
(द) राज्य विधानसभा के किसी सदस्य पर अयोग्यता का प्रश्न उत्पन्न होता है, तो अयोग्यता संबंधी विवाद का निर्धारण राज्यपाल चुनाव आयोग से परामर्श करके करता है।
(य) राज्य विधान मंडल द्वारा पारित विधेयक राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद ही अधिनियम बन पाता है।
(र) **यदि विधान सभा में आँग्ल भारतीय समुदाय को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं प्राप्त है, तो राज्यपाल उस समुदाय के एक व्यक्ति को विधान सभा का सदस्य मनोनीत कर सकता है।**

(ल) अनुच्छेद 213 के अनुसार राज्यपाल जब विधान मंडल का सत्र नहीं चल रहा हो और राज्यपाल को ऐसा लगे कि तत्काल कार्यवाही की आवश्यकता है, तो वह अध्यादेश जारी कर सकता है, जिसे वही स्थान प्राप्त है, जो विधान मंडल द्वारा पारित किसी अधिनियम है। ऐसे अध्यादेश 6 सप्ताह के भीतर विधानमंडल द्वारा स्वीकृत होना आवश्यक है। यदि विधान मंडल 6 सप्ताह के भीतर उसे अपनी स्वीकृति नहीं देता है, तो उस अध्यादेश की वैधता समाप्त हो जाती है।

वित्तीय अधिकार

(अ) राज्यपाल प्रत्येक वित्तीय वर्ष में वित्तमंत्री को विधान मंडल के सम्मुख वार्षिक वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने के लिए कहता है।

(ब) विधानसभा में धन विधेयक राज्यपाल की पूर्व अनुमति से ही पेश किया जाता है।

(स) ऐसा कोई विधेयक जो राज्य की संचित निधि से खर्च निकालने की व्यवस्था करता हो, उस समय तक विधान मंडल द्वारा पारित नहीं किया जा सकता जब तक राज्यपाल इसकी संस्तुति न कर दे।

(द) राज्यपाल की संस्तुति के बिना अनुदान की किसी माँग को विधान मंडल के सम्मुख नहीं रखा जा सकता।

(य) राज्यपाल धन विधेयक के अतिरिक्त किसी विधेयक को पुनः विचार के लिए राज्य विधान मंडल के पास भेज सकता है, परन्तु राज्य विधान मंडल द्वारा इसे दुबारा पारित किए जाने पर वह उस पर अपनी सहमति देने के लिए बाध्य होता है।

न्यायिक अधिकार

अनुच्छेद 161 के अनुसार राज्यपाल को किसी अपराध के लिए सिद्धदोष, किसी व्यक्ति को दण्ड को क्षमा, प्रविलंबन, विराम या परिहार करने या लघुकरण करने की शक्ति प्राप्त है राज्यपाल को उस विषय संबंधी, जिस विषय पर उस राज्य की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार है, किसी विधि के विरूद्ध किसी अपराध के लिए सिद्धदोष ठहराये गए किसी व्यक्ति के दंड को, क्षमा, उसका प्रविलबंन, विराम या परिहार करने की अथवा दंडादेश के निलंबन, परिहार या लघुकरण की शक्ति प्राप्त है।

उपराज्यपाल-दिल्ली, दमन तथा दीव, पांडिचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
प्रशासक-दादर एवं नागर हवेली, लक्षद्वीप।

Haldighati Competition Classes Gangapur City

मुख्यमंत्री

- अनुच्छेद 164 के अनुसार **मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है।** साधारणतः वैसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री नियुक्त किया जाता है जो विधानसभा में बहुमत दल का नेता होता है।
- **मुख्यमंत्री ही शासन का प्रमुख प्रवक्ता है।**
- **मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषदों की बैठकों की अध्यक्षता करता हैं।**
- जब कभी राज्यपाल काई बात मंत्रिपरिषद् तक पहुँचाना चाहता है, तो वह मुख्यमंत्री के द्वारा ही यह कार्य करता है
- राज्यपाल के सारे अधिकारों का प्रयोग मुख्यमंत्री ही करता है।

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

✓ राज्य की कार्यपालिका शक्ति किसमें निहित होती है	**राज्यपाल में**
✓ भारत के राज्यों में राज्यपाल की नियुक्ति कौन करता है	**राष्ट्रपति**
✓ राज्य सरकार का संवैधानिक प्रमुख कौन होता है	**राज्यपाल**
✓ सामान्य रुप से राज्यपाल का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है	**5 वर्ष**
✓ राज्यपाल का वेतन और भत्ता किस कोष से प्राप्त होता है	**राज्य की संचित निधि**
✓ राज्य मंत्रिपरिषद् का गठन कौन करता है	**राज्यपाल**
✓ राज्यपाल पद के लिए न्युनतम आयु सीमा क्या है	**35 वर्ष**
✓ राज्यपाल को पद एवं गोपनीयता की शपथ कौन दिलवाता है	**राज्य के उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायधीश**
✓ 'राज्यपाल सोने के पिंजरे में निवास करने वाली चिड़िया के समतुल्य है' यह कथन किसका है	**सरोजिनी नायडू**
✓ भारत के किसी राज्य में राज्यपाल बनने वाली प्रथम महिला थी	**सरोजिनी नायडू**
✓ किसकी अनुमति के बिना राज्य की विधानसभा में कोई धन विधेयक पेश नहीं किया जा सकता	**राज्यपाल**
✓ राज्यपाल द्वारा जारी अध्यादेश कितने समय बाद स्वतः समाप्त हो जाता है	**6 माह**
✓ जम्मू–कश्मीर में कब सदर–ए–रियासत पदनाम बदलकर राज्यपाल किया गया	**1965**

- ✓ राज्यपाल का मुख्य सलाहकार कौन होता है — **मुख्यमंत्री**
- ✓ राज्यपाल द्वारा जारी किए गए अध्यादेशों पर किसकी स्वीकृति आवश्यक है — **राज्य विधानमंडल की स्वीकृति**
- ✓ मुख्यमंत्री की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है — **राज्यपाल**
- ✓ राज्यपाल मुख्यमंत्री की नियुक्ति किस अनुच्छेद के अंतर्गत करता है — **अनुच्छेद 164**
- ✓ भारतीय राज्यों में प्रथम महिला मुख्यमंत्री कौन बनी थी — **सुचेता कृपलानी**
- ✓ किसी भी राज्य में मुख्यमंत्री पद पर सर्वाधिक दिनों तक आसीन रहने वाले व्यक्ति कौन थे — **ज्योति बसु**
- ✓ भारत के किसी राज्य में मुख्यमंत्री पद पर नियुक्त होने वाली प्रथम दलित महिला कौन है — **सुश्री मायावती**

विधानपरिषद्

- ❑ **विधान परिषद् राज्य विधान मंडल का उच्च सदन होता है।**
- ❑ यदि किसी राज्य की विधान सभा अपने कुल सदस्यों के पूर्ण बहुमत तथा उपस्थित मतदान करने वाले सदस्यों के दो तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित करें तो संसद उस राज्य में विधान परिषद् स्थापित कर सकती है अथवा उसका लोप कर सकती है।
- ❑ **वर्तमान में केवल सात राज्यों (उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, जम्मू एवं कश्मीर, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना तथा बिहार) में विधान परिषदें विद्यमान है।**
- ❑ विधान परिषद् के कुल सदस्यों की संख्या, उस राज्य की विधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या की एक तिहाई से अधिक नहीं हो सकती है, किन्तु किसी भी अवस्था में विधान परिषद् के सदस्यों की कुल संख्या **40** से कम नहीं हो सकती है।
- ❑ **विधान परिषद् का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु-सीमा 30 वर्ष है।**
- ❑ विधान परिषद् के प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष होता है, किन्तु प्रति दूसरे वर्ष एक तिहाई सदस्य अवकाश ग्रहण करते हैं तथा उनके स्थान पर नवीन सदस्य निर्वाचित होते हैं।
- ❑ विधान परिषद् के सदस्यों का निर्वाचन आनुपाति प्रतिनिधित्व की एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा होता है।
- ❑ विधान परिषद् के कुल सदस्यों के एक तिहाई सदस्य, राज्य की स्थानीय स्वशासी संस्थाओं के एक निर्वाचक मंडल द्वारा निर्वाचित होते हैं, एक तिहाई सदस्य राज्य की विधानसभा के सदस्यों द्वारा निर्वाचित होते है, 1/12 सदस्य उन स्नातकों द्वारा निर्वाचित होते है, जिन्होंने कम से–कम 3 वर्ष पूर्व स्नातक की उपाधि प्राप्त कर ली हो: 1/12 सदस्य उन अध्यापकों के द्वारा निर्वाचित होते है, जो कम–से–कम 3 वर्षो से माध्यमिक पाठशालाओं अथवा उनसे ऊँची कक्षाओं में शिक्षण कार्य कर रहे हो: तथा 1/6 सदस्यों को राज्यपाल उन व्यक्तियों में से मनोनीत करता है, जिन्हें साहित्य, कला, विज्ञान, सहकारिता आन्दोलन या सामाजिक सेवा के संबंध में विषय ज्ञान हो।
- ❑ विधान परिषद् की किसी भी बैठक के लिए कम से–कम 10 या विधान परिषद् के कुल सदस्यों का दसमांश, (1/10) इनमें जो भी अधिक हो, गणपूर्ति होगा।
- ❑ विधान परिषद् अपने सदस्यों में से दो को क्रमशः सभापति एवं उपसभापति चुनती है।
- ❑ **सभापति उपसभापति को संबोधित कर एवं उपसभापति सभापति को संबोधित कर त्यागपत्र दे सकता है,** अथवा परिषद् के सदस्यों के बहुमत से पारित प्रस्ताव द्वारा उसे अपदस्थ भी किया जा सकता है। किन्तु ऐसे किसी प्रस्ताव को लाने के लिए 14 दिनों की पूर्व सूचना आवश्यक है।

विधानसभा

- ❑ विधान सभा का कार्यकाल **5** वर्ष है, किन्तु विशेष परिस्थिति में राज्यपाल को यह अधिकार है, कि वह इससे पूर्व भी उसको विघटित कर सकता है।
- ❑ **विधान सभा में निर्वाचित होने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 25 वर्ष है।**
- ❑ प्रत्येक राज्य की विधान सभा में कम–से–कम 60 और अधिक से अधिक 500 सदस्य होते है। **अपवाद**- अरूणाचल प्रदेश (40), गोवा (40), मिजोरम (40), सिक्किम (32)
- ❑ विधान सभा की अध्यक्षता करने के लिए एक अध्यक्ष का चुनाव करने का अधिकार सदन को प्राप्त है, जो इसकी बैठकों का संचालन करता है।
- ❑ साधारणतया विधान सभा अध्यक्ष सदन में मतदान नहीं करता किन्तु यदि सदन में मत बराबरी में बँट जाएँ तो वह निर्णायक मत देता है।
- ❑ जब कभी अध्यक्ष को उसके पद से हटाने का प्रस्ताव विचाराधीन हो, उस समय वह सदन की बैठकों की अध्यक्षता नहीं करता है।
- ❑ **किसी विधेयक को धन विधेयक माना जाए अथवा नहीं, इसका निर्णय विधानसभा अध्यक्ष ही करता है।**
- ❑ सदन के बैठकों के लिए सदन के कुल सदस्यों के दसमांश (1/10) सदस्यों की उपस्थितियों गणपूर्ति हेतु आवश्यक है।

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

✓ भारत में राज्य विधानपालिकाओं का उच्च सदन कौनसा है	**विधानपरिषद्**
✓ भारत के कितने राज्यों में द्विसदनात्मक व्यवस्था है	**7**
✓ विधानपरिषद् की सदस्य संख्या उस राज्य की विधानसभा के सदस्यों की कितनी संख्या से अधिक नहीं हो सकती	**एक तिहाई**
✓ किस राज्य में विधानपरिषद् के सदस्यों की संख्या सर्वाधिक है	**उत्तर प्रदेश**
✓ राज्य में विधानपरिषद् की व्यवस्था किस अनुच्छेद के अंतर्गत है	**अनुच्छेद 169**
✓ विधानपरिषद् के कितने सदस्य प्रत्येक दूसरे वर्ष अवकाश ग्रहण करते है	**एक तिहाई**
✓ विधानपरिषद् के सदस्य कितने वर्ष के लिए निर्वाचित होते है	**6 वर्ष**
✓ विधानपरिषद् की सदस्य सख्या कम से कम कितनी होनी चहिए	**40**
✓ विधानपरिषद् के सदस्य के लिए न्युनतम आयु सीमा क्या है	**30 वर्ष**
✓ किसी साधारण विधेयक को विधानपरिषद् अधिक से अधिक कितने दिनों तक रोककर रख सकती है	**4 माह**
✓ किसी राज्य की विधानसभा में अधिकतम कितने सदस्य हो सकते है	**500**
✓ किसी राज्य की विधानसभा में न्युनतम सदस्य संख्या हो सकती है	**60**
✓ किस राज्य में विधानसभा सदस्यों की संख्या सर्वाधिक है	**उत्तरप्रदेश**
✓ विधानसभा का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है	**5 वर्ष**
✓ जम्मू कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है	**6 वर्ष**
✓ किस राज्य में विधानसभा का विघटन उसकी प्रथम बैठक से पूर्व ही कर दिया था	**केरल**
✓ विधानसभा की सदस्यता के लिए न्युनतम आयु सीमा क्या है	**25 वर्ष**
✓ विधानसभाध्यक्ष का चुनाव कौन करता है	**विधानसभा के सदस्य**
✓ विधानसभाध्यक्ष को पद की शपथ कौन दिलवाता है	**शपथ की आवश्यकता नहीं होती**
✓ अस्थायी विधानसभाध्यक्ष की नियुक्ति कौन करता है	**राज्यपाल**
✓ राज्य मंत्रिपरिषद् सामूहिक रुप से किसके प्रति उत्तरदायी रहती है	**विधानसभा**
✓ क्या वित्त विधेयक को विधानपरिषद् में पेश किया जा सकता है	**नहीं**
✓ राज्यपाल विधानसभा में किस समुदाय के एक सदस्य को नामित करता है	**एंग्लो-इण्डियन**
✓ किस राज्य की विधानसभा में राज्यपाल दो महिलाओं की नियुक्ति कर सकता है	**जम्मू-कश्मीर**

Haldighati Competition Classes Gangapur City

केन्द्र राज्य संबंध

- ❑ भारत में केन्द्र राज्य संबंध संघवाद की ओर उन्मुख है और संघवाद की इस प्रणाली को कनाडा के संविधान से लिया गया है।
- ❑ भारतीय संविधान में केन्द्र तथा राज्य के मध्य विधायी, प्रशासनिक तथा वित्तीय शक्तियों का विभाजन किया गया है, लेकिन न्यायपालिका को विभाजन की परिधि से बाहर रखा गया है।
- ❑ भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में केन्द्र एवं राज्य की शक्तियों के बँटवारे से संबंधित तीन सूची दी गई है– (1) संघ सूची, (2) राज्य सूची और (3) समवर्त्ती सूची।
- ❑ **संघ सूची**– संघ सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो राष्ट्रीय महत्त्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार केन्द्रीय विधायिका अर्थात् संसद को है
- ❑ इस सूची में कुल 99 विषयों को शामिल किया गया है, जिनमें प्रमुख हैं–रक्षा, विदेशी मामले, युद्ध, अन्तरराष्ट्रीय संधि, अणु शक्ति, सीमा शुल्क, जनगणना, विदेशी ऋण, डाक एवं तार, प्रसारण, टेलीपफोन, विदेशी व्यापार, रेल तथा वायु एवं जल परिवहन आदि।
- ❑ **राज्य सूची**–इसमें उन विषयों को शामिल किया गया है, जो स्थानीय महत्त्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार राज्य विधानमंडल को है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में संसद भी कानून बना सकती है।
- ❑ इस सूची में शामिल विषयों की संख्या 61 है, जिनमें प्रमुख हैं लोक सेवा, कृषि, वन, कारागार, भू–राजस्व, लोक व्यवस्था, पुलिस, लोक स्वास्थ्य, स्थानीय शासन, क्रय, विक्रय एवं सिंचाई आदि।
- ❑ **समवर्त्ती सूची**– इस सूची में शामिल विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों द्वारा कानून बनाया जाता है और यदि दोनों कानूनों में विरोध

है, तो संसद द्वारा निर्मित कानून लागू होगा।

- इस सूची में शामिल विषयों की संख्या 52 है। उनमें प्रमुख हैं –राष्ट्रीय जलमार्ग, परिवार नियोजन,जनसंख्या नियंत्रण, समाचारपत्र, कारखाना, शिक्षा, आर्थिक तथा सामाजिक योजना।
- **अवशिष्ट विधायी शक्ति**–जिन विषयों को संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची में नहीं शामिल किया गया है, उन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार संसद को प्रदान किया जाता है।
- राष्ट्रीय आपात एवं राष्ट्रपति शासन के समय भी संसद को राज्य सूची पर कानून बनाने का अधिकार होता है।
- **संघ के प्रमुख राजस्व स्त्रोत है**–निगम कर, सीमा शुल्क, निर्यात शुल्क, कृषि, भूमि को छोड़कर अन्य सम्पत्ति पर सम्पदा शुल्क, विदेशी ;ण, रेल, रिजर्व बैंक तथा शेयर बाजार।
- **राज्य के प्रमुख राजस्व स्त्रोत हैं**–व्यक्ति कर, कृषि, भूमि पर कर, सम्पदा शुल्क, भूमि एवं भवनों पर कर, पशुओं तथा नौकायान पर कर, विक्रय कर,वाहनों पर चुंगी।
- केन्द्र एवं राज्यों के मध्य विवाद को सुलझाने के लिए मुख्यतः चार आयोग गठित किए गए, जो इस प्रकार हैं– **प्रशासनिक सुधार आयोग, राजमन्नार आयोग, भगवान सहाय समिति एवं सरकारिया आयोग।**

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

✓ संघ सूची, राज्य सूची तथा समवर्ती सूची का उल्लेख संविधान की किस अनुसूची में है	**सातवीं**
✓ सरकारिया आयोग का संबंध किससे है	**केन्द्र राज्य संबध**
✓ केन्द्र–राज्य संबध पर 1971 में राजमन्नार समिति किस राज्य के द्वारा गठित की गई थी	**तमिलनाडू**
✓ भारतीय संविधान में अवशिष्ट अधिकार किसके पास है	**केन्द्र के पास**
✓ अवशिष्ट विषयों पर विधि निर्माण का अधिकार किसे प्राप्त है	**संघ**
✓ सरकारिया आयोग का गठन कब हुआ	**1983**
✓ आर्थिक नियोजन किस सूची का विषय है	**समवर्ती सूची का**
✓ भूमि–सुधार किस विषय के अंतर्गत आते है	**राज्य सूची**
✓ सामाजिक सुधार एवं सामाजिक बीमा विषय है	**समवर्ती सूची**
✓ रेलवे भारत के संविधान में कौनसी सूची में आता है	**केन्द्रीय सूची**

Haldighati Competition Classes

अन्तर्राज्यीय परिषद्

- संविधान के अनु.–263 के अन्तर्गत केन्द्र एवं राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए राष्ट्रपति एक अन्तर्राज्य परिषद् की स्थापना कर सकता है।
- पहली बार जून, 1990 ई. में अन्तर्राज्य परिषद् की स्थापना की गई, जिसकी पहली बैठक **10 अक्टूबर, 1990** ई. को हुई थी।
- **इसमें निम्न सदस्य होते हैं** –प्रधानमंत्री तथा उनके द्वारा मनोनीत छह कैबिनेट स्तर के मंत्री, सभी राज्यों व संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्यमंत्री एवं संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासक।
- अन्तर्राज्यीय परिषद की बैठक वर्ष में तीन बार की जाएगी जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री या उनकी अनुपस्थिति में प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त कैबिनेट स्तर का मंत्री करता है।

योजना आयोग

- **भारत में योजना आयोग के संबंध में कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं है।**
- 15 मार्च, 1950 ई. को केन्द्रीय मंत्रिमंडल के द्वारा पारित प्रस्तान के द्वारा योजना आयोग की स्थापना की गयी थी।
- **योजना आयोग का अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है।**
- योजना आयोग का **वर्तमान नाम नीति आयोग** है।

राष्ट्रीय विकास परिषद्

- योजना के निर्माण में राज्यों की भागीदारी होनी चाहिए, इस विचार को स्वीकार करते हुए सरकार के एक प्रस्ताव द्वारा **6 अगस्त, 1952 ई.** को राष्ट्रीय विकास परिषद् का गठन किया गया।

- **प्रधानमंत्री इस परिषद् का अध्यक्ष होता है।**
- योजना आयोग का सचिव ही इस परिषद् का सचिव होता है।
- भारतीय संघ के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री एवं योजना आयोग के सभी सदस्य इसके पदेन सदस्य होते हैं।

लोकसेवा आयोग

- भारत में सन् 1919 ई. के भारत सरकार अधिनियम के अधीन सर्वप्रथम 1926 ई. में लोक सेवा आयोग की स्थापना की गयी थी। संविधान के भाग 14 में अनुच्छेइ 315 से 323 तक संघ लोक सेवा आयोग का विवरण है
- संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या निर्धारित करने की शक्ति राष्ट्रपति को है। वर्तमान में इसकी संख्या 10 है।
- संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति 6 वर्षो के लिए की जाती है। यदि वह 6 वर्षो के अन्दर 65 वर्ष की आयु पूरी कर लेता है तो वह पद से मुक्त हो जाता है।
- **राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल के द्वारा की जाती है।**
- राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष या 62 वर्ष की उम्र तक होता है। इन दोनों में जो पहले पूरा होता है उसी के तहत वे अवकाश ग्रहण करते हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

✓ क्षेत्रीय परिषदों का गठन किसके द्वारा किया जाता है	**राष्ट्रपति**
✓ सामान्यतः क्षेत्रीय परिषद् की अध्यक्षता कौन करता है	**केन्द्रीय गृहमंत्री**
✓ अन्तर्राज्यीय परिषद् का गठन संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत किया गया है	**अनुच्छेद 263**
✓ राष्ट्रीय विकास परिषद् का अध्यक्ष कौन होता है	**प्रधानमंत्री**
✓ पंचवर्षीय योजना का अंतिम अनुमोदन कौन करता है	**राष्ट्रीय विकास परिषद्**
✓ वित्त आयोग क्या है	**पंचवार्षिक निकाय**
✓ वित्त आयोग की स्थापना किसके द्वारा की जाती है	**राष्ट्रपति**
✓ भारत में राष्ट्रपति को विशिष्ट केन्द्र–राज्य राजकोषीय संबधों के बारे में सुझाव किसके द्वारा दिया जाता है	**वित्त आयोग**
✓ संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत वित्त आयोग का गठन किया गया है	**अनु. 280**
✓ प्रथम वित्त आयोग के अध्यक्ष कौन थे	**के.सी.नियोगी**
✓ किस अनुच्छेद के अनुसार अखिल भारतीय सेवाओं का प्रावधान किया गया है	**अनु. 312**
✓ भारतीय पुलिस सेवा का प्रशिक्षण कहाँ होता है	**हैदराबाद**
✓ सिविल सेवाओं का भारतीयकरण किसने किया	**लॉर्ड लिटन**
✓ भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा को समाप्त करने की सिफारिश किस आयोग ने की थी	**राजमन्नार आयोग**
✓ संविधान का कौनसा अनुच्छेद संघ लोक सेवा आयोग से संबंधित है	**अनुच्छेद 315**

Haldighati Competition Classes Gangapur City

निर्वाचन आयोग

- **संविधान के भाग-15 के अनु. 324 से 329** के बीच निर्वाचन से संबंधित उपबन्ध किया गया है।
- निर्वाचन आयोग का गठन मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं अन्य निर्वाचन आयुक्तों से किया जाता है, जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है
- मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल 6 वर्षो या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो तब तक होगा। अन्य चुनाव आयुक्तों का कार्यकाल 6 वर्ष या 62 वर्ष जो पहले हो तब तक रहता है
- मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल 6 वर्षो या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो तब तक होगा। अन्य चुनाव आयुक्तों का कार्यकाल 6 वर्ष या 62 वर्ष जो पहले हो तब तक रहता है
- पहले चुनाव आयोग एक सदस्यीय आयोग था, परन्तु अक्टूबर, 1993 ई. में तीन सदस्यीय आयोग बना दिया गया।
- निर्वाचित आयोग के मुख्य कार्य निम्न हैं

(1) चुनाव क्षेत्रों का परिसीमन।

(2) मतदाता सूचियों को तैयार करवाना।
(3) विभिन्न राजनीतिक दलों को मान्यता प्रदान करना।
(4) राजनीतिक दलों को आरक्षित चुनाव चिह्न प्रदान करना।
(5) चुनाव करवाना।
(6) राजनीतिक दलों के लिए आचार संहिता तैयार करवाना।

❑ निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता के लिए संवैधानिक प्रावधान

(1) निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है अर्थात् इसका निर्माण संविधान ने किया है।
(2) मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं।
(3) मुख्य चुनाव आयुक्त महाभियोग जैसी प्रक्रिया से ही हटाया जा सकता है।
(4) मुख्य चुनाव आयुक्त का दर्जा सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के समान ही है।
(5) नियुक्ति के पश्चात् मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्तों की सेवा–शर्तों में कोई अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जा सकता हैं
(6) मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्तों का वेतन भारत की संचित निधि में से दिया जाता है।

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

- ✓ तारकुंडे समिति तथा गोस्वामी समिति का संबध किससे है — **चुनाव व्यवस्था में सुधार से**
- ✓ भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में निर्वाचन आयोग का वर्णन है — **अनुच्छेद 324**
- ✓ भारत में मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है — **राष्ट्रपति**
- ✓ परिसीमन आयोग का अध्यक्ष कौन होता है — **मुख्य चुनाव आयुक्त**
- ✓ भारत के विभिन्न राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दल का दर्जा देने का अधिकार किसके पास है — **चुनाव आयोग**
- ✓ भारत में सार्वजनिक मताधिकार के आधार पर प्रथम चुनाव कब हुआ — **1952**
- ✓ दिनेश गोस्वामी समिति ने क्या सिफारिश की थी — **लोकसभा के चुनाव के सरकारी निधीयन की**
- ✓ **EVM** का प्रयोग भारतीय चुनावों में कब से हुआ — **1997**
- ✓ भारत में मतदान की आयु सीमा कितनी है — **18 वर्ष**

Haldighati Competition Classes

वित्त आयोग

❑ संविधान के **अनु. 280** में वित्त आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है।
❑ वित्त आयोग में राष्ट्रपति द्वारा एक अध्यक्ष एवं चार अन्य सदस्य नियुक्त किए जाएँगे।
❑ अब तक 14 वित्त आयोगों का गठन किया जा चुका है।

वित्त आयोग	नियुक्ति वर्ष	अध्यक्ष	अवधि
पहला	**1951** ई.	के. सी. नियोगी	**1952–57** ई.
दूसरा	**1956** ई.	के. संथानाम	**1957–62** ई.
तीसरा	**1960** ई.	ए. के. चन्दा	**1962–66** ई.
चौथा	**1964** ई.	डा. पी. वी. राजमन्नार	**1966–69** ई.
पाँचवाँ	**1968** ई.	महावीर त्यागी	**1969–79** ई.
छठा	**1972** ई.	पी. ब्रह्मानन्द रेड्डी	**1974–79** ई.
सातवाँ	**1977** ई.	जे. पी. सेलट	**1979–84** ई.
आठवाँ	**1982** ई.	वाई. पी. चौहान	**1984–89** ई.
नौवाँ	**1987** ई.	एन. के. पी. साल्वे	**1989–95** ई.
दसवाँ	**1992** ई.	के. सी. पन्त	**1995–2000** ई.
ग्यारहवाँ	**1998** ई.	प्रो. ए. एम. खुसरो	**2000–05** ई.
बारहवाँ	**2003** ई.	डॉ सी. रंगराजन	**2005–10** ई.
तेहरवाँ	**2007** ई.	विजय केलकर	**2010–15** ई.
चौदहवाँ	**2012** ई.	वाई.वी.रेड्डी	**2015–20** ई.

राजभाषा

- संविधान के **भाग–17 के अनु. 343 के** अनुसार संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी है।
- भारतीय संविधान के अनु.– 344 में राष्ट्रपति को राजभाषा से संबंधित कुछ विषयों में सलाह देने के लिए एक आयोग की नियुक्ति का प्रावधान है। राष्ट्रपति ने इस अधिकार का प्रयोग करते हुए 1955 ई. में श्री बी. जी. खरे की अध्यक्षता में प्रथम राजभाषा आयोग का गठन किया। इस आयोग ने 1956 ई. में अपना प्रतिवेदन दिया।
- **संविधान की आठवीं अनुसूची के अनुसार निम्नलिखित भाषाओं की राजभाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो इस प्रकार है**– असमिया, बंगला, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी,संस्कृत, सिन्धी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, कोंकणी, मणिपुरी, नेपाली,मैथिली, संथाली, डोगरी, बोडो

नोट –(1) 1967 ई. में संविधान के 21वें संशोधन के द्वारा सिन्धी को आठवीं अनुसूची में जोड़ा गया।
(2) 1992 ई. में संविधान के 91वें संशोधन के द्वारा मणिपुरी, कोंकणी एवं नेपाली को आठवीं अनुसूची जोड़ा गया।
(3) 2004 ई. में मैथिली, संथाली, डोगरी एवं बोडो को संविधान के आठवीं अनुसूची में जोड़ा गया है।

राज्य की भाषा–संविधान के अनु. 345 के अधीन प्रत्येक राज्य के विधान मंडल को यह अधिकार दिया गया है कि वह आठवीं अनुसूची में अन्तर्विष्ट भाषाओं में से किसी एक या अधिक को सरकारी कार्यो के लिए राज्य की सरकारी भाषा के रूप में अंगीकार कर सकता है। किन्तु राज्यों के परस्पर संबंधों में तथा संघ तथा राज्यों के परस्पर संबंधों में संघ की राजभाषा को ही प्राधिकृत भाषा माना जाएगा।

आपात उपबंध

- भारतीय संविधान में तीन प्रकार के आपात काल की व्यवस्था की गयी है–
  (1) राष्ट्रीय आपात (अनु.–352) (2) राष्ट्रपति शासन (अनु.–356)
  (3) वित्तीय आपात (अनु.–360)
- **राष्ट्रीय आपात (अनु.-352)**– इसकी घोषणा निम्नलिखित में से किसी भी आधार पर राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है– (1) युद्ध, (2) बाह्य आक्रमण और (3) सशस्त्र विद्रोह।
- राष्ट्रीय आपात की घोषणा राष्ट्रपति मंत्रिमंडल की लिखित सिफारिश पर करता है।
- राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा को न्यायालय में प्रश्नगत किया जा सकता है।
- 44वें संशोधन द्वारा अनु.–352 के अधीन उद्घोषणा सम्पूर्ण भारत में या उसके किसी भाग में की जा सकती है।
- राष्ट्रीय आपात के समय राज्य सरकार निलंबित नहीं की जाती है अपितु यह संघ की कार्यपालिका के पूर्ण नियंत्रण में आ जाती है।
- राष्ट्रपति द्वारा की गई आपात की घोषणा एक माह तक प्रवर्तन में रहती है और यदि इस दौरान इसे संसद के दो तिहाई बहुमत से अनुमोदित करवा लिया जाता है, तो वह छह माह तक प्रवर्तन में रहती है। संसद इसे पुनः एक बार में छह महीने तक बढ़ा सकती है।
- यदि आपात की उद्घोषणा तब की जाती है, जब लोकसभा का विघटन हो गया हो या लोकसभा का विघटन एक मास है अन्तर्गत आपात उद्घोषणा का अनुमोदन किए बिना हो जाता है, तो आपात उद्घोषणा लोकसभा की प्रथम बैठक की तारीख से 30 दिन के अन्दर अनुमोदित होना चाहिए, अन्यथा 30 दिन के बाद यह प्रवर्त्तन में नहीं रहेगी।
- यदि लोकसभा साधारण बहुमत से आपात उद्घोषणा को वापस लेने का प्रस्ताव पारित कर देती है, तो राष्ट्रपति को उद्घोषणा वापस लेनी पड़ती है
- आपात उद्घोषणा पर विचार करने के लिए लोकसभा का विशेष अधिवेशन तब आहूत किया जा सकता है, जब लोकसभा की कुल सदस्य संख्या के 1/10 सदस्यों द्वारा लिखित सूचना लोकसभा अध्यक्ष को, जब सत्र चल रहा हो या राष्ट्रपति को, जब सत्र नहीं चल रहा हो, दी जाती है।
- लोकसभा अध्यक्ष या राष्ट्रपति सूचना–प्राप्ति के 14 दिनों के अन्दर लोकसभा का विशेष अधिवेशन आहूत करते हैं।
- **आपातकाल की उद्घोषणा के प्रभाव**– जब कभी संविधान के अनुच्छेद 352 के अन्तर्गत आपातकाल की उद्घोषणा होती है, तो इसके ये प्रभाव होते है

(1) राज्य की कार्यपालिका शक्ति संघीय कार्यपालिका के अधीन हो जाती है।
(2) संसद की विधायी शक्ति राज्य सूची से संबद्ध विषयों तक विस्तृत हो जाती है।
(3) संविधान के अनुच्छेद 19 में दी गई स्वतंत्रताएँ स्थगित हो जाती है।
(4) राष्ट्रपति को यह अधिकार प्राप्त हो जाता है, कि संविधान के अनुच्छेद 20–21 में उल्लिखित अधिकारों के क्रियान्वयन के लिए न्यायापालिका की शरण लेने के अधिकार को स्थगित कर दें।

राष्ट्रपति शासन

- अनु.-**356** के अधीन राष्ट्रपति किसी राज्य में यह समाधान हो जाने पर कि राज्य में सांविधानिक तंत्र विफल हो गया है अथवा राज्य संघ की कार्यपालिका के किन्हीं निर्देशों का अनुपालन करने में असमर्थ रहता है, तो आपातस्थिति की घोषणा कर सकता है।
- राज्य में आपात की घोषणा के बाद संघ न्यायिक कार्य छोड़कर राज्य प्रशासन के कार्य अपने हाथ मे ले लेता है।
- राज्य में आपात उद्घोषणा की अवधि दो मास होती है। इससे अधिक के लिए संसद से अनुमति लेनी होती है तब यह छह मास की होती है। अधिकतम तीन वर्ष तक यह एक राज्य के प्रवर्तन में रह सकती है। इससे अधिक के लिए संविधान में संशोधन करना पड़ता है।

Fact- सर्वप्रथम पंजाब राज्य में अनु.– 356 का प्रयोग किया गया। (1951 ई. में भार्गव मंत्रिमंडल के पतन के कारण)। सर्वाधिक समय तक अनु. – 356 का प्रयोग पंजाब राज्य में ही रहा (11.5.1987 ई. से 25.2.1992 ई. तक)।

वित्तीय आपात

- **अनुच्छेद-360** के तहत वित्तीय आपात की उद्घोषणा राष्ट्रपति द्वारा तब की जाती है, जब उसे विश्वास हो जाय कि ऐसी स्थिति विद्यमान, जिसके कारण भारत के वित्तीय स्थायित्व या साख को खतरा है।
- वित्तीय आपात की घोषणा को दो महीनों के भीतर संसद के दोनों सदनों के सम्मुख रखना तथा उनकी स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है।
- वित्तीय आपात की घोषणा उस समय की जाती है, जब लोकसभा विघटित हो, तो दो महीनों के भीतर राज्य सभा की स्वीकृति मिलने के उपरांत वह आगे भी लागू रहेगी। किन्तु नवनिर्वाचित लोक सभा द्वारा उसकी प्रथम बैठक के आरंभ से 30 दिन के भीतर ऐसी घोषणा की स्वीकृति आवश्यक है

राष्ट्रीय चिन्ह

राष्ट्रगान (जन गण मण...)

- ✓ रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा मूल बंगला में रचित और संगीतबद्ध '**जण- गण-मण**' के हिन्दी संस्करण को संविधान सभा ने **भारत के राष्ट्रगान के रूप में 24 जनवरी 1950 को अपनाया था।**
- ✓ **यह सर्वप्रथम 27 दिसंबर 1911 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गाया गया था। राष्ट्रगान के गायन की अवधि 52 सेकण्ड है।**
- ✓ रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसका अंग्रेजी अुनवाद ***Morning Song Of India*** नामक शीर्षक से किया था

राष्ट्रगीत (वन्देमातरम्)

- ✓ **राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम' की रचना बंकिम चंद्र चटर्जी ने संस्कृत में की थी,** जो स्वतंत्रता संग्राम मे जन जन का प्रेरणा स्त्रोत था।
- ✓ 1896 में भारतीय राष्ट्रीय काग्रेस का पहला अधिवेशन राजनीतिक अवसर था जब यह गीत गाया गया था।
- ✓ वंदेमातरम् का अंगेजी अनुवाद **अरविन्द घोष** ने जबकि उर्दू अनुवाद **आरिफ मुहम्मद खान** ने किया था।
- ✓ इस गीत के कुल पाँच पदों में सिर्फ प्रथम पद को राष्ट्र गीत के रूप में अंगीकृत किया गया इस गीत को गाने की अवधि 1 मिनट 5 सेकण्ड (65 सेकण्ड) है।
- ✓ इसे सर्वप्रथम **यदुनाव भट्टाचार्य** द्वारा स्वरबद्ध किया गया था।
- ✓ वर्तमान में इसे प्रसिद्ध सितार वादक **पन्ना लाल घोष** द्वारा राग सांरग'' में स्वरबद्ध धुन में गाया था।
- ✓ राष्ट्रगीत को बैण्ड पर बजाने की धुन **मास्टर कृष्ण राव** द्वारा 1949 ई. में निर्मित की गयी।
- ✓ मास्टर गणपत सिंह ने सर्वप्रथम मास्टर कृष्ण राव के निर्देशन में राष्ट्रगीत को गाया।
- ✓ वर्तमान में पन्नालाल घोष द्वारा राग सारंग में स्वरबद्ध धुन में इस गीत को गाया जाता है।

राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा)

- ✓ भारत का राष्ट्रीय ध्वज को तिरंगा के नाम से जाना जाता है।
- ✓ तिरंगे को भारत ने राष्ट्रीय ध्वज के रूप में 22 जुलाई 1947 को अंगीकृत किया।
- ✓ संविधान सभा द्वारा 14 अगस्त 1947 को राष्ट्रीय ध्वज प्रस्तुत किया गया।
- ✓ सरोजिनी नायडू की अनुपस्थिति में हंसा मेहता द्वारा तिरंगा झण्डा संविधान सभा को भेंट किया गया।
- ✓ तिरंगे का वर्तमान स्वरूप यूरोप में सक्रिय क्रान्तिकारी मैडम भीकाजी कामा द्वारा तैयार किया गया। तिरंगे के लिये झण्डा गीत की रचना श्याम लाल ने की

- ✓ आयताकार तिरंगे की लम्बाई चौड़ाई का अनुपात 3 : 2 है।
- ✓ तिरंगे के केन्द्र में 24 आरियो वाला अशोक चक्र अंकित है।
- ✓ राष्ट्रीय ध्वज के अन्दर अंकित धर्मचक्र की 24 तीलियाँ दिन के 24 घण्टो को दर्शाती है।
  ध्वज का प्रयोग एंव प्रदर्शन ध्वज संहिता द्वारा संचालित होता है।
- ✓ राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग है केसरिया (सबसे ऊपर), श्वेत (मध्य में) एवं हरा रंग सबसे नीचे होता है।
- ✓ केसरिया रंग आत्म नियन्त्रण एंव बलिदान (त्याग) का प्रतीक है। श्वेत रंग शान्ति एंव सत्य का प्रतीक है तथा हरा रंग समृद्धि एवं हरियाली का प्रतीक है।
- ✓ अशोक चक्र धर्म, गातिशीलता एंव प्रगति का प्रतीक है।
- ✓ ध्वज संहिता के अनुसार झण्डा फहराने वाले व्यक्ति को राष्ट्रीय ध्वज से तीन कदम दूर खडा होना चाहिए।
- ✓ राष्ट्रीय ध्वज को राष्ट्रीय शोक होने पर आधा झुका दिया जाता है।
- ✓ सम्पूर्ण देश में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की मृत्यु होने पर राष्ट्र ध्वज 12 दिनों के लिए झुका दिया जाता है तथा पूर्व राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के मृत्यु होने पर 7 दिनो तक राष्ट्रीय ध्वज झुकाया जाता है।
- ✓ पूर्व में आम नागरिको को 15 अगस्त (स्वतंतत्रा दिवस) 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) और 2 अक्टुबर (महात्मा गाँधी जयन्ती) को ही राष्ट्रीय ध्वज फहराने की इजाजत थी।
- ✓ 23 जनवारी 2004 को सुप्रीम कोर्ट ने नवीन जिन्दल बनाम राज्य मामले में भारत के समस्त नागरिकों को वर्ष भर अपने घरों, कार्यालयों तथा फैक्ट्रियों पर राष्ट्र ध्वज फहराने का अधिकार दिया।
- ✓ उच्चतम न्यायालय के बी. एन. खरे की अध्यक्षता वाली बेन्च ने संविधान के अनुच्छेद – 19(1) (क) के तहत् प्रतिष्ठा एंव सम्मान के साथ राष्ट्रध्वज फहराने के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित कर दिया।
- ✓ राष्ट्रीय सम्मान अधिनियम 1971 के अनुसार राष्ट्रध्वज फहराने के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित कर दियां
- ✓ राष्ट्रपति भवन, संसद और सर्वोच्च न्यायालय आदि के स्मारकों के ऊपर स्थायी रूप से वर्ष भर राष्ट्रध्वज फहराने की व्यवस्था है।
- ✓ भारत के राष्ट्र ध्वज को व्यवसाय, व्यवसाय प्रतीक, किसी पेटेन्ट के शीर्षक अथवा व्यावसायिक लाभ के लिए सरकार की पूर्व अनुमति के बिना फेर बदल के साथ प्रयोग करना वर्जित है।

Fact

- ✎ स्वतन्त्रता सग्राम के दौरान पहली बार तिरंगा सन 1906 में कोलकत्ता ध्वज के रूप में पहराया गया था। लेकिन इस ध्वज में पट्टियों को रंग हरा, पीला व लाल था।
- ✎ पीले रंग की पट्टी पर 'वन्दे मारतम्' लिखा हुआ था। हरे रगं की पट्टी पर अर्द्ध विकसित आठ कमल के पुष्प थे तथा नीले रगं पर सूर्यास्त तथा चन्द्रोदय की स्थिति को दर्शाया गया था।
- ✎ आजादी के दौरान गाँधीजी ने 'चरखे वाला तिरंगा' प्रयुक्त किया था जिसमें सफेद हरा, लाल रगं था।
- ✎ अर्जुन की ध्वजा पर हनुमान जी का चित्र था भीष्म की ध्वजा पर ताल वृक्ष का दुर्योधन की ध्वजा पर सर्प का चिन्ह था जबकि रावण की ध्वजा पर कपाल खण्ड अकित था।

राष्ट्रीय चिन्ह (अशोक स्तम्भ)

- ✓ **यह सारनाथ के अशोक स्तम्भ से लिया गया है।**
- ✓ वाराणसी के समीप सारनाथ में स्थित अशोक के सिंह स्तम्भ के शीर्ष आकृति भारत का राष्ट्रीय चिन्ह है भारत सरकार ने इसे 26 जनवरी 1950 को अंगीकृत किया।
- ✓ मूल आकृति में चार सिंह एक दूसरे की ओर पीठ करके इस प्रकार बैठै है कि एक तरफ से तीन ही दिखायी पडते है इन आकृतियों के बीच अशोक का धर्म चक्र उत्कीर्ण है।
- ✓ सिंहों के नीचे घण्टे के आकार वाले पद्म पर अंकित एक चित्र वल्लरी है जिसमें एक हाथी, एक दौड़ते हुए घोडे एक सांड एवं एक सिंह की उभरी आकृतियाँ अंकित है।
- ✓ नीचे फलक मे देवनागरी लिपि में सत्यमेंव जयते उत्कीर्ण है। यह वाक्य मुण्डकोपनिषद् से लिया गया है। सम्पूर्ण सिंह स्तम्भ एक ही पत्थर को काटकर बनाया गया है।
- ✓ सत्यमेव जयते को भारत का राष्ट्रीय वाक्य घोषित किया गया है जिसका अर्थ हे सत्य की हमेशा विजय होती है।

Fact झण्डे के निकटतम वाले छोर को **हो आईस्ट** कहा जाता है। दूरस्थ छोर को **फ्लाई** कहा जाता है। जबकि **डोरी को हेलयार्ड** कहा जाता है।

प्रति वर्ष 5 दिसम्बर के **फ्लेग डे** मनाया जाता है।

राष्ट्रीय पंचाग

- ग्रिगेरियन कलेण्डर के साथ देश भर के लिए शक संवत पर आधारित एक रूप राष्ट्रीय पंचाग जिसका पहला महीना चैत्र है और सामान्य वर्ष 365 दिन का होता है
- 22 मार्च 1957 को सरकार द्वारा इसे अपनाया गया था।
- 78 ई. में आरम्भ शक संवत् का पहला मास चैत्र होता है।
- राष्ट्रीय पंचाग और ग्रीगेरियन कलेण्डर की तारीखो में स्थायी सादृश्ता है। चैत्र का पहला दिन सामान्यता 22 मार्च को और अधिवर्ष मे 21 मार्च को पड़ता है।

राष्ट्रीय पशु (बाघ)

- ओजस्वी **'बाघ'** हमारा राष्ट्रीय पशु हैं। अपनी शालीनता, दृढता, फुर्ती और अपार शक्ति के लिए बाघ को राष्ट्रीय पशु कहलाने का गौरव हासिल है।
- देश में बाघो की घटती हुई संख्या की प्रवृति को रोकने के लिए अप्रैल 1973 से 'बाघ परियोजना' शुरू की गई।

राष्ट्रीय पक्षी (मोर)

- भारतीय मयूर हमार राष्ट्रीय पक्षी है। हंस के आकार के इस रंग बिरंगे पक्षी की गर्दन लंबी, आंख के नीचे सफेद निशान और सिर पर पंखे के आकार की एक कलगी होती है।
- मयूर भारतीय उपमहादीप में सिंधु नदी के दक्षिण और पूर्व से लेकर जम्मू और कश्मीर, असम के पूर्व, मिजोरम के दक्षिण तक पूरे भारतीय प्रायद्वीप मे व्यापक रूप से पाया जाता है।
- भारतीय वन्य प्राणी (सुरक्षा) अधिनियम, 1972 के अंतर्गत इसे पूर्ण संरक्षण प्राप्त है।
- भारतीय सरकार द्वारा **1963 में इसे राष्ट्रीय पक्षी** घोषित किया गया था। इसका वैज्ञानिक नाम **पावो क्रिस्टेसस** है

राष्ट्रीय पुष्प (कमल)

कमल भारत का राष्ट्रीय पुष्प है। यह एक पवित्र पुष्प है तथा प्राचीन भारतीय कला और पौराणिकी में इसका महत्वपूर्ण स्थान है। प्राचीन काल से ही इसे भारतीय संस्कृति का शुभ प्रतीक माना जाता रहा है।

राष्ट्रीय जलीय जीव (डॉल्फिन)

- 5 अक्टूबर 2009 को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण ने गंगा नदी की 'डॉल्फिन' को राष्ट्रीय जलजीव घोषित किया।
- उल्लेखनीय है कि संकटग्रस्त इस जलजीव को राष्ट्रीय जलजीव घोषित करना इसके संरक्षण की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।
- गौरतलब है कि गंगा में वर्तमान में बचे हुए डॉल्फिनों की संख्या मात्र 2000 है।

राष्ट्रीय नदी (गंगा)

- भारत में करोडों हिन्दुओं की आस्था की प्रतीक एवं उत्तर भारतीयों की जीवनदायिनी गंगा को सरकार ने राष्ट्रीय नदी का दर्जा 5 नवम्बर 2008 को प्रदान करने की घोषणा की
- गंगोत्री से गंगासागर तक की 2510 किमी. यात्रा करने वाली पवित्र नदी के संरक्षण के लिए गंगा नदी बेसिन नाम से एक उच्चस्तरीय प्राधिकरण बनाया जाएगा।
- जिन राज्यो से होकर गंगा बहती है उन राज्यों के मुख्यमंत्री भी इस प्राधिकरण के सदस्य होंगें।
- राष्ट्रीय नदी घोषित होने के बाद इसकी साफ सफाई का कुल खर्च केन्द्र सरकार वहन करेगी।
- वर्तमान परिस्थितियों के हिसाब से गंगा की सफाई के लिए एक नया ' संस्थागत तन्त्र' स्थापित होगा जो कि गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए एक नया मॉडल विकसित करेंगे।

पंचायती राज

- आधुनिक भारत में स्थानीय स्वशासन की शुरुआत ब्रिटिश काल में हुई। 1882 में ब्रिटिश भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल **लॉर्ड रिपन को स्थानीय स्वशासन का जनक** माना जाता है। सन् 1919 के माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधारों के तहत स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था का वैधानिक स्वरुप प्रदान किया गया।
- बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिशों के आधार पर पंचायती राज का शुभारम्भ स्वतंत्र भारत में **2 अक्टूबर 1959 ई. को** भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के द्वारा **राजस्थान राज्य के नागौर जिले में बुगदरी गाँव में** हुआ।
- पंचायतीराज व्यवस्था को लागू करने वाला देश का प्रथम राज्य राजस्थान एवं दूसरा आंध्रप्रदेश था।
- **11 अक्टूबर 1959 ई. को प. नेहरू ने आन्ध्रप्रदेश राज्य में पंचायती राज का प्रारंभ किया।**

पंचायती राज से संबंधित समितियाँ

बलवन्त राय मेहता समिति	**1957** ई.	अशोक मेहता समिति	**1977** ई.
जी. वी. के. राय. समिति	**1985** ई.	एल. एम. सिंघवी समिति	**1986** ई.
64वाँ संविधान संशोधन	**1989** ई.	**73**वाँ संविधान संशोधन	**1993** ई.

पंचायतीराज से संबंधित दल

बलवन्त राय मेहता समिति 1957 ई.	सामुदायिक विकास कार्यक्रम के क्रियान्वन की समीक्षा
वी.के.राव समिति 1960 ई.	पंचायत सम्बन्धी सांख्यिकी की तर्कसंगता
एस.डी.मिश्र अध्ययन दल 1961 ई.	पंचायत एवं सहकारिता का अध्ययन
वी.ईश्वरन अध्ययन दल 1961 ई.	पंचायत राज प्रशासन का अध्ययन
जी.आर.राजगोपालन अध्ययन दल 1962 ई.	न्याय पंचायत के गठन का अध्ययन
दिवाकर समिति 1963 ई.	ग्राम सभा में स्थिति की समीक्षा
एम.रामाकृष्णनैया अध्ययन दल 1963 ई.	पंचायत राज संस्थाओं की आय–व्यय गणना का अध्ययन
के.संथानम् समिति 1963 ई.	पंचायत राज संस्थाओं की वित्तीय प्रावधान एवं स्थिति की समीक्षा
के.संथानम् समिति 1965 ई.	पंचायत राज संस्थाओं के निर्वाचन की रुपरेखा संबंधी अध्ययन
आर.के.खन्ना अध्ययन दल 1965 ई.	पंचायतीराज संस्थाओं के लेखा एवं अंकेक्षण
जी.रामचन्द्रन समिति 1966 ई.	पंचायतों के लिए प्रशिक्षण केन्द्रों की आवश्यकता पर बल
वी.रामानाथन् अध्ययन दल 1972 ई.	भूमि सुधारों उपायों के कार्यान्वन में सामुदायिक विकास अभिकरण एवं पंचायती राज संस्थाओं की संलिप्तता एवं भूमिका
एम.रामाकृष्णनैया अध्ययन दल 1972 ई.	पांचवीं पंचवर्षीय योजना में सामुदायिक विकास एवं पंचायतीराज को प्रमुख उद्देश्य के रुप में रखना
दया चौबे समिति 1976 ई.	सामुदायिक विकास एवं पंचायतीराज की समीक्षा
अशोक मेहता समिति 1977 ई.	पंचायतीराज के मूल एवं प्रशासनिक ढांचे संबंधी तत्व
दांतेवाला समिति 1978 ई.	खण्ड स्तर पर योजना स्वरूप
हनुमंतराव समिति 1984 ई.	जिला स्तरीय योजना का स्वरूप
एल.एम.सिंघवी समिति 1986 ई.	लोकतंत्र एवं विकास के लिए पंचायती राज संस्थाओं का पुनर्सशक्तीकरण
पी.के.थुंगन समिति 1989 ई.	स्थानीय निकायों की संवैधानिक मान्यता की अनुशंसा

73वां एवं 74वां संविधान संशोधन

- 1991 में पी.वी.नरसिंहराव के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी ने सरकार का निर्माण किया ।पंचायतीराज संस्थाओं को वैधानिक मान्यता प्रदान करने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री ने 16 सितम्बर 1991 को लोकसभा में 72वां संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया। 22 दिसम्बर 1992 को यह विधेयक लोकसभा में

पारित हो गया। 17 राज्यों द्वारा इसका अनुमोदन किया गया।

- 20 अप्रैल 1993 को राष्ट्रपति द्वारा इसको स्वीकृति प्रदान की गई और यह 73वें संशोधन अधिनियम 1992 के रुप में पारित हुआ।
- 73वाँ संविधान संशोधन 24 अप्रैल 1993 को लागू हुआ।
- 73वाँ संविधान संशोधन पंचायती राज से संबंधित है। इसके द्वारा संविधान के भाग–9 अनुच्छेद 243 (क से ण तक) तथा अनुसूची –11 का प्रावधान किया गया है।
- 73वाँ संविधान संशोधन की मुख्य बातें –(1) इसके द्वारा पंचायती राज के त्रिस्तरीय ढाँचे का प्रावधान किया गया है। ग्रामस्तर पर ग्राम पंचायतें, प्रखण्ड स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद् के गठन की व्यवस्था की गयी है।

  (2) पंचायती राज संस्था के प्रत्येक स्तर में एक तिहाई स्थानों पर महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गयी है।

  (3) इसका कार्यकाल पाँच वर्ष निर्धारित किया गया है।

  (4) राज्य की संचित निधि से इन संस्थाओं को अनुदान देने की व्यवस्था की गयी है।

74वां संविधान संशोधन

- यह अधिनियम 1 जून, 1993 को लागू हुआ जिससे नगरीय क्षेत्र में स्थानीय स्वायत्त शासन की इकाइयों को संवैधानिक दर्जा मिला।
- यह संशोधन नगरपालिकाओं से संबंधित है। इसके द्वारा संविधान के भाग 9 क, अनुच्छेद 243 (त से य, छ तक) एवं 12वीं अनुसूची का प्रावधान किया गया है। 74वाँ संविधान संशोधन की मुख्य बातें

  (1) नगरपालिकाएँ तीन प्रकार की होंगी –

  (अ) नगर पंचायत –ऐसा ग्रामीण क्षेत्र जो नगर क्षेत्र में परिवर्तित हो रहा हो।

  (ब) नगर परिषद्–छोटे नगर क्षेत्र के लिए।

  (स) नगर निगम–बड़े नगर क्षेत्र के लिए।

  (2) इन संस्थाओं में महिलाओं के लिए 1/3 भाग स्थान आरक्षित हैं।

  (3) अनुसूचित जाति तथा जनजाति के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था की गई है।

  (4) नगरीय संस्थाओं का कार्यकाल पाँच वर्ष का होगा। विघटन की स्थिति में छह माह के अन्दर चुनाव कराना है।

Competition Classes

राजस्थान में पंचायतीराज

- स्वतंत्रता से पूर्व राजस्थान में बीकानेर ऐसर देशी रियासत थी जहाँ 1982 में ग्राम पंचायत अधिनियम पारित करके ग्राम पंचायतों को वैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिशों के आधार पर पंचायती राज का शुभारम्भ स्वतंत्र भारत में **2 अक्टूबर 1959 ई. को** भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के द्वारा **राजस्थान राज्य के नागौर जिले में बुगदरी गाँव में** हुआ।
- उस समय **राजस्थान के राज्यपाल श्री गुरूमुख निहालसिंह** तथा **मुख्यमंत्री श्री मोहनलाल सुखाड़िया** थे।
- 1959 में पंचायत समिति तथा जिला परिषदों की स्थापना के लिए राजस्थान पंचायत समिति व जिला परिषद् अधिनियम पारित किया गया।

प्रमुख समितियाँ

सादिक अली समिति	**1964** ई.	गिरधारी लाल व्यास समिति	**1973** ई.
हरलाल खर्रा समिति	**1990** ई.	कटारिया समिति	**2009** ई.

राजस्थान में पंचायती राज व्यवस्था

(73वें संशोधन अधिनियम, राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 व पंचायती राज नियम, 1996 के अधीन)

विवरण	ग्राम स्तर निम्नतम स्तर	खंड स्तर मध्य स्तर	जिला स्तर शीर्ष स्तर
संस्था का नाम	ग्राम पंचायत	पंचायत समिति	जिला परिषद्
क्षेत्राधिकारी व गठन	गाँव या गाँवों का समूह	विकास खण्ड (ब्लॉक)	एक जिला
सदस्य	सरपंच, उपसरपंच पंच, ग्राम सभा द्वारा निर्वाचित पंच	प्रधान, उपप्रधान व सदस्य 1. निर्वाचित 2. पदेन सदस्य	जिला प्रमुख, उप प्रमुख व सदस्य 1. निर्वाचित सदस्य 2.पदेन सदस्य
सदस्यों का निर्वाचन	प्रत्येक वार्ड में पंजीकृत व्यस्क सदस्यों द्वारा	पंचायत समिति क्षेत्र से प्रत्यक्षः निर्वाचित	जिला परिषद् क्षेत्र के निर्धारित क्षेत्र से प्रत्यक्षतः निर्वाचित
निर्वाचित सदस्यों की योग्यता	न्यूनतम आयु–21 वर्ष	आयु–21 वर्ष	आयु–21 वर्ष
निर्वाचित सदस्य	न्यूनतम पंच–9	न्यूनतम–15	न्यूनतम–17
निर्वाचित सदस्य द्वारा त्यागपत्र	विकास अधिकारी	प्रधान	जिला प्रमुख
अध्यक्ष का पद्नाम	**सरपंच**	**प्रधान**	**जिला प्रमुख**
अध्यक्ष द्वारा त्यागपत्र	**विकास अधिकारी**	**जिला प्रमुख**	**संभागीय आयुक्त**
अध्यक्ष का चुनाव	ग्राम सभा के सभी व्यस्क सदस्यों द्वारा बहुमत के आधार पर पर अपने में से ही निर्वाचन	केवल निर्वाचित सदस्यों द्वारा बहुमत के आधार पर अपने में से ही प्रत्यक्षतः निर्वाचित	केवल निर्वाचित सदस्यों द्वारा बहुमत के आधार निर्वाचन
उपाध्यक्ष	उपसरपंच	उपप्रधान	उप जिलाप्रमुख
उपाध्यक्ष द्वारा त्यागपत्र	विकास अधिकारी	प्रधान	जिला प्रमुख
उपाध्यक्ष का चुनाव	निर्वाचित पंचों द्वारा द्वारा बहुमत के आधार पर अपने में से ही निर्वाचन	केवल निर्वाचित सदस्यों द्वारा बहुमत के आधार पर अपने में से ही निर्वाचन	केवल निर्वाचित द्वारा बहुमत के आधार पर अपने में से ही निर्वाचन
बैठक	15 दिन में कम से कम 1 बार	माह में कम से कम 1 बार	प्रत्येक तीन माह में कम से कम 1बार

Haldighati Competition Class Gangapur City

73वां संविधान संशोधन

(24 अप्रेल, 1994 को लागू)

- पंचायती राज की संस्थाओं को संवैधानिक मान्यता से सम्बन्धित है।
- इस संशोधन विधेयक के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 243 (ख) में पंचायती राज क संस्थाओं का वर्णन किया गया है।
- पंचायती राज संस्थाओं को संवैधनिक मान्यता देने के लिए संविधन में 11वीं अनुसूची जोड़ी गयी। 73 वें संविधान संशोधन के बाद पंचायती राज की संस्थाओं का गठन इस प्रकार से है।

ग्राम पंचायत

- कम से कम 3000 की जनसंख्या पर एक ग्राम पंचायत का गठन किया जाता है।
- एक ग्राम पंचायत में कम से कम 9 वार्ड पंच होते हैं।
- प्रति हजार पर दो पद बढ़ जाएंगे।
- वार्ड पंच व सरपंच चुनने के लिए कम से कम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए।
- वार्ड पंच व सरपंच का चुनाव ग्राम पंचायत के मतदाताओं के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से बहुमत द्वारा किया जाता है।
- उप सरपंच के लिए वार्ड पंच चुना जाना जरूरी है।
- वार्ड पंचों में से ही वार्ड पंचों के द्वारा ही उप सरपंच का चुनाव किया जाता है।
- **ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है।**
- पांच वर्ष से पहले त्याग पत्र/मृत्यु के कारण पद रिक्त हो जाता है, तो छः माह में रिक्त पद को भरा जाना आवश्यक है।
- पंचायती राज सस्थाओं में 73वें संविधान संशोधन के द्वारा ओ.बो.सी. का 21% महिलाओं का 33% SC,ST का उनकी संख्या के अनुपात में आरक्षण किया गया है।
- सरपंच के विरुद्ध पद ग्रहण करने के दो वर्ष बाद अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता है।
- एक ग्राम पंचायत की 15 दिन के भीतर एक बैठक होना आवश्यक है।
- ग्राम पंचायत की बैठक बुलाने के लिए कम से कम निर्वाचित सदस्यों का 1/10 भाग उपस्थित रहना आवश्यक है।
- पंचायती राज की व्यवस्था में यह प्रावधान किया गया है कि 27 नवम्बर, 1995 के बाद तीसरी संतान होने पर कोई व्यक्ति चुनाव लड़ने के योग्य नहीं रहेगा।
- ग्राम पंचायतों की अध्यक्षता सरपंच के द्वारा की जाती है।
- ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद् के चुनाव कराने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है। इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग का गठन किया जाता है।
- **ग्राम पंचायत का सरपंच, उपसपंच, वार्ड पंच अपना त्यागपत्र खंड विकास अधिकारी को सौंपते हैं।**
- पंचायत समिति के निर्वाचित सदस्य व उपप्रधान अपना त्यागपत्र प्रधान को देते हैं।
- **जिला प्रमुख अपना इस्तीफा संभागीय आयुक्त को देता है।**
- जिला परिषद् के निर्वाचित सदस्य, प्रधान, जिला उपप्रमुख अपना त्यागपत्र जिला प्रमुख को देते हैं।
- 26 जनवरी 2008 से महिलाओं का आरक्षण पंचायती राज व्यवस्था व शहरी व्यवस्था में 50% हो गया है।
- ग्राम सेवक सरपंच का सचिव होता है।

Haldighati Competition Classes Gangapur City

पंचायत समिति

- एक पंचायत समिति में कम से कम 15 सदस्य होते हैं।
- यदि पंचायत समिति की जनसंख्या एक लाख से ज्यादा है तो प्रत्येक 15,000 पर दो अतिरिक्त सदस्य चुने जा सकते हैं।
- पंचायत समिति के लिए सदस्यों का चुनाव मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष रुप से किया जाता है।
- प्रधान व उपप्रधान का चुनाव समिति के निर्वाचित सदस्यों के द्वारा किया जाता है।
- प्रधान व उपप्रधान का चुनाव अप्रत्यक्ष रुप से होता है।
- प्रधान का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है।
- प्रधान के द्वारा पंचायत समिति के बैठकों की अध्यक्षता की जाती है।
- पंचायत समिति की बैठकों की कार्यसूची खण्ड विकास अधिकारी बनाता है। जो राज्य सेवा का अधिकारी होता है।

पंचायत समिति के पदेन सदस्य

1. पंचायत समिति की सभी ग्राम पंचायतों के सरपंच पदेन सदस्य होते हैं।
2. **समिति क्षेत्र से चुना गया विधान सभा का सदस्य (एम.एल.ए)।**

जिला परिषद्

- पंचायती राज की त्रिस्तरीय व्यवस्था में सर्वोच्च संस्था होती है।
- इसका कार्य जिले के ग्रामीण क्षेत्र विकास करना होता है।
- जिला प्रमुख जिला परिषद् का निर्वाचित अध्यक्ष होता है।
- मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सी.ई.ओ) जिला परिषद् में जिला प्रमुख का सचिव होता है।
- एक जिलापरिषद् में कम से कम 17 सदस्य होते है।
- परिषद् के सदस्यों का चुनाव ग्रामीण मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष रुप से किया जाता है।
- यदि जिले की जनसंख्या चार लाख से ज्यादा है। तो प्रति एक लाख पर दो अतिरिक्त सदस्य चुने जाते हैं।

जिला परिषद के पदेन सदस्य -

1. जिलों की पंचायत समितियों के प्रधान
2. जिला कलेक्टर
3. जिले की विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचित सदस्य
4. जिले का लोकसभा सदस्य
5. राज्यसभा का सदस्य जो जिले का पंजीकृत मतदाता हों।

राजस्व प्रशासन

सचिवालय

- भारत में दोहरी कार्यपालिका पायी जाती है–
  (1) संघीय कार्यपालिका (2) राज्य की कार्यपालिका
- राज्य की कार्यपालिका के दो प्रधान होते हैं। एक नाममात्र का और दूसरा वास्तविक। राज्यपाल राज्य की कार्यपालिका का संवैधानिक व नाममात्र का अध्यक्ष होता है तथा मुख्यमंत्री राज्य कार्यपालिका का वास्तविक अध्यक्ष होता है।
- **राज्य का प्रशासन चलाने की जिम्मेदारी राज्यपाल की होती है।**
- राज्यपाल की सहायता के लिए मुख्यमंत्री व उसकी मंत्री परिषद होती है।
- मुख्यमंत्री को प्रशासनिक कार्यो में सलाह व परामर्श देने के लिए मुख्य सचिव होता है।
- **मुख्य सचिव राज्य के प्रशासन का सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी होता है।**
- **मुख्य सचिव राज्य के सचिवालय का मुखिया होता है।**
- राजस्थान का सचिवालय जयपुर में है।
- राज्य सचिवालय का मुख्य सचिव अखिल भारतीय सेवाओं में वरिष्ठतम आई.ए.एस (भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी) होता है।

राज्य सचिवालय का गठन

- सचिवालय का एक मुख्य सचिव होता है।
- हर राज्य के सचिवालय में कई विभाग होते हैं।
- सामान्तयः विभागों की संख्या–15 से 30 तक होती है।
- हर विभाग का एक राजनीतिक अध्यक्ष होता है, जो उस विभाग का मंत्री होता है।
- विभागीय मंत्रियों को सहायता देने के लिए एक सचिव होता है। जिसे शासन सचिव कहते हैं।
- अतिरिक्त सचिव आई.ए.एस के कनिष्ठ अधिकारी होते हैं।
- उपसचिवों का कार्यभार बढ़ने पर उनकी सहायता के लिए सहायक सचिवों की नियुक्ति की जाती है।
- उपसचिव व सहायक सचिव सामान्यतः राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी होते हैं।
- सचिवालय में मंत्रालय का कार्य पूरा करने के लिए एक अनुभाग अधिकारी, एक कार्यालय अध्यक्ष और आवश्यकता अनुसार यू.डी.सी. व एल.डी.सी के पदों की व्यवस्था की जाती है।

Hadighati Competition Classes Gangapur City

मुख्य सचिव की नियुक्ति व कार्यकाल

- राज्य का मुख्य सचिव मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्त किया जाता है।
- मुख्यमंत्री मुख्य सचिव की नियुक्ति करते समय तीन बातों का ध्यान रखते है–
  (1) अधिकारी की वरिष्ठता (2) सेवा अभिलेख (3) मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत पसन्द
- मुख्य सचिव का निश्चित कार्यकाल नहीं होता है।
- उसका कार्यकाल मुख्यमंत्री की इच्छा पर निर्भर होता है।
- भारत में सचिव का पद 1889 ई. में लार्ड वैलेजली के समय शुरू हुआ।
- राजस्थान में मुख्य सचिव का पद 13 अप्रेल, 1949 को शुरु हुआ।

मुख्य सचिव का कार्य

मुख्य सचिव राज्य प्रशासन का सर्वोच्च अधिकारी होता है। समस्त सचिवालय मुख्य सचिव के निर्देशन में कार्य करता है। इसके निम्न कार्य हैं –

1. मुख्यमंत्री व मंत्रिमण्डल के सलाहकार के रुप में कार्य।
2. शासन के विभागीय अध्यक्ष के रूप में कार्य।
3. शासन के विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय के रुप में कार्य।
4. मंत्रिमण्डल की बैठकों का लेखा–जोखा व उसका एजेण्डा (कार्य सूची) तैयार करना।
5. मुख्य सचिव संकट काल के समय राज्य की मुख्य 'नर्वस सिस्टम' के रुप में कार्य करता है
6. राज्य में शान्ति व व्यवस्था बनाए रखने का कार्य करता है।
7. सचिवालय के भवन, पुस्तकालय व विभिन्न सम्पतियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी मुख्य सचिव की होती है।

स्थानीय प्रशासन

- ग्रामीण स्थानीय स्वशासन – स्थानीय स्वशासन लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया है जिसमें स्थान विशेष के लोगों को अपनी समस्याओं को हल करने के लिए शासन में भागीदारी का अवसर दिया जाता है। भारत में ग्रामीण विकास के लिए 2 अक्टूबर, 1952 को सामुदायिक विकास कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया था, परन्तु यह विकास कार्यक्रम अधिक सफल नहीं हो पाया।
- सन् 1957 में बलवन्त राय मेहता की अध्यक्षता में बलवन्त राय मेहता समिति का गठन किया गया जिसे ग्रामीण स्वशासन की संस्थाओं को सुझाव देने का कार्य सौंपा गया
- बलवन्तराय मेहता समिति के सुझाव के आधर पर 2 अक्टूबर, 1959 को राजस्थान में नागौर जिले के बुगदरी गाँव से पं. जवाहरलाल नेहरू के द्वारा पंचायती राज संस्थाओं का विधिवत् उद्घाटन किया गया। राजस्थान भारत का पहला राज्य है जिसने पंचायती राज व्यवस्था को अपनाया
- राजस्थान के बाद आंध्रप्रदेश ने पंचायती राज्य व्यवस्था को अपनाया।
- 1977 में अशोक मेहता ने सुझाव दिया कि पंचायती राज की संस्थाएँ दो स्तरीय होनी चाहिए जब कि बलवन्त राय मेहता समिति का सुझाव था कि तीन स्तर होने चाहिए
  1. ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत 2. खण्ड स्तर पर पंचायत समिति
  3. जिला स्तर पर जिला परिषद्
- **सादिक अली समिति, पी.के. थुंगन समिति, जी.के.वी राव समिति, लक्ष्मीमल्ल सिंघवी समिति, हरलाल सिंह खर्रा समिति** पंचायती राज से सम्बन्धित है।

जिला प्रशासन

- जिला प्रशासन क्षेत्रीय प्रशासन का एक प्रकार होता है।
- भारत में जिला कलेक्टर का पद पं. बंगाल से **वारेन हेंस्टिंग्ज** के समय सन् 1772 में प्रारम्भ हुआ।
- स्वतंत्र भारत में जिलाधीश आई.ए.एस (अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी) होती हैं।
- आई.ए.एस अधिकारी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती हैं। लेकिन कार्य राज्यों में करते हैं।
- आई.ए.एस अधिकारियों की सेवा शर्ते, वेतन भत्ते केन्द्र सरकार द्वारा निर्धरित किये जाते हैं।

- संविधान के अनुच्छेद 311 के अन्तर्गत आई.ए.एस सेवा के अधिकारियों को संविधान के द्वारा सेवा सुरक्षा प्रदान की गई अर्थात केन्द्र सरकार प्रदान की गई अर्थात् केन्द्र सरकार की अनुमति के बिना राज्य सरकार के द्वारा इनकों पद से नहीं हटाया जा सकता और नहीं अनुशासनात्मक कार्यवाही का दोषी ठहराया जा सकता है।
- जिलाधीश जिला जनगणना अधिकारी होता है।

उपखण्ड अधिकारी

(S.D.M.- Sub Divison Magistrate)

- प्रशासनिक सुविधा के लिये जिलों को कई प्रशासनिक उपखण्डों में बांट दिया जाता है। हर उपखण्ड का प्रशासनिक अधिकारी एस.डी.एम. होता है।
- उपखण्ड अधिकारी का मुख्य कार्य जिलाधीशों के कार्यो में सहायता पहुँचाना होता है।
- एस.डी.एम प्रथम श्रेणी का दण्डनायक होता है।
- एस.डी.एम अपने उपखण्ड में धारा 144 की घोषणा कर सकता है।
- एस.डी.एम सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी होता है।

तहसीलदार

- तहसीलदार तहसील का सर्वेसर्वा अधिकारी होता है।
- सामान्यतः 36 से 40 पटवार सर्किल पर एक तहसील का निर्माण किया जाता है।
- तहसीलदार (आर.टी.एस) राजस्थान तहसीलदार सर्विसेज का अधिकारी होता है।
- तहसीलदार की सेवाएँ राजस्व मण्डल अजमेर के नियंत्रण में होती है।
- तहसीलदार द्वितीय श्रेणी का दण्डनायक होता है।
- तहसीलदार सहपंजीयक अधिकारी होता है।

Haldighati Competition Classes
Gangapur City

नायब तहसीलदार

- 20 पटवार सर्किल पर एक उपतहसील बनाई जाती है।
- उपतहसील का सर्वोच्च अधिकारी नायब तहसीलदार है।
- नायब तहसीलदार आर.टी.एस सेवा का अधिकारी होता है।
- नायब तहसीलदार का कार्य तहसीलदार की सहायता करना है।

भू-राजस्व निरीक्षक

(R.I. - Revenue Insepector)

- 10 पटवार सर्किल पर एक भू राजस्व निरीक्षण कार्यालय बनाया जाता है।
- यह पद पटवारी से पदोन्नत होता हैं। इसका मुख्य कार्य नायब तहसीलदार को सहयोग देना।

पटवारी

- **पटवारी राजस्व सेवा का सबसे छोटा कर्मचारी होता है।**
- पटवारी ग्रामीण भूमि का राजस्व रिकोर्ड रखता है।
- फसलों की बुवाई व उत्पादन का सांख्यिकीय रिकॉर्ड रखता है।
- पटवारी गाँव की जनगणना का कार्य करता है।
- मूल निवास व जाति प्रमाण–पत्र पटवारी की सिफारिश पर बनाये जाते हैं
- पटवारी पशु गणना में सहायता करता है।
- पटवारी ग्रामीण क्षेत्र में राशन की दुकानों पर निगरानी व नियंत्रण रखता है।
- समय–समय पर सरकार के द्वारा लागू की जाने वाले जनकल्याणकारी योजनाओं को ग्रामीण क्षेत्र में लागू करने में सहायता प्रदान करता है।
- **पटवारी अपने क्षेत्र के मतदाताओं की सूची तैयार करवाता है।**

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण प्रश्न

✓ संविधान के किस भाग में पंचायतीराज का उल्लेख किया गया है	**भाग-9ं**
✓ भारत के संविधान में किस भाग में नगरपालिकाओं से संबंधित प्रावधान है	**भाग 9 क**
✓ संविधान के किस भाग में ग्राम पंचायतों की स्थापना की बात कही गई है	**भाग 4**
✓ किस अनुच्छेद में ग्राम पंचायतों के संगठन की अवधारणा है	**अनुच्छेद 40**
✓ पंचायतीराज का उल्लेख किस अनुसूची में है	**11 वीं**
✓ पंचायतीराज प्रणाली किस प्रणाली पर आधारित है	**सत्ता के विकेन्द्रीकरण पर**
✓ 73वां संविधान संशोधन किससे संबंधित है	**पंचायतीराज से**
✓ भारत में किसके अंतर्गत पंचायतीराज प्रणाली की व्यवस्था की गई है	**नीति निदेशक तत्व**
✓ 73वें संविधान संशोधन के अनुसार पंचायतीराज संस्थाओं में अध्यक्ष के कम से कम कितने पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए है	**एक तिहाई**
✓ पंचायत के चुनाव कराने हेतु निर्णय किसके द्वारा लिया जाता है	**राज्य सरकार**
✓ भारत में सर्वप्रथम पंचायतीराज लागू करने वाला राज्य है	**राजस्थान**
✓ प्रथम पचांयतीराज व्यवस्था का उद्घाटन पंडित जवाहर लाल नेहरु द्वारा 2 अक्टूबर 1959 को कहाँ किया गया	**नागौर (राजस्थान)**
✓ भारत सरकार द्वारा सामुदायिक विकास योजना की शुरुआत कब की गई	**2 अक्टूबर 1953**
✓ बलवंतराय मेहता समिति का संबंध किससे है	**पंचायतीराज से**
✓ लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण की योजना प्रस्तुत करने वाली समिति कौनसी थी	**सादिक अली समिति**
✓ 1977 में पंचायतीराज व्यवस्था की समीक्षा के लिए गठित समिति की अध्यक्षता किसने की	**अशोक मेहता**
✓ पंचायतीराज संस्थाओं के निम्नतर स्तर पर कौन है	**ग्राम सभा व पंचायत**
✓ खण्ड स्तर पर पंचायत समिति है	**प्रशासनिक प्राधिकरण**
✓ पंचायत स्तर पर राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व कौन करता है	**पंचायत सेवक**
✓ पंचायत चुनाव के लिए उम्मीदवारों की न्युनतम आयु सीमा है	**21 वर्ष**
✓ पंचायतीराज संस्थाएँ अपनी निधि हेतु किस पर निर्भर है	**सरकारी अनुदान पर**
✓ भारत में पहला नगर निगम कहाँ स्थापित हुआ	**चैन्नई में**
✓ पंचायतीराज प्रणाली किस राज्य में नहीं है	**अरुणाचल प्रदेश**
✓ स्थानीय स्वशासन का जनक किसे कहा जाता है	**लॉर्ड रिपन**
✓ पंचायतीराज संस्थाओं का उच्चतम स्तर कौनसा है	**जिला परिषद**

Haldighati Competition Classes Gangapur City

❊ प्रमुख अनुच्छेद ❊

अनुच्छेद 1	संघ का नाम और राज्य क्षेत्र।
अनुच्छेद 2	नये राज्यों का प्रवेश या स्थापना।
अनुच्छेद 2 (d)	निरसित।
अनुच्छेद 3	नये राज्यों का निर्माण और वर्तमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों मे परिवर्तन।
अनुच्छेद 4	पहली अनुसूची और चौथी अनुसूची के संशोधन तथा अनुपूरक आनुषांगिक और परिणामिक विषयों का उपबंध करने के लिए अनुच्छेद–2 और अनुच्छेद–3 के अधीन बनाई गई विधि है।
अनुच्छेद 5	संविधान के प्रांरभ पर नागरिकता
अनुच्छेद 6	पाकिस्तान से भारत को प्रवजन करने वाले कुछ व्यक्तियों के नागरिकता के अधिकार
अनुच्छेद 7	पाकिस्तान को प्रवजन करने वाले कुछ व्यक्तियो के नागरिकता के अधिकार
अनुच्छेद 8	भारत से बाहर रहने वाले भारतीय उदभव के कुछ व्यक्तियों के नागरिकता के अधिकार
अनुच्छेद 9	विदेशी राज्य की नागरिकता स्वेच्छा से अर्जित करने वाले व्यक्यिो का नागरिक न होना।
अनुच्छेद 10	नागरिकता के अधिकारो का बना रहना
अनुच्छेद 11	संसद द्वारा नागरिकता के अधिकार का विधि द्वारा विनियमन किया जाना।
अनुच्छेद 14	**विधि के समक्ष समता**
अनुच्छेद 15	धर्म, मूल वंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध
अनुच्छेद 16	लोकनियोजन के विषय में अवसर की समता
अनुच्छेद 17	**अस्पृश्यता का अन्त**
अनुच्छेद 18	उपाधियों का अन्त
अनुच्छेद 19	वाक–स्वातंत्रय आदि विषयक कुछ अधिकारो का संरक्षण
अनुच्छेद 20	अपराधों के लिए दोष सिद्धि के संबध में संरक्षण
अनुच्छेद 21	**प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण**
अनुच्छेद 22	कुछ दशाओ मे गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण
अनुच्छेद 23	मानव के दुर्व्यापार और बलातश्रम का प्रतिषेध
अनुच्छेद 24	**कारखानों आदि में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध**
अनुच्छेद 25	अन्त:करण की ओर धर्म के अबाध रूप से मान्य आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता
अनुच्छेद 26	धार्मिक कार्यो के प्रंबध की स्वतंत्रता
अनुच्छेद 27	किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संबंध में छूट
अनुच्छेद 28	कुछ शिक्षण संस्थाओ में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के बारे में स्वतंत्रता
अनुच्छेद 30	शिक्षा संस्थाओ की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक वर्गो का अधिकार
अनुच्छेद 32	इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारो को प्रवर्तित करने के लिए उपचार
अनुच्छेद 38	राज्य लोक कल्याण की अभिवृद्धि के लिए सामाजिक व्यवस्थाए बनायेगा।
अनुच्छेद 40	ग्राम पंचायतो का संगठन
अनुच्छेद 41	कुछ दशाओ में काम, शिक्षा और लोकसहायता पाने का अधिकार
अनुच्छेद 44	नागरिको के लिए एक समान सिविल संहिता
अनुच्छेद 45	बालको के लिए नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का उपबंध
अनुच्छेद 46	अनुसूचित जातियो, अनुसूचित जनजातियो और अन्य दुर्बल वर्गो के शिक्षा और अर्थ संबधी हितो की अभिवृद्धि
अनुच्छेद 47	पोषाहार स्तर और जीवन स्तर को ऊँचा करने और लोकव्यवस्था का सुधार करने का राज्य का कर्त्तव्य
अनुच्छेद 48	कृषि और पशुपालन का संगठन
अनुच्छेद 48 क	पर्यावरण का संरक्षण तथा संवर्धन और वन तथा वन्य जीवो की रक्षा
अनुच्छेद 49	राष्ट्रीय महत्व के स्मारको, स्थानो और वस्तुओ का संरक्षण।

Haldighati Competition Classes Gangapur City

अनुच्छेद 50	कार्यपालिका से न्यायपालिका का पृथक्करण
अनुच्छेद 51	**अन्तर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि**
अनुच्छेद 51 क	मूल कर्त्तव्य
अनुच्छेद 52	**भारत का राष्ट्रपति**
अनुच्छेद 53	संघ की कार्यपालिका शक्ति
अनुच्छेद 54	राष्ट्रपति का निर्वाचन
अनुच्छेद 55	राष्ट्रपति के निर्वाचन की रीति
अनुच्छेद 56	राष्ट्रपति की पदावधि
अनुच्छेद 57	पुनः निर्वाचन के लिए पात्रता
अनुच्छेद 58	राष्ट्रपति निर्वाचित होने के लिए अर्हतांए
अनुच्छेद 59	राष्ट्रपति के पद के लिए शर्तें
अनुच्छेद 60	राष्ट्रपति द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
अनुच्छेद 61	राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने की प्रकिया
अनुच्छेद 62	राष्ट्रपति के रिक्त पद को भरने के लिए निर्वाचन करने का समय और आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित व्यक्ति की पदावधि
अनुच्छेद 63	**भारत का उप राष्ट्रपति**
अनुच्छेद 64	**उप राष्ट्रपति का राज्य सभा का पदेन सभापति होना**
अनुच्छेद 65	राष्ट्रपति के पद की आकस्मिक रिक्ति के दौरान या उसकी अनुपस्थिति में उपराष्ट्रपति का राष्ट्रपति के रूप में कार्य करना या उसके कृत्यो का निर्वहन
अनुच्छेद 66	**उप राष्ट्रपति का निर्वाचन**
अनुच्छेद 67	**उप राष्ट्रपति की पदावधि**
अनुच्छेद 68	उप राष्ट्रपति के पद की रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचन करने का समय और आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित व्यक्ति की पदावधि
अनुच्छेद 69	**उप राष्ट्रपति द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान।**
अनुच्छेद 72	क्षमा आदि की ओर कुछ मामलो में दंडादेश के निलंबन, परिहार या लघुकरण की राष्ट्रपति की शक्ति
अनुच्छेद 73	संघ की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार
अनुच्छेद 74	राष्ट्रपति को सहायता और सलाह देने के लिए मत्रिंपरिषद
अनुच्छेद 75	मंत्रियों के बारे में अन्य उपबंध
अनुच्छेद 76	भारत का महान्यायवादी
अनुच्छेद 77	भारत सरकार के कार्य का संचालन
अनुच्छेद 78	राष्ट्रपति को जानकारी देने आदि के संबध में प्रधानमंत्री के कर्त्तव्य
अनुच्छेद 79	**संसद का गठन**
अनुच्छेद 80	**राज्य सभा की संरचना**
अनुच्छेद 81	**लोकसभा की संरचना**
अनुच्छेद 84	संसद की सदस्यता के लिए अर्हता
अनुच्छेद 85	संसद के सत्र, सत्रावसान और विघटन
अनुच्छेद 86	सदनो में अभिभाषण का और उनको संदेश भेजने का राष्ट्रपति का अधिकार
अनुच्छेद 87	राष्ट्रपति का विशेष अभिभाषण
अनुच्छेद 89	राज्य सभा का सभापति और उपसभापति
अनुच्छेद 90	उपसभापति का पद रिक्त होना, पद त्याग और पद से हटाया जाना
अनुच्छेद 93	लोकसभा का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष
अनुच्छेद 94	अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का पद रिक्त होना, पदत्याग और पद से हटाया जाना

Haldighati Competition Classes Gangapur City

अनुच्छेद 97	सभापति और उपसभापति तथा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन और भत्ते
अनुच्छेद 98	संसद का सचिवालय
अनुच्छेद 99	सदस्यों द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
अनुच्छेद 100	सदनों मे मतदान, रिक्तियों के होते हुए भी सदनो के कार्य करने की शक्ति और गणपूर्ति
अनुच्छेद 107	विधेयको के पुर्नस्थापन और पारित किये जाने के संबध में उपबंध
अनुच्छेद 108	कुछ दशाओ में दोनो सदनो की संयुक्त बैठक
अनुच्छेद 109	धनविधेयको के संबध मे विशेष प्रकिया
अनुच्छेद 110	**धन विधेयक की परिभाषा**
अनुच्छेद 111	विधेयको पर अनुमति
अनुच्छेद 118	प्रकिया के नियम
अनुच्छेद 120	संसद मे प्रयोग की जाने वाली भाषा
अनुच्छेद 123	संसद के विश्राति काल में अध्यायादेश प्रख्यापित करने की राष्ट्रपति की शक्ति
अनु. 124	**उच्चतम न्यायालय की स्थापना और गठन**
अनुच्छेद 125	न्यायाधीशो के वेतन आदि
अनुच्छेद 126	कार्यकारी मुख्य न्यायमूर्ति की नियुक्ति
अनुच्छेद 129	उच्चतम न्यायालय का अभिलेख न्यायालय होना
अनुच्छेद 130	उच्चतम न्यायालय का स्थान
अनुच्छेद 132	कुछ मामलों में उच्च न्यायालय से अपीलों में उच्चतम न्यायालय की अपीली अधिकारिता
अनुच्छेद 138	उच्चतम न्यायालय की अधिकारिता की वृद्धि
अनुच्छेद 141	उच्चतम न्यायालय द्वारा घोषित विधि का सभी न्यायालयों पर आबद्ध कर होना।
अनुच्छेद 142	उच्चतम न्यायालय की डिग्रियों और आदेशों के प्रवर्तन और प्रकृति करण आदि के बारे में आदेश।
अनुच्छेद 143	उच्चतम न्यायालय से परामर्श करने की राष्ट्रपति की शक्ति
अनुच्छेद 144	सिविल और न्यायिक प्राधिकारियों द्वारा उच्चतम न्यायालय की सहायता में कार्य किया जाना।
अनुच्छेद 148	भारत का नियंत्रक महालेखा परीक्षक
अनुच्छेद 149	नियंत्रक–महालेखापरीक्षक के कर्त्तव्य और शक्तियाँ
अनुच्छेद 153	राज्यों के राज्यपाल
अनुच्छेद 154	राज्य की कार्यपालिका शक्ति
अनुच्छेद 155	**राज्यपाल की नियुक्ति**
अनुच्छेद 156	राज्यपाल की पदावधि
अनुच्छेद 157	राज्यपाल नियुक्त होने के लिए अर्हताये
अनुच्छेद 158	राज्यपाल के पद के लिए शर्ते
अनुच्छेद 159	राज्यपाल द्वारा शपथ का प्रतिज्ञान
अनुच्छेद 161	क्षमा आदि की ओर कुछ मामलो में दंड देश के निलंबन, परिहार या लघु करण की राज्यपाल की शक्ति
अनुच्छेद 163	राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रीपरिषद
अनुच्छेद 165	राज्य का महाधिवक्ता
अनुच्छेद 166	राज्य की सरकार के कार्य का संचालन
अनुच्छेद 167	राज्यपाल को जानकारी देने आदि के संबध मे मुख्यमंत्री के कर्त्तव्य
अनुच्छेद 168	राज्यों के विधानमंडलो का गठन
अनुच्छेद 169	राज्यों में विधानपरिषदो का उत्पादन या सजृन
अनुच्छेद 170	विधान सभाओं की संरचना
अनुच्छेद 171	विधान परिषदो की संरचना

Gangapur City

अनुच्छेद 172	राज्यों के विधानमंडलो की अवधि
अनुच्छेद 173	राज्य के विधान मंडल की सदस्यता के लिए अर्हता
अनुच्छेद 174	राज्य के विधान मंडल के सत्र, सत्रावसान और विघटन
अनुच्छेद 175	सदन या सदनो में अभिभाषण का और उनको संदेश भेजने का राज्यपाल का अधिकार
अनुच्छेद 176	राज्य का विशेष अभिभाषण
अनुच्छेद 177	सदनो के बारे में मंत्रियो और महाधिवक्ता के अधिकार
अनुच्छेद 178	विधान सभा का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष
अनुच्छेद 179	अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का पद रिक्त होना, पद त्याग और पद से हटाया जाना
अनुच्छेद 180	अध्यक्ष के पद के कर्त्तव्यो का पालन करने या अध्यक्ष के रूप में कार्य करने की उपाध्यक्ष या अन्य व्यक्ति की शक्ति
अनुच्छेद 181	जब अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को पद से हटाने का कोई संकल्प विचाराधीन है तब उसका पीठासीन न होना।
अनुच्छेद 182	विधान परिषद का सभापति और उपसभापति
अनुच्छेद 183	सभापति और उप सभापति का पद रिक्त होना, पद त्याग और पद से हटाया जाना।
अनुच्छेद 184	सभापति के पद के कर्त्तव्यों का पालन करने या सभापति के रूप में कार्य करने की उपसभापति या अन्य व्यक्ति की शक्ति
अनुच्छेद 186	अध्यक्ष और उपाध्यक्ष तथा सभापति और उपसभापति के वेतन और भत्ते।
अनुच्छेद 187	राज्य के विधानमंडलो का सचिवालय
अनुच्छेद 194	विधान मंडलो के सदनो की तथा उनके सदस्यो और समितियों की शक्तियां, विशेषाधिकार आदि।
अनुच्छेद 195	सदस्यो के वेतन और भत्ते
अनुच्छेद 196	विधेयको के पुरःस्थापन और पारित किये जाने के संबंध में उपबंध।
अनुच्छेद 197	धन विधेयको से भिन्न विधेयको के बारे मे विधानपरिषद की शक्तियों पर निर्बधन।
अनुच्छेद 198	धन विधेयको के संबध में विशेष प्रकिया
अनुच्छेद 199	धन विधेयक की परिभाषा
अनुच्छेद 200	विधेयको पर अनुमति
अनुच्छेद 201	विचार के लिए आरक्षित विधेयक
अनुच्छेद 202	वार्षिक वित्तिय विवरण
अनुच्छेद 203	विधान मंडलो में प्राक्कलनो के संबध में प्रकिया
अनुच्छेद 204	विनियोग विधेयक
अनुच्छेद 205	अनुपूरक, अतिरिक्त या अधिक अनुदान
अनुच्छेद 206	लेखानुदान, प्रत्ययानुदान और अपवादानुदान
अनुच्छेद 207	वित्त विधेयको के बारे मे विशेष उपबंध
अनुच्छेद 210	विधानमंडल में प्रयोग की जाने वाली भाषा
अनुच्छेद 211	विधानमंडलो में चर्चा पर निर्बधन
अनुच्छेद 212	न्यायालयों द्वारा विधानमंडलो की कार्यवाहियों की जांच न किया जाना
अनुच्छेद 213	विधानमंडल के विश्रांतिकाल में अध्यायादेश प्रख्यापित करने की राज्यपाल की शक्ति
अनुच्छेद 214	राज्यों के लिए उच्च न्यायालय
अनुच्छेद 216	उच्च न्यायालयों का गठन
अनुच्छेद 217	उच्च न्यायालय के न्यायधीश की नियुक्ति और उसके पद की शर्ते।
अनुच्छेद 219	उच्च न्यायालयों के न्यायधीशों द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान
अनुच्छेद 220	स्थाई न्यायधीश रहने के पश्चात विधि व्यवसाय पर निबंधन
अनुच्छेद 221	न्यायाधीशो के वेतन आदि
अनुच्छेद 222	किसी न्यायाधीश का एक उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय को अतंरण।
अनुच्छेद 223	कार्यकारी मुख्य न्यायमूर्ति की नियुक्ति।

Haldighati Competition Classes
Gangapur City

अनुच्छेद 224 क	उच्च न्यायालय की बैठक में सेवानिवृत न्यायधीशों की नियुक्ति
अनुच्छेद 224	अपर और कार्यकारी न्यायधीशो की नियुक्ति
अनुच्छेद 229	उच्च न्यायालयों के अधिकारी और सेवक तथा व्यय।
अनुच्छेद 230	उच्च न्यायालयों की अधिकारिता का संघ राज्य क्षेत्रों पर विस्तार।
अनुच्छेद 231	दो या अधिक राज्यों के लिए एक ही उच्च न्यायालय की स्थापना।
अनुच्छेद 233	जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति।
अनुच्छेद 234	न्यायिक सेवा में जिला न्यायधीशों से भिन्न व्यक्तियों की भर्ती।
अनुच्छेद 235	अधीनस्थ न्यायलयों पर नियंत्रण।
अनुच्छेद 237	कुछ वर्ग या वर्गो के मजिस्ट्रेटो पर इस अध्याय के उपबंधों का लागू होना।
अनुच्छेद **243**	**पंचायत की परिभाषा**
अनुच्छेद 243 क	ग्राम सभा
अनुच्छेद 243 ख	पंचायतों का गठन
अनुच्छेद 243 ग	पंचायतो की संरचना
अनुच्छेद 243 घ	स्थानो का आरक्षण
अनुच्छेद 243 ङ	पंचायतो की अवधि, आदि
अनुच्छेद 243 च	सदस्यता के लिए निरर्हताएं
अनुच्छेद 243 छ	पंचायतो की शक्तियां, प्राधिकार और उत्तदायित्व
अनुच्छेद 243 ज	पंचायतो द्वारा कर अधिरोपित करने की शक्तियां और उनकी निधियां
अनुच्छेद 243 झ	वित्तिय स्थिति के पुनर्विलोकन के लिए वित्त आयोग का गठन
अनुच्छेद 243 ञ	पंचायतों के लेखाओ की संपरीक्षा
अनुच्छेद 243 ट	पंचायतों के लिए निर्वाचन
अनुच्छेद 243 ठ	संघ राज्य क्षेत्रो को लागू होना
अनुच्छेद 243 ड	इस भाग का कतिपय क्षेत्रो को लागू न होना।
अनुच्छेद 243 ढ	विद्वान विधि और पंचायतों का बना रहना।
अनुच्छेद 243 ण	निर्वाचन संबधी मामलो में न्यायालयों के हस्तक्षेप का वर्जन
अनुच्छेद 243 थ	नगरपालिकाओ का गठन
अनुच्छेद 243 द	नगरपालिकाओ की संरचना
अनुच्छेद 243 प	नगरपालिकाओ की अवधि
अनुच्छेद 243 फ	सदस्यता के लिए निरर्हताएं
अनुच्छेद 243 ब	नगरपालिकाओ, आदि की शक्तियां, प्राधिकार और उत्तरदायित्व
अनुच्छेद 244	अनुसूचित क्षेत्रो और जनजाति क्षेत्रों का प्रशासन
अनुच्छेद 260	भारत के बाहर के राज्य क्षेत्रो के संबध में संघ की अधिकारिता
अनुच्छेद 261	सार्वजनिक कार्य, अभिलेख और न्यायिक कार्यवाहिया
अनुच्छेद 266	भारत और राज्यों के संचित निधियाँ और लोकलेखे
अनुच्छेद 267	'आकस्मिकता निधि'
अनुच्छेद 280	**वित्त आयोग**
अनुच्छेद 281	वित्त आयोग की सिफारिशे
अनुच्छेद 292	भारत सरकार द्वारा उधार लेना
अनुच्छेद 293	राज्यों द्वारा उधार लेना
अनुच्छेद 300 क	विधि के प्राधिकार के बिना व्यक्तियों का संपत्ति से वंचित न किया जाना
अनुच्छेद 307	अनुच्छेद 301 से अनुच्छेद 304 के प्रयोजनों को कार्यन्वित करने के लिए प्राधिकारी की नियुक्ति

अनुच्छेद 310	संघ या राज्य की सेवा करने वाले व्यक्तियों की पदावधि
अनुच्छेद 311	संघ या राज्य के अधीन सिविल हैसियत मे नियोजित व्यक्तियो का पदच्यूत किया जाना, पद से हटाया जाना या पंक्ति मे अवनत किया जाना।
अनुच्छेद 312	अखिल भारतीय सेवाएं
अनुच्छेद 312 क	कुछ सेवा के अधिकारियो की सेवा की शर्तो मे परिवर्तन करने या उन्हे प्रतिसंहत करने की संसद की शक्ति
अनुच्छेद 313	संक्रमण कालीन उपबंध
अनुच्छेद 317	लोकसेवा आयोग के किसी सदस्य का हटाया जाना और निलंबित किया जाना
अनुच्छेद 318	आयोग के सदस्यो और कर्मचारीवृंद की सेवा की शर्तो के वारे मे विनियम बनाने की शक्ति
अनुच्छेद 319	आयोग के सदस्यो द्वारा ऐसे सदस्य न रहने पर पद धारण करने के संबध में प्रतिषेध
अनुच्छेद 320	लोकसेवा आयोगो के कृत्य
अनुच्छेद 325	धर्म, मूल वंश, जाति या लिंग के आधार पर किसी व्यक्ति का निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किये जाने के लिए अप्रात्र न होना और उसके द्वारा किसी विशेष निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किये जाने का दावा न किया जाना।
अनुच्छेद 326	लोकसभा और राज्यो की विधानसभाओ के लिए निर्वाचनो का व्यस्क मताधिकार के आधार पर होना।
अनुच्छेद 327	विधानमंडलो के लिए निर्वाचनो के संबध में उपबंध करने की संसद की शक्ति
अनुच्छेद 330	लोकसभा में अनुसूचित जातिया और अनुसूचित जनजातिया के लिए स्थानो का आरक्षण
अनुच्छेद 331	लोकसभा में आंग्ल भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व
अनुच्छेद 332	राज्यों की विधानसभाओ में अनुसूचित जातियो और अनुसूचित जनजातियों के लिए स्थानो का आरक्षण
अनुच्छेद 333	राज्यों की विधान– सभाओ में आंग्ल भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व
अनुच्छेद 334	स्थानो के आरक्षण और विशेष प्रतिनिधित्व का पचास वर्ष के पश्चात न रहना
अनुच्छेद 338	अनुसूचित जातियो अनुसूचित जनजातियों आदि के लिए विशेष अधिकारी
अनुच्छेद 339	अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के बारे में संघ का नियंत्रण
अनुच्छेद 340	पिछड़े वर्गो की दशाओ के अन्वेषण के लिए आयोग की नियुक्ति
अनुच्छेद 341	अनुसूचित जातियाँ
अनुच्छेद 342	अनुसूचित जनजातियाँ
अनुच्छेद 343	**संघ की राजभाषा**
अनुच्छेद 344	राजभाषा के संबध में आयोग और संसद की समिति
अनुच्छेद 345	राज्य की राजभाषा या राजभाषाएं
अनुच्छेद 346	एक राज्य और दूसरे राज्य के बीच या किसी राज्य और संघ के बीच पत्रादि की राजभाषा
अनुच्छेद 348	उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में और अधिनियमों , विधेयको आदि के लिए प्रयोग की जाने वाली भाषा
अनुच्छेद 351	हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देश
अनुच्छेद 352	आपात की उदघोषणा
अनुच्छेद 356	राज्यों में सांविधानिक तंत्र के विफल हो जाने की दशा में उपबंध
अनुच्छेद 360	वित्तिय आपात के बारे में उपबंध
अनुच्छेद 368	संविधान का संशोधन करने की संसद की शक्ति और उसके लिए प्रकिया
अनुच्छेद 370	**जम्मू कश्मीर राज्य के संबध में अस्थाई उपबंध**
अनुच्छेद 371	महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों के संबध मे विशेष उपबंध
अनुच्छेद 371 क	नागालैण्ड राज्य के संबध में विशेष उपबंध
अनुच्छेद 371 ख	असम राज्य के संबध में विशेष उपबंध
अनुच्छेद 371 ग	मणिपुर राज्य के संबध में विशेष उपबंध
अनुच्छेद 371 घ	आंध्रप्रदेश राज्य के संबध में विशेष उपबंध
अनुच्छेद 371 ड	सिक्किम राज्य के संबध में विशेष उपबंध

Gangapur City

अनुच्छेद 371 छ	मिजोरम राज्य के संबध में विशेष उपबंध
अनुच्छेद 371 ज	अरूणाचल प्रदेश राज्य के संबध में विशेष उपबंध
अनुच्छेद 371 झ	गोवा राज्य के संबध में विशेष उपबंध
अनुच्छेद 377	भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक के बारे में उपबंध
अनुच्छेद 378	लोकसेवा आयोगो के बारे मे उपबंध
अनुच्छेद 378 क	आंध्रप्रदेश विधानसभा की अवधि के बारे में विशेष उपबंध
अनुच्छेद 393	संक्षिप्त नाम
अनुच्छेद 394	प्रारंभ
अनुच्छेद 394 क	हिन्दी भाषा मे प्राधिकृत पाठ
अनुच्छेद 395	निरसित

❊ प्रमुख संशोधन ❊

- **प्रथम संशोधन, 1951** में समानता, स्वतंत्रता तथा सम्पत्ति के मौलिक अधिकार से संबंधित अड़चनों से निपटने के लिए किया गया। इस संशोधन द्वारा शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र में पिछड़ी जातियों से विशेष व्यवहार का प्रावधान किया गया तथा **संविधान में नवीं अनुसूची जोड़ दी गई**। इस अनुसूची में दिए गए अधिनियमों को न्यायपालिका द्वारा चुनौती दी जा सकती है।
- **5वां संशोधन, 1955** में राज्यों के क्षेत्रों व सीमाओं को प्रभावित करने वाले किसी भी केन्द्रीय कानून के बारे में मत व्यक्त करने की समय सीमा निश्चित करने का अधिकार राष्ट्रपति को प्रदान किया।
- **7वां संशोधन, 1956** में राज्य पुनर्गठन आयोग (States Reorganisation Commission) का गठन भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन संबंधी सिफारिशों को लागू करने के उद्देश्य से किया गया। इस संशोधन द्वारा संविधान की प्रथम व चौथी अनुसूची में भी कुछ परिवर्तन किए गए।
- **10वां संशोधन,** द्वारा जो कि 1961 में हुआ, दादर तथा नगर हवेली के क्षेत्रों को भारत के संघ में सम्मिलित किया गया।
- **12वां संशोधन, 1962** द्वारा गोवा, दमन तथा दीव के क्षेत्रों को भारत के संघ में सम्मिलित किया गया।
- **13वां संशोधन, 1962** द्वारा नागालैण्ड के लिए विशेष प्रावधान जोड़ गए तथा उसे राज्य का रुतबा प्रदान किया गया।
- **14वां संशोधन, 1963** द्वारा भूतपूर्व फ्रांसीसी क्षेत्र पांडिचेरी को भारत के संघ में सम्मिलित किया गया। इस संशोधन द्वारा संघीय क्षेत्र हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गोवा, दमन और दीव तथा पांडिचेरी में विधानमंडल तथा मंत्री परिषद प्रदान किए गए।
- **15वां संशोधन, 1963** द्वारा उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की अवकाश प्राप्ति की आयु को 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष कर दिया तथा अवकाश प्राप्त न्यायाधीशों की उच्च न्यायालय में नियुक्ति का प्रावधान किया गया।
- **16वां संशोधन, 1963** द्वारा देश की प्रभुता तथा अखंडता के हित में नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर कुछ प्रतिबंध लगाए गए। इस संशोधन द्वारा संविधान की तीसरी अनुसूची में दिए गए शपथ के फार्म में परिवर्तन किया गया तथा इसमें यह शब्द जोड़ दिए गए ''मैं भारत की प्रभुता तथा अखंडता अक्षुण्ण रखूंगा।''
- **18वां संशोधन, 1966** द्वारा पंजाब का पुनर्गठन किया गया तथा इसे भाषा के आधार पर दो राज्यों–पंजाब तथा हरियाणा में विभक्त किया गया। इस संशोधन द्वारा कुछ क्षेत्र हिमाचल प्रदेश को भी स्थानांतरित किए गए तथा संघीय राज्य चंडीगढ़ की स्थापना की गई।
- **19वां संशोधन, 1966** द्वारा चुनाव आयोग की शक्तियों में परिवर्तन किया गया तथा उच्च न्यायालय को चुनाव संबंधी याचिकाएं सुनने का अधिकार प्रदान किया गया।
- **20वां संशोधन, 1966** द्वारा उन सभी जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति, पदोन्नति और उनके द्वारा दिए गए निर्णयों को वैध घोषित कर दिया भले ही वह संविधान के अनुच्छेद 233 अथवा 235 के विपरीत रहे हों। यह प्रावधान उच्च न्यायालय द्वारा निम्न अदालतों पर नियंत्रण इत्यादि से संबंधित है।
- **24वां संशोधन, 1971** द्वारा संसद के संविधान में, मौलिक अधिकारों सहित सभी भागों में संशोधन करने के अधिकार को पुनः दोहराया गया। इस संशोधन द्वारा स्पष्ट कर दिया गया कि संशोधन पर राष्ट्रपति की स्वीकृति स्वाभाविक (Automatic) मानी जाएगी। इस प्रकार इस संशोधन द्वारा संसद पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गोलक नाथ के मामले में दिए गए निर्णय के फलस्वरूप लगाए गए उस प्रतिबंध को समाप्त करने का प्रयास किया गया जिसके अन्तर्गत संसद को संविधान में संशोधन करने के अधिकार से वंचित किया गया था।

- **26 1971** द्वारा भूतपूर्व देशी रियासतों के शासकों की उपाधियों व विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया गया।
- **28 वां संशोधन,1971** द्वारा आई.सी.एस. अधिकारियों के विशेष अधिकारों तथा सुविधाओं को समाप्त कर दिया गया तथा संसद को उनकी सेवा शर्तें निर्धारित करने का अधिकार प्रदान किया गया।
- **31वां संशोधन, 1973** द्वारा लोकसभा की सीटें 525 से बढ़ा कर 545 कर दी गई तथा संघीय क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की संख्या 25 से घटा कर 20 कर दी गई।
- **33वां संशोधन, 1974** द्वारा संसद व राज्य विधान सदस्यों द्वारा दबाव में आकर अथवा जबरदस्ती में दिए गए त्यागपत्रों को अस्वीकार करने का अधिकार सदन के अध्यक्ष को दिया गया। वह इन त्यागपत्रों को तभी स्वीकार करेंगे यदि वह स्वेच्छा से दिए गए हैं तथा वास्तविक हैं।
- **36वां संशोधन, 1975** द्वारा सिक्किम को एक पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान किया गया।
- **38वां संशोधन, 1975** ने प्रावधान किया कि राष्ट्रपति, राज्यपाल तथा संघीय क्षेत्रों के प्रशासन अध्यक्षों द्वारा की गई संकटकाल घोषणा मानी जाएगी तथा उसे किसी कानूनी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। इस संशोधन द्वारा राष्ट्रपति को अधिकार प्रदान किया गया कि वह विभिन्न आधारों पर संकटकाल की घोषणा कर सकता है।
- **41वां संशोधन, 1976** द्वारा राज्य के लोक सेवा आयोग के सदस्यों के अवकाश प्राप्त करने की आयु को 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष कर दिया गया।
- **42वां संशोधन, 1976** संविधान का सबसे विस्तृत संशोधन तथा इसके द्वारा बहुत से महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए। इस संशोधन द्वारा किए गए कुछ परिवर्तन इस प्रकार थे–

  (i) इस संशोधन ने संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' तथा 'धर्म–निरपेक्ष' शब्द जोड़े।

  (ii)इसने प्रावधान किया कि नीति–निर्देशक सिद्धान्तों को कार्यांवित करने के लिए बनाए गए कानून को न्यायपालिका इस आधार पर असंवैधानिक घोषित नहीं करेगी कि इससे किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन हुआ है।

  (iii) इसके द्वारा संविधान में 10 मौलिक कर्त्तव्यों की सूची जोड़ी गई।

  (iv) इसने संविधान के संशोधन के मामले में संसद के प्रभुत्व को स्वीकारा।

  (v) इसने उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय की परमादेश (लेख) जारी करने तथा न्यायिक पुनर्विलोकन की शक्तियों को सीमित करने का प्रयास किया।

  (vi) इसने 1971 की जनगणना के आधार पर संसद तथा विधानसभा की सीटों को 2001 तक सीमित कर दिया।

  (vii) संशोधन द्वारा लोकसभा व विधान सभाओं का कार्यकाल पांच वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया गया।

  (viii) इसके द्वारा राष्ट्रपति के लिए मंत्री परिषद के परामर्श पर कार्य करना अनिवार्य बना दिया गया।

  (ix) इस संशोधन के द्वारा वन, शिक्षा, जनसंख्या नियंत्रण इत्यादि विषयों को राज्य सूची से समवर्ती सूची में स्थानांतरित कर दिया गया।

  (x) गति व मजबूती से न्याय प्रदान करने के उद्देश्य से प्रशासनिक अधिकरणों की स्थापना की गई।

  (xi) कानून व व्यवस्था की गम्भीर स्थिति से निपटने के लिए संघीय सरकार को किसी भी राज्य में सशस्त्र सेनाओं को तैनात करने का अधिकार प्रदान किया गया।

  (xii) संसद को राष्ट्र–विरोधी गतिविधियों से निपटने के लिए कानून बनाने का अधिकार प्रदान किया गया। इस प्रकार संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को मौलिक अधिकारों पर प्राथमिकता प्रदान की गई।
- **44वां संशोधन, 1978** द्वारा 42वें संशोधन द्वारा किए गए परिवर्तनों को समाप्त कर दिया गया। इसने संकटकाल प्रावधानों में इस उद्देश्य से परिवर्तन किए कि भविष्य में उनका दुरुपयोग न हो सके। इस संशोधन ने उच्च न्यायालय तथा सर्वोच्च न्यायालय को वह शक्तियां व कार्यक्षेत्र फिर से बहाल कर दिया जो उन्हें 42वें संशोधन से पूर्व प्राप्त थीं। इसने **सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटा** दिया। इसने केन्द्र सरकार को गम्भीर स्थिति से निपटने के लिए सशस्त्र सेनाएं भेजने के अधिकार से वंचित कर दिया
- **52वां संशोधन, 1985** द्वारा जो कि संसद में एक मत से पारित किया गया, राजनैतिक दल–बदल को रोकने का प्रयास किया गया। इस संशोधन के अनुसार किसी भी संसद अथवा राज्य विधान सभा के सदस्य को अयोग्य घोषित किया जा सकता है यदि वह उस दल को जिसके टिकट पर उसने चुनाव लड़ा है, छोड़ देता है। परन्तु इस संशोधन के अन्तर्गत यह व्यवस्था की गई कि सदस्यों का समूह दल छोड़ सकता है तथा दल में विभाजन कर सकता है। इस संशोधन द्वारा संविधान में एक नई अनुसूची (दसवीं) जोड़ी गई जिसमें दल–बदल के आधार पर सदस्यों को अयोग्य घोषित करने का प्रावधान है।
- **59वां संशोधन, 1988** ने संघीय सरकार और पंजाब में राष्ट्रपति शासन की अवधि को दो वर्ष और बढ़ाने का अधिकार प्रदान किया। इसने केन्द्र सरकार को पंजाब में आन्तरिक गड़बड़ी के आधार पर आपातकाल की घोषणा करने का अधिकार दिया। यहां यह स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि

1978 में 44वें संशोधन द्वारा केन्द्र को इस शक्ति से वंचित कर दिया गया था।

- **61वां संशोधन, 1989** ने लोक सभा व राज्य सभा के चुनाव के लिए मतदान की आयु को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दिया।
- **69वां संशोधन,1991** द्वारा दिल्ली में एक 70 सदस्यीय विधान सभा तथा 7 सदस्यीय मंत्री परिषद की व्यवस्था की गई तथा इसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र घोषित कर दिया गया।
- **70वां संशोधन, 1992** द्वारा पांडिचेरी की विधान सभा तथा दिल्ली की प्रस्तावित विधान सभा के सदस्यों को राष्ट्रपति के चुनाव में भाग लेने का अधिकार प्रदान किया गया।
- **73वां संशोधन,1994** द्वारा ग्राम तथा अन्य स्तरों पर ग्रामीण पंचायते स्थापित करने का संवैधानिक आश्वासन दिया गया। पंचायत की सभी सीटों का निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से कराने की व्यवस्था तथा अनुसूचित जातियों व जनजातियों के लिए स्थान सुरक्षित करने इत्यादि की व्यवस्था की गई। संशोधन द्वारा पंचायत की अवधि 5 वर्ष निश्चित की गई और अवधि पूरी होने पर इसके अनिवार्य रूप से चुनाव करने की व्यवस्था की गई। इस संशोधन द्वारा संविधान में 11वीं अनुसूची जोड़ी गई जिसमें 29 विषय हैं, जिन पर पंचायत का प्रशासनिक नियंत्रण होगा।
- **74वां संशोधन, 1994** द्वारा संविधान में शहरी स्थानीय संस्थाओं से सम्बन्धित एक नया भाग जोड़ा गया। इस भाग में नगर पालिकाओं के गठन, चुनावों, अवधि, शक्तियों तथा उत्तरदायित्व का उल्लेख किया गया। प्रत्येक नगरपालिका में अनुसूचित जातियों, जनजातियों, स्त्रियों तथा पिछड़े वर्गों के लिए स्थान सुरक्षित किए गए। इस संशोधन द्वारा संविधान में 12वीं अनुसूची जोड़ी गई जिसमें कुल 18 विषय हैं जिन पर नगरपालिकाओं का पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण है।
- **75वां संशोधन, 1994** द्वारा संविधान के अनुच्छेद 223–ख में परिवर्तन किया गया। इस संशोधन द्वारा मकान मालिक तथा किराएदारों से सम्बन्धित मुकदमों की सुनवाई के लिए एक न्यायाधिकरण स्थापित करने की व्यवस्था की गई।
- **77वां संशोधन, 1995** ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मंडल कमीशन के मामले में दिए गए उस निर्णय के प्रभाव को समाप्त कर दिया जिसमें न्यायालय ने मत व्यक्त किया था कि पदोन्नति के मामले में संरक्षण नहीं किया जा सकता। संशोधन ने अनुच्छेद 16 में धारा 4(क) जोड़ दी जिसके अन्तर्गत राज्य को सरकारी पदों में उन्नति के मामले में अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के लिए स्थान सुरक्षित रखने का अधिकार मिल गया।
- **78वां संशोधन, 1995** द्वारा विभिन्न राज्यों द्वारा पारित 28 भूमि सुधार अधिनियमों को संविधान की नवीं अनुसूची में जोड़ दिया गया ताकि उन्हें अदालत में चुनौती न दी जा सके। इन अधिनियमों को नवीं सूची में जोड़े जाने के पश्चात् इन अधिनियमों की कुल संख्या 284 हो गई।
- **82वां संशोधन, 2000** द्वारा अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जनजातियों के लिए किए गए पदों में नियुक्ति व उन्नति के लिए प्राप्त अंकों में छूट को बहाल कर दिया गया। इससे पहले 1996 में सर्वोच्च न्यायालय ने एक निर्णय द्वारा इस छूट को इस आधार पर रद्द कर दिया था कि संविधान के अनुच्छेद 335 द्वारा दिए गए आदेश के कारण अनुच्छेद 16(4) के अन्तर्गत संरक्षण सम्भव नहीं है।
- **83वां संशोधन, 2000** द्वारा अनुच्छेद 243–ड के अन्तर्गत अरुणाचल प्रदेश को छूट दी गई कि वह ग्रामीण पंचायतों में अनुसूचित जातियों के लिए स्थान सुरक्षित करने के लिए बाध्य नहीं है क्योंकि उस राज्य में इस सामाजिक वर्ग का कोई व्यक्ति नहीं है। इसके स्थान पर संशोधन द्वारा इसमेंएक नई धारा (3A) जोड़ दी गई जिसमें व्यवस्था थी कि सीटों के संरक्षण से संबंधित अनुच्छेद 343 अरुणाचल प्रदेश पर लागू नहीं होगा।
- **84वां संशोधन, 2001** द्वारा लोक सभा व विधान सभाओं के सदस्यों की संख्या को वर्तमान सदस्य संख्या पर आने वाले 25 वर्षों (यानि कि 2026) तक सीमित कर दिया गया।
- **85वां संशोधन, 2002** द्वारा सरकारी सेवा में रत अनुसूचित जातियों व जनजातियों के कर्मचारियों को 1995 के आरक्षण नियमों के अनुसार पदोन्नति के लाभ प्रदान किए। इस संशोधन ने अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जनजातियों के सरकारी, कर्मचारियों को आरक्षण नियमों के अन्तर्गत 'अनुवर्ती वरिष्ठता' के आधार पर पदोन्नति देने की व्यवस्था की।
- **86वां संशोधन, 2002** द्वारा निशुल्क व अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा को एक मौलिक अधिकार घोषित किया गया। इस संशोधन द्वारा प्रावधान किया गया कि सरकार 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए निशुल्क व अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था करेगी। इसके अतिरिक्त माता–पिता को भी बाध्य किया गया कि वह अपने बच्चों को स्कूल भेजें। इस उद्देश्य से इसे संविधान के मौलिक कर्त्तव्यों की सूची में जोड़ दिया गया। इसके अतिरिक्त संशोधन ने राज्य को आदेश दिया कि जब तक शिशु 6 वर्ष के नहीं हो जाते उनकी प्रारम्भिक देखभाल और शिक्षा सुनिश्चित करना उसका उत्तरदायित्व होगा।
- **87वां संशोधन, 2003** ने लोकसभा तथा राज्यों की विधानसभा के निर्वाचन क्षेत्रों को 2001 की जनगणना के आधार पर सीमांकन करने का निर्णय लिया। इस संशोधन द्वारा चुनाव क्षेत्रों को, जिसमे अनुसूति जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के सुरक्षित क्षेत्र भी सम्मिलित हैं, 2001 की जनगणना के आधार पर समायोजन करने की व्यवस्था की गई। परन्तु ऐसा करते समय राज्यों की विधायिकाओं में प्रदान की गई सीटों की संख्या में कोई परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी गई।

- **89वां संशोधन, 2003** द्वारा अनुसूचित जनजातियों के लिए एक राष्ट्रीय आयोग का गठन करने का प्रयोजन किया गया। इस आयोग में एक सभापति, एक उप–सभापति तथा तीन अन्य सदस्य होंगे जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी।
- **91वां संशोधन, 2003** दल–बदल करने वाले सदस्यों द्वारा सार्वजनिक पद जैसे कि मंत्री तथा अन्य वैतनिक राजनीतिक पद पर बने रहने पर विधानसभा की शेष अवधि अथवा नए चुनाव हो जाने तक प्रतिबन्ध लगाता है। इस संशोधन ने केन्द्र तथा राज्य स्तर की मंत्री परिषद की सीमा को संसद अथवा विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत तक रखने का प्रावधान किया। परन्तु छोटे राज्य जैसे सिक्किम, मिजोरम तथा गोवा जिनकी विधान सभाओं की संख्या 32 से 40 तक है, की मंत्री परिषदों की संख्या जिसमें मुख्य मंत्री भी शामिल है, 12 निर्धारित की गई है।
- **92वां संशोधन, 2003** द्वारा संविधान की आठवीं अनुसूची में चार नई भाषाऐं–बोडो, डोगरी, मैथिली तथा संथाली–सम्मिलित की गई। इसके फलस्वरूप आठवीं अनुसूची में दी गई कुल भाषाओं की संख्या 22 हो गई।
- **104वां संशोधन, 2006** द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति के उम्मीदवारों के लिए निजी क्षेत्र में आरक्षण का प्रावधान किया गया।
- **110वां संशोधन, 2008** द्वारा पांडिचेरी का नाम पुदुचेरी प्रस्तावित किया गया।
- **113वां संशोधन, 2011** द्वारा पांडिचेरी तथा असम का नाम परिवर्तन किया गया।
- **117वां संशोधन, 2013** जनलोकपाल विधेयक को अंतिम संस्तुति

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न

गीत 'जन-गण-मन' को भारत के राष्ट्र गान के रूप में किस वर्ष स्वीकृत किया गया था?

(a) 1947 में (b) 1949 में (c) 1950 में (d) 1951 में **(c)**

भारत का राष्ट्रगान सबसे पहले गाया गया था।

(a) 1912 में (b) 1919 में (c) 1929 में (d) 1911 में **(d)**

भारत का अन्तिम अंग्रेज वायसराय कौन था?

(a) लॉर्ड कर्जन (b) लॉर्ड वैवेल (c) लॉर्ड माउण्टबेटन (d) लॉर्ड इरविन **(c)**

संविधान सभा के सदस्यों ने भारत के संविधान का प्रारूप तैयार किया, वे थे-

(a) ब्रिटिश संस्था द्वारा नामित (b) गवर्नर जनरल द्वारा नामित

(c) विभिन्न प्रदेशों की विधान सभाओं से चयनित (d) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग से चयनित **(c)**

भारत की संविधान सभा के अस्थायी सभापति थे-

(a) श्री सच्चिदानन्द सिन्हा (b) डॉ. राजेन्द्रप्रसाद (c) डा.बी.बार.अम्बेडकर (d) पं. जवाहरलाल **(a)**

संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति के अध्यक्ष कौन थे?

(a) जे.बी. कृपलानी (b) राजेन्द्रप्रसाद (c) जवाहरलाल नेहरू (d) बी.आर.अम्बेडकर **(d)**

संविधान प्रारूप समिति में, अध्यक्ष को मिलाकर....सदस्य शामिल थे-

(a) सात (b) पांच (c) नौ (d) तीन **(a)**

11 दिसम्बर 1946 को किसे संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष चुना गया था?

(a) जवाहरलाल नेहरू (b) डॉ. राजेन्द्रप्रसाद (c) डॉ. बी.आर.अम्बेडकर (d) के. एम. मुन्शी **(b)**

संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता निम्नलिखित में से किसने की थी?

(a) राजेन्द्रप्रसाद (b) डॉ. बी.आर.अम्बेडकर (c) डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा (d) इनमें से कोई नही **(c)**

पाकिस्तान और बांग्लादेश भारत के अंग कब तक थे?

(a) 1971 (b) 1942 (c) 1945 (d) 1947 **(d)**

भारतीय संविधान है-

(a) बहुत ही कठोर (b) कठोर

(c) लचीला (d) अंशतः कठोर और अंशतः लचीली **(d)**

भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, इसका तात्पर्य है-

(a) सभी नागरिक कानून के सामने समान हैं (b) उसका कोई राज्य स्तर पर धर्म नही है

(c) सभी वयस्कों को चुनावों में वोट देने का अधिकार है (d) सभी नागरिकों को भाषण देने की स्वतंत्रता है **(b)**

जुलाई, 1946 में बनी संविधान सभा (कांस्टीट्यूएंट असेम्बली)के सदस्यों में से निम्नलिखित में से कौन नही था?

Hadighati Competition Classes Gangapur City

(a) वल्लभभाई पटेल (b) के.एम. मुन्शी (c) जे.बी. कृपलानी (d) महात्मा गांधी **(d)**

✦ **'गणतंत्र' होता है-**

(a) केवल एक लोकतांत्रिक राज्य (b) अध्यक्षीय पद्धति शासन वाला राज्य

(c) संसदीय पद्धति शासन वाला राज्य (d) राज्य, जहां पर अध्यक्ष वंशागत रूप से न हो **(d)**

✦ **संविधान सभा की पहली बैठक कब हुई थी?**

(a) 9 दिसम्बर 1947 (b) 9 दिसम्बर 1946 (c) 26 जनवरी 1947 (d) 26 जनवरी 1946 **(b)**

✦ **कैबिनेट मिशन प्लान के अधीन बनी संविधान सभा मे कितने सदस्य थे?**

(a) 389 सदस्य (b) 411 सदस्य (c) 289 सदस्य (d) 487 सदस्य **(a)**

✦ **भारत की संविधान निर्मात्री सभा में संवैधानिक सलाहकार कौन था?**

(a) एम.सी. शीतलवाड़ (b) के.एम. मुन्शी (c) जवाहरलाल नेहरू (d) बी.एन. राव **(d)**

✦ **भारत का संविधान कब लागू हुआ था?**

(a) 9 अगस्त 1942 (b) 15 अगस्त 1947 (c) 26 नवम्बर 1949 (d) 26 जनवरी 1950 **(d)**

✦ **स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री कौन थे?**

(a) जवाहरलाल नेहरू (b) वल्लभभाई पटेल

(c) मौलाना अबुल कलाम आजाद (d) डॉ. बी. आर. अम्बेडकर **(d)**

✦ **भारतीय संविधान के ऊपर सबसे अधिक किसका प्रभाव पड़ा है?**

(a) भारत सरकार अधिनियम, 1935 (b) यू. एस. संविधन

(c) ब्रिटिश संविधन (d) यू. एन. चार्टर **(a)**

✦ **किस देश ने सबसे पहले विश्व को लिखित संविधान दिया?**

(a) अमेरिका (b) ब्रिटेन (c) ऑस्ट्रेलिया (d) रूस **(a)**

✦ **विश्व में लिखित संविधान किस देश का सबसे विस्तृत है?**

(a) चीन (b) अमेरिका (c) जापान (d) भारत **(d)**

✦ **सर्वोच्च न्यायालय ने किस मुकदमें में यह बनाऐ रखा कि प्रस्तावना संविधान का भाग नही है?**

(a) बेरूबारी मुकदमा (b) गोलकनाथ मुकदमा

(c) केशवानन्द भारती मुकदमा (d) उपरोक्त किसी में नही **(c)**

✦ **स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का पहली बार विभाजन कब हुआ?**

(a) 1969 (b) 1956 (c) 1971 (d) 1973 **(a)**

✦ **भारतीय शासन व्यवस्था में एक प्रतिनिधि एवं लोकप्रिय घटक को समाविष्ट करने का प्रथम प्रयास किसके द्वारा किया गया?**

(a) भारतीय परिषद एक्ट 1861 (b) भारतीय परिषद एक्ट 1892

(c) भारतीय परिषद एक्ट 1909 (d) भारतीय परिषद एक्ट 1919 **(a)**

✦ **निम्नलिखित में से कौन सा भारत में समस्त ब्रिटिश संवैधानिक प्रयोगों में से सबसे अल्पकालिक सिद्ध हुआ?**

(a) गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया एक्ट, 1919 (b) द इण्डियन कौंसिल्स एक्ट, 1909

(c) पिट्स इण्डिया एक्ट, 1784 (d) गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया एक्ट, 1935 **(c)**

✦ **विभिन्न धार्मिक सम्प्रदायों तथा अन्य दलों द्वारा प्रकाशित की गई अलगाववादी प्रभा निम्नलिखित में से किसका विशिष्ट लक्षण था?**

(a) भारतीय परिषद, अधिनियम, 1861 (b) भारत सरकार अधिनियम, 1919

(c) भारत सरकार अधिनियम, 1935 (d) भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 **(b)**

✦ **निम्नलिखित में से किसका सबसे अधिक प्रभाव भारतीय संविधान के आपातकालीन उपबंध के ऊपर है?**

(a) भारत सरकार के अधिनियम 1936 (b) जर्मनी का बीमर संविधान

(c) संयुक्त राज्य अमेरिका का संविधान (d) कनाडा का संविधान **(b)**

✦ **संविधान की प्रारूप समिति के समक्ष प्रस्तावना को किसने प्रस्तावित किया था?**

(a) बी.आर.अम्बेडकर (b) बी.एन. राव (c) महात्मा गांधी (d) नेहरू **(d)**

✦ **प्रस्तावना में उपयोग किए गए शब्द 'समाजवाद' और 'धर्मनिरपेक्ष'-**

(a) मूल प्रस्तावना के भाग थे (b) 29वें संशोधन द्वारा जोड़े गऐ थे

(c) 42वें संशोधन द्वारा जोड़े गऐ थे (d) 44वें संशोधन द्वारा जोड़े गऐ थे **(c)**

✦ **निम्नलिखित में से कौन भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य बताता है?**

(a) मूल अधिकार (b) नवीं अनुसूची

(c) निदेशक सिद्धांत (d) संविधान की प्रस्तावना **(d)**

✦ **वर्ष 1947 के बाद निम्नलिखित में से किस राज्य को भारत के संघ के साथ बलपूर्वक मिलाया गया?**

(a) हैदराबाद (b) कश्मीर (c) पटियाला (d) मैसूर **(a)**

✦ **देशी रियासतों के एकीकरण का श्रेय किसको जाता है?**

(a) सी. राजगोपालाचारी (b) डॉ. राजेन्द्रप्रसाद (c) सरदार पटेल (d) सुभाषचन्द्र बोस **(c)**

✦ **भारतीय प्रशासनिक ढांचा का मॉडल निम्नलिखित में से किस देश से लिया गया है**

(a) अमेरिका (b) ग्रेट ब्रिटेन (c) रूस (d) कनाडा **(d)**

✦ **संविधान के निर्माण में निम्न में से कौन सा दल शामिल नही था?**

(a) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (b) मुस्लिम लीग (c) साम्यवादी दल (d) हिन्दू महासभा **(d)**

✦ **अनुच्छेद 14 में कानून की समानता का अधिकार किस देश से लिया गया है?**

(a) यू.एस.ए. (b) ब्रिटेन (c) रूस (d) आस्ट्रेलिया **(b)**

✦ **किसने कहा था- ''राष्ट्र का नीति-निदेशक तत्व ऐसा चेक है जिसे सुविधापूर्वक भुनाया जा सकता है?''**

(a) के.एम.मुन्शी (b) बी.आर.अम्बेडकर (c) के.टी.शाह (d) राजेन्द्र प्रसाद **(c)**

✦ **राष्ट्रगान को कितने समय में गाया जाता है?**

(a) 55 सेकेंड (b) 52 सेकेंड (c) 60 सेकेंड (d) 90 सेकेंड **(b)**

✦ **संविधान के उद्देशिका में क्या वर्णित है?**

(a) समाजवादी धर्म निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य (b) समावादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य

(c) प्रभुत्व सम्पन्न धर्म निरपेक्ष गणराज्य (d) इनमें से कोई नही **(b)**

✦ **भारत की नागरिकता निम्नलिखित में से किस प्रकार से प्राप्त की जा सकती है?**

(a) जन्म से (b) वंशानुक्रम से (c) देशीकरण से (d) उपर्युक्त सभी **(d)**

✦ **भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने से पहले किसी व्यक्ति के लिए न्यूनतम कितने समय तक भारत में रहना अनिवार्य है?**

(a) 3 वर्ष (b) 5 वर्ष (c) 7 वर्ष (d) 10 वर्ष **(d)**

✦ **भारत में कोई विदेशी व्यक्ति कितने वर्ष रहने के बाद वह यहां की नागरिकता के लिए आवेदन कर सकता है?**

(a) 3 वर्ष (b) 5 वर्ष (c) 7 वर्ष (d) 10 वर्ष **(d)**

✦ **ग्राम पंचायत का निर्वाचन कराना निर्भर करता है-**

(a) कलेक्टर (b) चुनाव आयोग (c) केन्द्र सरकार (d) राज्य सरकार **(d)**

✦ **पंचायती राज.....है जो कि निधि (फण्ड) के लिए मुख्यतया.....पर निर्भर है।**

(a) एक प्रशासनिक ढांचा–सरकारी वित्त (b) एक वित्तीय ढांचा–स्थानीय करों

(c) एक भौतिक ढांचा–सम्पदा कर (d) एक प्रशासनिक ढांचा–केन्द्रीय सरकार से आर्थिक अनुदान **(d)**

✦ **निम्नलिखित में से किस अधिकार को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने संविधान का हृदय और आत्मा बताया था?**

(a) धर्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (b) सम्पति का अधिकार

(c) समानता का अधिकार (d) संवैधानिक उपचार का अधिकार **(d)**

✦ **संविधान की आत्मा किसे कहते हैं?**

(a) प्रस्तावना (b) मूल अधिकार (c) मूल कर्तव्य (d) नीति निदेशक तत्व **(a)**

✦ **मूलभूत (मौलिक) अधिकारों का प्रमुख उद्देश्य है-**

Haldighati Competition Classes Gangapur City

(a) समाज के समाजवादी ढांचे को बढावा देना (b) व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सुनिश्चित करना
(c) न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करना (d) उपर्युक्त सभी को सुनिश्चित करना **(b)**

✦ **निम्न में से कौन सा मूलभूत अधिकार नही है?**
(a) समानता का अधिकार (b) संपति का अधिकार (c) शोषण के विरूद्ध अधिकार (d) धर्मिक स्वतंत्रता का अधिकार **(b)**

✦ **भारत के संविधान के अंतर्गत अब कितने मौलिक अधिकारों की गारंटी दी गई है?**
(a) 8 (b) 7 (c) 6 (d) 9 **(c)**

✦ **मौलिक अधिकारों में संशोधन करने के लिए कौन सक्षम है?**
(a) राष्ट्रपति (b) लोक सभा (c) सर्वोच्च न्यायालय (d) संसद **(d)**

✦ **भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर युक्ति युक्त प्रतिबंधों को आरोपित करने की शक्ति किसके पास है?**
(a) उच्चतम न्यायालय (b) संसद (c) राष्ट्रपति (d) प्रधानमंत्री **(b)**

✦ **भारतीय संविधान में राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्तों को शामिल करने के पीछे उद्देश्य क्या था?**
(a) कल्याणकारी राज्य की स्थापना (b) धर्म निरपेक्ष राज्य की स्थापना
(c) सरकार के निरंकुश कार्यो पर नियंत्रण (d) नागरिकों के विकास के लिए सर्वोत्तम अवसर प्रदान करना **(a)**

✦ **'समान नागरिक संहिता' किस राज्य में लागू है?**
(a) जम्मू–कश्मीर (b) नागालैण्ड (c) गोवा (d) मिजोरम **(c)**

✦ **नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता किस अनुच्देद में है?**
(a) 44 (b) 46 (c) 45 (d) 48 **(a)**

✦ **निम्नलिखित में से किस संविधान संशोधन के अन्तर्गत मौलिक कर्तव्यों को शामिल किया गया है?**
(a) 42वें (b) 43वें (c) 44वें (d) 39वें **(a)**

✦ **किसी अनुशंसा पर भारतीय संविधान में मूल कर्तव्यों को जोड़ा गया?**
(a) संथानम रिपोर्ट पर (b) स्वर्णसिंह रिपोर्ट पर (c) अशोक मेहता रिपोर्ट पर (d) इनमें से कोई नही **(b)**

✦ **इनमें से कौन राजकीय भाषा नही हैं?**
(a) कश्मीरी (b) संस्कृत (c) राजस्थानी (d) मैथिली **(c)**

✦ **पंचायती राज का सबसे छोटा अंग है-**
(a) जिला परिषद (b) पंचायत समिति (c) ग्राम (d) ग्राम पंचायत **(d)**

✦ **भारतीय संविधान में 'नीति निदेशक तत्व' को लिया गया है-**
(a) संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से (b) ब्रिटिश संविधान से
(c) आयरलैण्ड के संविधान से (d) ऑस्ट्रेलिया के संविधान से **(c)**

✦ **हमने विश्व के किस राष्ट्र के संविधान से अपने मूल अधिकारों की संकल्पना ग्रहण की है?**
(a) यू.के. (b) कनाडा (c) रूस (d) यू.एस.ए. **(d)**

✦ **निम्नलिखित में से, ब्रिटिश संविधान की किस विशेषता को भारतीय संविधान में शामिल किया गया है?**
(a) संसदीय पद्धति की सरकार (b) विधि का शास (c) विधि निर्माण प्रक्रिया (d) उपरोक्त सभी **(d)**

✦ **मूल संविधान के कौनसे भाग में राज्य लोक कल्याण की संकल्पना सम्मिलित की गई है?**
(a) संविधान प्रस्तावना में (b) संविधान की चौथी अनुसूची में
(c) संविधान की तीसरी अनुसूची में (d) राज्य के नीति–निदेशक तत्व में **(d)**

✦ **अस्पृश्यता का अंत संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा किया गया है?**
(a) 17वें (b) 14वें (c) 24वें (d) 13वें **(a)**

✦ **मौलिक अधिकार को प्रवृत्त कराने के लिए निम्नलिखित रिटों में से कौनसी रिट जारी की जा सकती है?**
(a) बन्दी प्रत्यक्षीकरण (b) परमादेश (c) निषेध (d) उत्प्रेषण लेख **(b)**

✦ **निम्नलिखित में से कौनसा व्यक्तिगत स्वातंत्रय सुनिश्चित करता है?**
(a) परमादेश (b) बन्दी प्रत्यक्षीकरण (c) वारन्टी (d) इनमें से कोई नहीं **(b)**

Gangapur City Competition Classes

✦ **भारत के संविधान का भाग IV..............के बारे में बताता है-**
(a) मूलभूत अधिकार (b) नागरिकता (c) राज्य के नीति निदेशक (d) मूलभूत कर्तव्य **(c)**

✦ **भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में समान न्याय एवं नि:शुल्क विधिक सहायता का प्रावधान है?**
(a) अनुच्छेद–30 (b) अनुच्छेद–39A (c) अनुच्छेद–25 (d) अनुच्छेद–33B **(b)**

✦ **भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में राज्य को ग्राम पंचायत के संगठन का निर्देश दिया गया है?**
(a) अनुच्छेद 32 (b) अनुच्छेद 40 (c) अनुच्छेद 48 (d) अनुच्छेद 78 **(b)**

✦ **पंचायती राज की त्रिस्तरीय समिति का गठन किसके द्वारा किया गया था?**
(a) बलवंत राय समिति (b) अशोक मेहता समिति (c) विश्ववैश्ररया (d) सिंघवी समिति **(a)**

✦ **एक व्यक्ति ग्राम पंचायत की सदस्यता के लिए चुनाव लड़ना चाहता है, उसकी उम्र कितनी होनी चाहिए?**
(a) 18 वर्ष या इससे ऊपर (b) 19 वर्ष या इससे ऊपर (c) 21 वर्ष या इससे ऊपर (d) कम–से–कम 25 वर्ष **(c)**

✦ **निम्नलिखित में से ग्राम पंचायत की आय का स्रोत कौनसा नही है?**
(a) सम्पत्ति कर (b) भवन कर (c) भूमि कर (d) वाहन कर **(a)**

✦ **भारत में नागरिकता प्राप्त करने का नियम कौन बनाता है?**
(a) राष्ट्रपति (b) राज्यपाल (c) मुख्य चुनाव आयुक्त (d) प्रधानमंत्री **(a)**

✦ **उच्च न्यायालय अथवा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा हेतु जारी समादेश को क्या कहते हैं?**
(a) परमादेश (b) अधिकार पृच्छा (c) उत्प्रेषण लेख (d) बन्दी उपस्थापक **(a)**

✦ **14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को जोखिम भरे काम पर न लगाना किस अधिकार के प्रति संरक्षण है?**
(a) शोषण के विरूद्ध (b) दैहिक स्वतंत्रता का अधिकार
(c) शिक्षा का अधिकार (d) रोजगार का अधिकार **(a)**

✦ **भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में लिखा है कि '14 बर्ष से कम आयु का बालक किसी भी फैक्ट्री या खान या अन्य कोई जोखिम पूर्ण रोजगार में कार्य नही करेगा।'?**
(a) अनुच्छेद 24 (b) अनुच्छेद 45 (c) अनुच्छेद 330 (d) अनुच्छेद 368 **(a)**

✦ **मूल कर्तव्यों का वर्णन संविधान के किस अनुच्छेद में है?**
(a) अनु. 51 (b) अनु. 51 (c) अनु. 51–क (d) अनु. 24–ख **(c)**

✦ **मानवीय अधिकारों की प्रतिष्ठा के लिए महात्मा गांधी के पथ का अनुसरण करने वाले अफ्रीकी नेता कौन हैं?**
(a) क्वामे एनक्रूमा (b) जोमो केन्याटा (c) पेट्रिस लुमुम्बा (d) नेल्सन मंडेला **(d)**

✦ **वर्ष 2005 में 'सूचना के अधिकार' की परिपाटी में अग्रणी व्यक्ति कौन हैं?**
(a) सुंदरलाल बहुगुणा (b) मेधा पाटेकर (c) राजेन्द्रसिंह (d) अरूणा राय **(d)**

✦ **मौलिक अधिकार के रक्षक के रूप में कार्य करता है-**
(a) सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालय (b) केवल सर्वोच्च न्यायालय (c) राष्ट्रपति (d) केवल उच्च न्यायालय **(a)**

✦ **स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे-**
(a) डॉ. राजेन्द्रप्रसाद (b) एम.के. गांधी (c) डॉ.एस. राधकृष्णन (d) पं. नेहरू **(a)**

✦ **भारत के प्रथम तीन राष्ट्रपतियों का समय के अनुसार पहले से बाद का क्रम है**
(a) डॉ. राजेन्द्रप्रसाद, डॉ. जाकिर हुसैन, डॉ.एस. राधकृष्णन (b) डॉ. राजेन्द्रप्रसाद, डॉ. एस.राधकृष्णन, डॉ. जाकिर हुसैन
(c) डॉ.एस. राधकृष्णन, डॉ. राजेन्द्रप्रसाद, डॉ. जाकिर हुसैन (d) इनमें से कोई नही **(b)**

✦ **भारत के निम्न राष्ट्रपति निर्विरोध चुने गये-**
(a) नीलम संजीव रेड्डी (b) डॉ. राजेन्द्रप्रसाद (c) डॉ. शंकरदयाल शर्मा (d) डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम **(a)**

✦ **जब राष्ट्रपति को अपने पद से इस्तीफा देना हो, तो वह त्यागपत्र किसे संबोधित कर प्रेषित करता है?**
(a) प्रधानमंत्री को (b) भारत के मुख्य न्यायाधीश को (c) उपराष्ट्रपति को (d) लोकसभा के स्पीकर को **(c)**

✦ **यदि राष्ट्रपति का पद खाली है तो उसे कितनी अवधि के अन्दर भरना आवश्यक है**
(a) 1 वर्ष (b) 2 वर्ष (c) 3 वर्ष (d) 6 महीने **(d)**

Haldighati Competition Classes Gangapur City

✦ **यदि किसी कारणवश राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति दोनों का पद खाली रहता है तो राष्ट्रपति के कार्यों को कौन संपादित करेगा**

(a) महान्यायवादी (b) लोकसभा का सभापति (c) भारत का मुख्य न्यायाधीश (d) मुख्य निर्वाचन अधिकारी **(c)**

✦ **किसी भी विधि के लिए सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श मांगने का अधिकार किसका है?**

(a) राष्ट्रपति (b) उच्च न्यायालय (c) राज्यपाल (d) उपर्युक्त सभी **(a)**

✦ **किस अनुच्छेद के तहत सर्वोच्च न्यायालय से राष्ट्रपति परामर्श मांग सकता है?**

(a) 137 (b) 143 (c) 136 (d) 144 **(b)**

✦ **राष्ट्रपति राज्यों में निम्नलिखित के तहत राष्ट्रपति शासन आरोपित करता है-**

(a) अनुच्छेद 256 (2) (b) अनुच्छेद 352 (c) अनुच्छेद 356 (d) अनुच्छेद 370 **(c)**

✦ **राष्ट्रपति को पद की शपथ कौन दिलाता है?**

(a) लोकसभाध्यक्ष (b) प्रधानमंत्री

(c) उपराष्ट्रपति (d) भारत के मुख्य न्यायाधीश **(d)**

✦ **राष्ट्रपति का अभिभाषण तैयार किया जाता है-**

(a) राष्ट्रपति के विशेष सचिव द्वारा (b) संसदीय मामलों के मंत्री द्वारा

(c) लोकसभा के स्पीकर तथा राज्य सभा के सभापति द्वारा संयुक्त रूप से

(d) प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमडल द्वारा **(d)**

✦ **युद्ध की घोषणा या शान्ति का फैसला करने में कानूनी रूप से सक्षम है-**

(a) राष्ट्रपति (b) संसद (c) मंत्रिपरिषद् (d) प्रधानमंत्री **(a)**

✦ **भारत के रक्षा संगठन का सर्वोच्च कमाण्डर है-**

(a) रक्षा मंत्री (b) प्रधानमंत्री (c) सेना प्रमुख (d) राष्ट्रपति **(d)**

✦ **निम्नलिखित में से किसे भारत का राष्ट्रपति बनने से पहले भारत रत्न पुरस्कार मिला था?**

(a) डॉ. जाकिर हुसैन (b) डॉ. राजेन्द्रप्रसाद

(c) डॉ. वी.वी. गिरी (d) डॉ. एस. राधाकृष्णन **(d)**

✦ **निम्नलिखित में से कौन भारत के राष्ट्रपति के चुनाव में भाग नही लेता?**

(a) राज्य सभा (b) लोक सभा (c) विधान सभा (d) विधान परिषद् **(d)**

✦ **राष्ट्रपति के चुनाव में भाग लेने वाले निर्वाचक मण्डल में होता है-**

(a) लोकसभा का सदस्य (b) राज्यसभा का सदस्य

(c) लोकसभा, राज्यसभा एवं सभी राज्यों के विधानसभा के निर्वाचित सदस्य

(d) सभी राज्यों के विधनमण्डलों के सदस्य **(c)**

✦ **भारत के राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए न्यूनतम निर्धारित आयु कितनी है?**

(a) 21 वर्ष (b) 40 वर्ष (c) 30 वर्ष (d) 35 वर्ष **(d)**

✦ **भारत का राष्ट्रपति सदस्य है.....का**

(a) लोकसभा (b) राज्यसभा (c) किसी विधानसभा (d) इनमें से कोई नहीं **(d)**

✦ **निम्नलिखित में से किसने भारत के कार्यकारी राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सम्भाला?**

(a) वी.वी. गिरी (b) एच.एम. हिदायतुल्ला (c) बी.डी. जत्ती (d) उपर्युक्त सभी **(b)**

✦ **आल इंडिया सर्विसेज के सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है?**

(a) राष्ट्रपति (b) केन्द्रीय गृहमंत्री

(c) केन्द्रीय लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष (d) भारत का महान्यायवादी **(a)**

✦ **राष्ट्रपति लोक सभा को भंग कर सकता है-**

(a) प्रधानमंत्री की सलाह पर (b) उपराष्ट्रपति की सलाह पर

(c) लोकसभा अध्यक्ष की सलाह पर (d) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सलाह पर **(a)**

✦ **भारत के राष्ट्रपति का चुनाव कितने वर्षों के लिए किया जाता है?**

Hajipati Competitive Classes Gangapur City

(a) 6 वर्ष (b) 5 वर्ष (c) 4 वर्ष (d) 3 वर्ष **(b)**

- **याचिका जैसे कि परमादेश, बन्दी प्रत्यक्षीकरण जारी किए जाते हैं-**
(a) राष्ट्रपति द्वारा (b) भारत के महान्यायवादी द्वारा (c) उच्च न्यायालयों द्वारा (d) मंत्रिमण्डल द्वारा **(c)**
- **राष्ट्रपति को हटाया जा सकता है-**
(a) अविश्वास प्रस्ताव लाकर (b) संविधान संशोधन से (c) कानूनी कार्यवाही से (d) महाभियोग से **(d)**
- **राज्य सभा का अध्यक्ष.........होता है।**
(a) राष्ट्रपति (b) उपराष्ट्रपति (c) प्रधानमंत्री (d) लोकसभाध्यक्ष **(b)**
- **भारत का उपराष्ट्रपति किसका पदेन सभापति होता है?**
(a) लोकसभा (b) विधानसभा (c) राज्यसभा (d) इनमें से कोई नही **(c)**
- **भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति कौन थे?**
(a) जाकिर हुसैन (b) डॉ.एस. राधाकृष्णन (c) वी.वी.गिरी (d) जी.एस.पाठक **(b)**
- **उपराष्ट्रपति का कार्यकाल है-**
(a) 5 वर्ष (b) 6 वर्ष (c) 7 वर्ष (d) 4 वर्ष **(a)**
- **राष्ट्रपति राज्यपाल की नियुक्ति में किसकी सलाह लेता है?**
(a) प्रधानमंत्री की (b) मुख्य न्यायाधीश की (c) मुख्यमंत्री की (d) अध्यक्ष की **(a)**
- **अवित्तीय विधेयक को राष्ट्रपति कितनी बार लौटा सकता है?**
(a) एक बार (b) दो बार (c) तीन बार (d) एक बार भी नही **(a)**
- **भारत का प्रथम नागरिक किसे कहते हैं?**
(a) भारत का राष्ट्रपति (b) भारत का प्रधानमंत्री (c) महात्मा गांधी (d) डॉ.बी.आर.अम्बेडकर **(a)**
- **भारत का राष्ट्रपति बनने वाला प्रथम आसामी कौन था?**
(a) सैयद अनोवर तैमूर (b) गोपीनाथ बॉरदोलोई (c) फखरूदीन अली अहमद (d) सैयद अब्दुल मलिक **(c)**
- **उपराष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए संकल्प किसके द्वारा पेश किया जाता है?**
(a) राज्यसभा (b) लोकसभा (c) राष्ट्रपति (d) प्रधानमंत्री **(a)**
- **अपनी पदावधि समाप्त होने से पूर्व उपराष्ट्रपति को उसके पद से हटाने वाला प्राधिकार कौन है?**
(a) राज्यसभा (b) लोकसभा (c) संसद (d) उच्चतम न्यायालय **(a)**
- **राष्ट्रपति लोकसभा में किस समुदाय के बीच से दो लोगों को मनोनीत करता है?**
(a) बौद्ध भिक्षुओं (b) पारसियों (c) एंग्लो इंडियन्स (d) इनमें से कोई नही **(c)**
- **अनुच्छेद 79 के अनुसार संसद का अभिन्न अंग होता है-**
(a) राष्ट्रपति (b) राज्यसभा (c) लोकसभा (d) उपरोक्त तीनों **(d)**
- **प्रधानमंत्री कैसे बनाया जाता है?**
(a) निर्वाचन के द्वारा (b) मनोनयन के द्वारा (c) नियुक्ति के द्वारा (d) भर्ती के द्वारा **(c)**
- **राज्यसभा में राष्ट्रपति द्वारा कितने सदस्य नामजद किए जाते हैं?**
(a) 12 (b) 15 (c) 10 (d) 20 **(a)**
- **संसद का ऊपरी सदन कौनसा है?**
(a) लोकसभा (b) राज्यसभा (c) विधानसभा (d) विधानपरिषद् **(b)**
- **संसद के दो अधिवेशन का समयान्तर..........से अधिक नही होना चाहिए-**
(a) 9 माह (b) 1 माह (c) 3 माह (d) 6 माह **(d)**
- **संसद के किसी भी सदन की अंतिम बैठक एवं उसी सदन की प्रथम बैठक के बीच अधिकतम समयांतराल कितना हो सकता है?**
(a) तीन महिने (b) चार महिने (c) पांच महिने (d) छह महिने **(d)**
- **संविधान के अनुच्छेद 85 के अनुसार संसद के दो सत्रों के बीच का समय-अंतराल किससे अधिक नही होना चाहिए?**
(a) छः महिना (b) तीन महिना (c) एक महिना (d) 15 दिन **(a)**

Balaghati Competition Classes Gangapur City

✦ **सदन के कुल सदस्यों का कितना भाग वैधानिक चैम्बर की मीटिंग बुलाने के लिए आवश्यक गणपूर्ति (कोरम) है?**
(a) 1/10 (b) 1/6 (c) 1/4 (d) 1/3 **(a)**

✦ **लोकसभा में किसी राजनीतिक पार्टी को विरोधी पार्टी की स्थिति प्राप्त करने के लिए न्यूनतम कितनी सीटें प्राप्त करनी होती हैं?**
(a) 10% (b) 15% (c) 00% (d) इनमें से कोई नही **(a)**

✦ **दोनों सदनों में प्रत्येक बैठक के प्रथम एक घंटे प्रश्नों को पूछने एवं उत्तर देने में लगाए जाते हैं, जिसे माना जाता है**
(a) शून्यकाल (b) प्रश्नकाल (c) आधे घंटे विचार–विमश (d) गिलोटिन **(b)**

✦ **लोकसभा अध्यक्ष अन्य सदस्य को बोलने देने के लिए किसी एक सदस्य से बोलना बन्द करने के लिए कह सकता है यह व्यवस्था जानी जाती है?**
(a) शिष्टाचार (b) क्रासिंग द फ्लोर (c) प्रश्नोत्तर (d) इलिडिंग द फ्लोर **(a)**

✦ **भारत की संसद में सत्र के दौरान शून्यकाल की अधिकतम अवधि कितनी निर्धारित की गई है?**
(a) 30 मिनट (b) 1 घण्टा (c) 2 घण्टा (d) उल्लेखित नही है **(b)**

✦ **निम्नलिखित में से कौन लोकसभा के प्रथम प्रवक्ता थे?**
(a) सरदार हुकमसिंह (b) एम.ए. आयंगर (c) जी.एस. ढिल्लो (d) जी.वी. मावलंकर **(d)**

✦ **कोई विधेयक धन विधेयक है या नही, यह कौन बताता है?**
(a) राष्ट्रपति (b) लोकसभाध्यक्ष (c) प्रधनमंत्री (d) उपराष्ट्रपति **(b)**

✦ **बजट पहले किसके द्वारा पारित किया जाता है?**
(a) लोकसभा (b) राज्यसभा
(c) उपर्युक्त में से किसी के भी द्वारा (d) उपर्युक्त में से किसी के द्वारा नही **(a)**

✦ **जब न तो लोकसभा के अध्यक्ष और न ही उपाध्यक्ष उपलब्ध हों तो ऐसी स्थिति में लोकसभा की अध्यक्षता कौन** करता है?
(a) लोकसभा अध्यक्ष द्वारा चुने गये पीठासीन अधिकारियों के पैनल का कोई सदस्य
(b) राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत सदस्य (c) लोकसभा का वरिष्ठतम् सदस्य
(d) केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री **(a)**

✦ **लोकसभा के निर्वाचन के लिए न्यूनतम आयु है-**
(a) 30 वर्ष (b) 35 वर्ष (c) 21 वर्ष (d) 25 वर्ष **(d)**

✦ **संसद के सदस्य होने के लिए न्यूनतम आयु कितनी होनी चाहिए?**
(a) 20 वर्ष (b) 25 वर्ष (c) 30 वर्ष (d) 35 वर्ष **(b)**

✦ **लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या हो सकती है-**
(a) 550 (b) 552 (c) 530 (d) 545 **(b)**

✦ **कितने दिनों तक यदि लोकसभा का कोई सदस्य बिना सदन की अनुमति के सदन की बैठकों से अनुपस्थिति रहता है, तो उसे आयोग्य ठहराया जाएगा?**
(a) 30 दिन (b) 45 दिन (c) 60 दिन (d) 90 दिन **(c)**

✦ **राज्य सभा के सदस्य का कार्यकाल होता है-**
(a) 4 वर्ष (b) 5 वर्ष (c) 6 वर्ष (d) 10 वर्ष **(c)**

✦ **राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत किए जाने वाले सदस्यों की अधिकतम संख्या है-**
(a) 2 (b) 4 (c) 6 (d) 12 **(d)**

✦ **प्रति दो वर्ष में राज्यसभा के कितने सदस्य कार्यनिवृत्त होते हैं-**
(a) आधे (b) एक–तिहाई (c) एक–चौथाई (d) पांचवां भाग **(b)**

✦ **81 वर्ष की आयु में भारत के प्रधानमंत्री बनने वाले व्यक्ति थे-**
(a) देवगौड़ा (b) चरणसिंह (c) नरसिम्हा राव (d) मोरार जी देसाई **(d)**

✦ **किस प्रधानमंत्री ने 'समाजवाद' की विचारधारा को आगे बढाया?**
(a) जवाहरलाल नेहरू (b) लालबहादुर शास्त्री (c) इन्दिरा गांधी (d) मोरारजी देसाई **(a)**

Gangapur City Competition Classes Gangapur City

✦ **राज्यसभा के लिए नामित/निर्वाचित प्रथम फिल्म अभिनेत्री कौन थीं?**
(a) नरगिस दत्त (b) वैजयन्तीमाला (c) हेमा मालिनी (d) जयललिता **(a)**

✦ **किस पहली मशहूर हस्ती की 'लाभ के पद' के मुद्दे पर राज्यसभा कि सदस्यता छीन ली गई थी?**
(a) अमरसिंह (b) जयाप्रदा (c) मुलायमसिंह यादव (d) जया बच्चन **(d)**

✦ **लोकसभा के पहले आम चुनाव कब हुए थे?**
(a) 1952 (b) 1954 (c) 1935 (d) 1950 **(a)**

✦ **निम्नलिखित लोकसभाओं में से किसने पांच वर्षों से अधिक की अवधि तक कार्य किया?**
(a) चौथी (b) पांचवीं (c) छठी (d) आठवीं **(b)**

✦ **निम्नलिखित में से किस वर्ष में भारत में संसदीय चुनाव नही हुए?**
(a) 1996 (b) 1997 (c) 1998 (d) 1999 **(b)**

✦ **राज्यसभा की सदस्यता के लिए न्यूनतम उम्र सीमा है-**
(a) 30 वर्ष (b) 40 वर्ष (c) 35 वर्ष (d) 50 वर्ष **(a)**

✦ **लोकसभा व राज्यसभा की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता निम्नलिखित में से कौन करता है?**
(a) लोकसभा का अध्यक्ष (b) राष्ट्रपति
(c) राज्यसभा का सेनापति (d) दोनों सदनों में वरिष्ठतम सदस्य **(a)**

✦ **लोकसभा का अध्यक्ष-**
(a) राष्ट्रति द्वारा मनोनीत किया जाता है (b) प्रधानमंत्री द्वारा मनोनीत किया जाता है
(c) उपराष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किया जाता है (d) इनमें से कोई नही **(d)**

✦ **मंत्रिमण्डल की बैठक की अध्यक्षता कौन करता है?**
(a) राष्ट्रपति (b) उपराष्ट्रपति (c) लोकसभा अध्यक्ष (d) प्रधानमंत्री **(d)**

✦ **राज्यसभा द्वारा लोकसभा को धन विधेयक कितने समय में लौटा दिये जाने चाहिए?**
(a) एक महिना (b) तीन महिने (c) 14 दिन (d) छः महिने **(c)**

✦ **राज्यसभा द्वारा अनुमोदन नही किए जाने के बावजूद निम्न प्रकार के विधेयकों में से कौनसा विधेयक कानून (लॉ) बन सकता है**
(a) वित्त विधेयक (b) सामाजिक सुधारों से सम्बन्धित विधेयक
(c) समवर्ती सूची में सम्बन्धित विधेयक (d) संवैधानिक संशोधन विधेयक **(a)**

✦ **निम्नलिखित में से कौनसा अधिकार केवल राज्यसभा को प्राप्त है?**
(a) राष्ट्रपति के विरूद्ध महाभियोग की कार्यवाही शुरू करना
(b) नवीन अखिल भारतीय सेवाओं को शुरू करने का अनुमोदन करना
(c) उपराष्ट्रपति को (उसके पद से) हटा देना **(b)**

✦ **लोकसभा का 5 वर्ष का सामान्य कार्यकाल समाप्त होने से पहले इसे कौन भंग कर सकता है?**
(a) प्रधानमंत्री (b) राष्ट्रपति स्वतः
(c) राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की सिफारिश पर (d) राष्ट्रपति अध्यक्ष की सिफारिश पर **(c)**

✦ **लगातार दो बार निर्वाचित निम्नलिखित में से भारत के प्रधानमंत्री-**
(a) जवाहरलाल नेहरू (b) मोरारजी देसाई (c) वी.पी. सिंह (d) पी.वी.नरसिंहाराव **(a)**

✦ **संसद में प्रस्तुत बिल एक अधिनियम बन जाता है-**
(a) दोनों सदनों द्वारा पास हो जाने के बाद (b) राष्ट्रपति की सहमति मिल जाने के बाद
(c) प्रधानमंत्री के हस्ताक्षर हो जाने के बाद
(d) संघ संसद के समकक्ष आ जाने के बाबत् उच्चतम न्यायालय की घोषणा के बाद **(b)**

✦ **निम्नलिखित में से किस विधेयक को संसद के प्रत्येक सदन द्वारा अलग अलग विशिष्ट बहुमत से पारित होना चाहिए?**
(a) साधारण विधेयक (b) धन विधेयक (c) वित्त विधेयक (d) संविधान संशोधन विधेयक **(d)**

Gangapur City Competition Classes

✦ **जब संसद के दोनों सदनों में किसी साधारण विधेयक में मतभेद हो, तो इस गतिरोध को....द्वारा सुलझाया जाता है-**
(a) दोनों सदनों की संयुक्त बैठक (b) उच्चतम न्यायालय की संविधानिक न्यायपीठ
(c) भारत के राष्ट्रपति (d) लोकसभा के अध्यक्ष **(a)**

✦ **राज्यसभा और लोकसभा की संयुक्त बैठक कौन बुलाता है?**
(a) राष्ट्रपति (b) लोकसभाध्यक्ष (c) राज्यसभा का अध्यक्ष (d) प्रधानमंत्री **(a)**

✦ **नये राज्यों का निर्माण अथवा विद्यमान राज्यों की सीमाओं को परिवर्तित करने का अधिकार होता है-**
(a) राष्ट्रपति को (b) संसद को (c) निर्वाचन आयोग को (d) इनमें से कोई नही **(b)**

✦ **संघीय मंत्रिपरिषद् अपने आचरण के लिए किसके प्रति उत्तरदायी होती है?**
(a) राष्ट्रपति (b) लोकसभा (c) राज्यसभा (d) संसद **(b)**

✦ **सामूहिक रूप से मंत्रिपरिषद.....के प्रति उत्तरदायी होती है?**
(a) भारत के राष्ट्रपति (b) संसद (c) प्रधानमंत्री (d) राज्यसभा **(b)**

✦ **प्रधानमंत्री पद के लिए भारतीय संविधान में निर्धारित अर्हताओं के अनुसार उम्मीदवार की न्यूनतम आयु कितनी होनी चाहिये?**
(a) 25 वर्ष (b) 30 वर्ष (c) 35 वर्ष (d) 18 वर्ष **(a)**

✦ **निम्नलिखित में से कौनसा विधेयक राज्यसभा में पहले प्रस्तुत नही किया जा सकता?**
(a) धन विधेयक
(b) उच्चतम न्यायालय या राज्य न्यायपालिका के अधिकारों से सम्बन्धित विधेयक
(c) युद्ध अथवा बाह्य आक्रमण के कारण उत्पन्न आपातकालीन स्थिति घोषित करने वाला विधेयक
(d) राज्य को आपात नियमों के अधीन लाने वाला विधेयक **(a)**

✦ **निम्नलिखित में से किसका चुनाव निर्वाचन आयोग के द्वारा नहीं किया जाता है?**
(a) राष्ट्रपति (b) उपराष्ट्रपति (c) मुख्यमंत्री (d) इनमें से कोई नही **(c)**

✦ **भारत के पहले उपप्रधानमंत्री कौन थे?**
(a) जवाहरलाल नेहरू (b) लालबहादुर शास्त्री (c) सरदार पटेल (d) मोरारजी देसाई **(c)**

✦ **गैर-सदस्य के रूप में संसद के किसी भी सदन की कार्यवाही में कौन भाग ले सकता है?**
(a) उपराष्ट्रपति (b) मुख्य न्यायमूर्ति
(c) महान्यायवादी (d) भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक **(c)**

✦ **भारत के सर्वोच्च न्यायालय का एक न्यायाधीश कितनी आयु तक अपने पद पर रह सकता है?**
(a) 65 वर्ष (b) 60 वर्ष (c) 62 वर्ष (d) 58 वर्ष **(a)**

✦ **उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि करने की शक्ति किसके पास है?**
(a) संसद (b) राष्ट्रपति (c) प्रधनमंत्री (d) विधि मंत्रालय **(a)**

✦ **उच्चतम न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त अन्य न्यायाधीशों की संख्या कितनी है?**
(a) 18 (b) 28 (c) 25 (d) 30 **(d)**

✦ **भारतीय संविधान के किस भाग में संघीय न्यायपालिका का उल्लेख है?**
(a) भाग–2 (b) भाग–3 (c) भाग–4 (d) भाग–5 **(d)**

✦ **इलाहाबाद उच्च न्यायालय की स्थापना कब हुई थी?**
(a) 1865 (b) 1866 (c) 1867 (d) 1916 **(b)**

✦ **न्यायालय के 'प्रारम्भिक क्षेत्राधिकार' से तात्पर्य है-**
(a) मृत्युदंड देने का अधिकार (b) विदेशों में होने वाले सामानों की सुनवाई की योग्यता
(c) पहली बार (सीधे) मामले की सुनवाई की योग्यता (d) सरकार को कानूनी मामलों पर सलाह देने की शक्तियां **(c)**

✦ **किसने लाभ के पद की परिभाषा दी है?**
(a) संसद ने (b) सर्वोच्च न्यायालय ने (c) मंत्रिपरिषद ने (d) संविधान ने **(b)**

✦ **उच्चतम न्यायालय अपने दिये हुए फैसले पर पुनर्विलोकन किस अनुच्छेद के अधीन करता है?**

Haldighati Competitive Classes Gangapur City

(a) अनुच्छेद 130 (b) अनुच्छेद 132 (c) अनुच्छेद 137 (d) अनुच्छेद 139 **(c)**

✦ **उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति कौन करता है?**

(a) राज्यपाल (b) राष्ट्रपति (c) मुख्यमंत्री (d) प्रधनमंत्री **(b)**

✦ **भारतीय दंड संहिता की धारा 302 निम्न से संबंधित है-**

(a) हत्या से (b) आत्महत्या से (c) डकैती से (d) अपहरण से **(a)**

✦ **सर्वोच्च न्यायालय में यदि कोई व्यक्ति आता है, तो वह आवेदन करेगा-**

(a) अपनी मातृभाषा में (b) अंग्रेजी में
(c) आठवीं अनुसूची में दर्ज किसी भाषा में (d) इनमें से कोई नही **(b)**

✦ **भारत में उच्च न्यायालयों की कुल संख्या है-**

(a) 20 (b) 25 (c) 18 (d) 24 **(d)**

✦ **एक राज्य जहां किसी सरकार का राज्य नही होता है, वह राज्य कहलाता है-**

(a) डायार्की (b) प्लूटोक्रेसी (c) ऑटोक्रेसी (d) एनार्की **(d)**

✦ **उस संविधान संशोधन, का नाम बतावें जिसके द्वारा तीन नये राज्य छत्तीसगढ, उत्तरांचल तथा झारखण्ड का गठन हुआ?**

(a) 81वां संविधन संशोधन, 1999 (b) 82वां संविधन संशोधन, 2000
(c) 83वां संविधन संशोधन, 2000 (d) 84वां संविधन संशोधन, 2000 **(d)**

✦ **संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा दिया गया है?**

(a) अनुच्छेद 368 (b) अनुच्छेद 370 (c) अनुच्छेद 371 (d) अनुच्छेद 356 **(b)**

✦ **संविधान के किस अनुच्छेद में यह कहा गया है कि प्रत्येक राज्य प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा प्रदान किए जाने के लिए पर्याप्त सुविधाऐं उपलब्ध कराएगा?**

(a) अनुच्छेद 349 (b) अनुच्छेद 350 (c) अनुच्छेद 350ए (d) अनुच्छेद 351 **(b)**

✦ **किस राज्य में विधानसभा के सदस्यों की संख्या सर्वाधिक है?**

(a) उत्तरप्रदेश (b) मध्यप्रदेश (c) बिहार (d) राजस्थान **(a)**

✦ **केन्द्रशासित प्रदेश का दैनिक प्रशासन देखते हैं-**

(a) केन्द्रीय गृहमंत्री (b) लेफ्टिनेंट गवर्नर (c) राष्ट्रपति (d) गृह राज्यमंत्री **(b)**

✦ **किस राज्य ने उर्दू को राजकाज की भाषा के रूप में अंगीकार किया है**

(a) राजस्थान (b) मध्यप्रदेश (c) आन्ध्रप्रदेश (d) जम्मू–कश्मीर **(d)**

✦ **किसी राज्य में राज्यपाल की नियुक्ति की न्यूनतम आयु होती है-**

(a) 25 वर्ष (b) 30 वर्ष (c) 35 वर्ष (d) 50 वर्ष **(c)**

✦ **भारत के किसी राज्य की राज्यपाल बनने वाली पहली महिला थीं-**

(a) राजकुमारी अमृत कौर (b) पद्मजा नायडू (c) सरोजनी नायडू (d) सरला ग्रेवाल **(c)**

✦ **राज्यपाल का कार्यकाल होता है-**

(a) पांच वर्ष का (b) अनिश्चित काल का(c) तीन वर्ष का (d) छः वर्ष का **(a)**

✦ **राज्य परिषद के 1/3 सदस्य प्रत्येक कितने समय पर अवकाश प्राप्त करते हैं?**

(a) 6 वर्ष (b) 4 वर्ष (c) 2 वर्ष (d) 3 वर्ष **(c)**

✦ **राज्य के राज्यपाल की सेवानिवृत्ति किस आयु में होती है?**

(a) 60 वर्ष (b) 62 वर्ष (c) 65 वर्ष (d) आयु सीमा नहीं है **(d)**

✦ **निम्न में से किस राज्य में द्विसदनात्मक विधायिका नही है?**

(a) बिहार (b) कर्नाटक (c) राजस्थान (d) महाराष्ट्र **(c)**

✦ **भारतीय राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री थीं-**

(a) सुचेता कृपलानी (b) विजयलक्ष्मी पण्डित (c) नंदिनी सत्पथी (d) सरोजिनी नायडू **(a)**

✦ **सिक्किम को राज्य का दर्जा कब प्राप्त हुआ?**

Haldighati Competition Classes Gangapur City

(a) 1973 (b) 1971 (c) 1975 (d) 1966 **(c)**

✦ **किस राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश में पंजाबी एवं उर्दू को दूसरे राज्यभाषा का दर्जा प्राप्त है?**

(a) पंजाब (b) दिल्ली (c) बिहार (d) हरियाणा **(b)**

✦ **किसी राज्य में विधानसभा में कम से कम कितने सदस्य हो सकते हैं?**

(a) 60 (b) 70 (c) 80 (d) 50 **(a)**

✦ **राज्य विधानसभा में सदस्यों की अधिकतम संख्या कितनी होनी चाहिए?**

(a) 205 (b) 300 (c) 450 (d) 500 **(d)**

✦ **गवर्नर द्वारा जारी किया गया अध्यादेश किसके द्वारा मंजूर किया जाता है?**

(a) राष्ट्रपति (b) विधान मण्डल के (c) विधानसभा के (d) मुख्यमंत्री के **(b)**

✦ **पंचायत स्तर पर राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व कौन करता है?**

(a) ग्राम सेवक (b) मुखिया (c) सरपंच (d) पंचायत समिति **(a)**

✦ **विधान परिषद का सदस्य बनने के लिए निर्धारित न्यूनतम आयु है-**

(a) 18 वर्ष (b) 30 वर्ष (c) 20 वर्ष (d) 25 वर्ष **(b)**

✦ **विधानसभा के दो सत्रों के बीच का अंतराल कितने दिनों का होता है?**

(a) 6 माह (b) 2 माह (c) 3 माह (d) 1 माह **(a)**

✦ **राज्य का उच्चतम विधि अधिकारी निम्नलिखित में से कौन है?**

(a) अटार्नी जनरल (b) एडवोकेट जनरल

(c) सॉलिसिटर जनरल (d) विधि विभग का सेक्रेटरी जनरल **(b)**

✦ **भारत का मुख्य निर्वाचन आयुक्त अपना पद धारण करता है**

(a) 6 वर्ष के लिए (b) राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त

(c) 6 वर्ष के लिए या 65 वर्ष की आयु, इनमें जो कोई भी हो पहले हो, उस तक

(d) 5 वर्ष के लिए या 60 वर्ष की आयु, इनमें जो कोई भी पहले हो, उस तक **(c)**

✦ **भारत के प्रथम चुनाव आयुक्त थे.....**

(a) के.वी.के. सुन्दरम् (b) सुकुमार सेन (c) एस.पी. सेन वर्मा (d) टी. स्वामीनाथन **(b)**

✦ **निर्वाचन आयुक्त की सेवा शर्तें तथा कार्यकाल निश्चित करता है-**

(a) संविधन (b) संसद (c) राष्ट्रपति (d) सरकार **(c)**

✦ **वोट देने के लिए न्यूनतम आयु सीमा क्या है?**

(a) 18 वर्ष (b) 21 वर्ष (c) 20 वर्ष (d) 16 वर्ष **(a)**

✦ **भारत में कब पहली बार राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया गया था?**

(a) 1962 ई. में (b) 1966 ई. में (c) 1978 ई. में (d) 1987 ई. में (a)

✦ **राष्ट्रीय आपातकाल के समय लोकसभा की अवधि को प्रथम बार राष्ट्रपति द्वारा कितने समय के लिए बढाया जा सकता है?**

(a) तीन महिने (b) छः महिने (c) नौ महिने (d) बारह महिने **(b)**

✦ **वित्तीय आपात प्रथम बार कितने दिनों तक लगाया जाता है?**

(a) 6 माह (b) 2 माह (c) 14 दिन (d) 1 माह **(b)**

✦ **राज्य में आपातकाल के समय राज्य का शासन किसके हाथ में रहता है?**

(a) राष्ट्रपति (b) मुख्यमंत्री (c) प्रधानमंत्री (d) मुख्य न्यायाधीश **(a)**

✦ **आन्तरिक अशान्ति के कारण किस वर्ष राष्ट्रीय आपात लागू किया गया?**

(a) 1952 (b) 1965 (c) 1975 (d) 1978 **(c)**

✦ **संविधान के किस अनुच्छेद में संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार प्रदान किया गया है?**

(a) अनुच्छेद 370 (b) अनुच्छेद 368 (c) अनुच्छेद 390 (d) अनुच्छेद 376 **(b)**

✦ **निम्नलिखित में से कौनसा संविधान संशोधन यह कहता है कि ग्राम पंचायत में 1/3 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए-**

Gangapur City Digital Competition Classes

(a) 81वां (b) 84वां (c) 71वां (d) 73वां **(d)**

- **किस संवैधानिक संशोधन बिल द्वारा भारत में मतदान की आयु 21 साल से घटाकर 18 साल कर दी गई थी?**

(a) 48वां (b) 57वां (c) 61वां (d) 63वां **(c)**

- **किस संवैधानिक संशोधन ने मूलभूत अधिकारों के ऊपर निदेशक सिद्धान्त का आधिपत्य दिया?**

(a) 42वां संशोधन (b) 16वां संशोधन (c) 44वां संशोधन (d) 25वां संशोधन **(a)**

- **गोवा राज्य का निर्माण किस संविधान संशोधन के द्वारा हुआ था?**

(a) 52वां (b) 58वां (c) 56वां (d) 73वां **(c)**

- **किस संवैधानिक संशोधन द्वारा 6 वर्ष और 14 वर्ष के बीच के सभी बच्चों के लिए शिक्षा को मूल अधिकार बनाया गया है?**

(a) 93वां (b) 63वां (c) 73वां (d) 83वां **(a)**

- **पिट्स इंडिया एक्ट कब लागु हुआ था**

(a) 1733 (b) 1784 (c) 1853 (d) 1858 **(b)**

- **'चतुर्थ स्तंभ' (फोर्थ इस्टेट) शीर्षक पद का प्रयोग निम्न में से किसे इंगित करने के लिए होता है?**

(a) संसद (b) न्यायपालिका (c) कार्यपालिका (d) प्रेस तथा समाचार पत्र **(d)**

- **संविधान की आठवीं अनुसूची में कितनी भाषाऐं हैं?**

(a) 22 (b) 14 (c) 16 (d) 17 **(a)**

- **संविधान में संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी को कब मान्यता मिली?**

(a) 1947 (b) 1950 (c) 1949 (d) 1945 **(c)**

- **निम्नलिखित कौन से विषय भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में वर्णित संघीय सूची में शामिल नही है?**

(a) रेलवे (b) बैंकिंग (c) सिक्का ढलाई (d) मछली उद्योग **(d)**

- **'रेलवे' को किस सूची के अंतर्गत रखा गया है?**

(a) संघ सूची (b) समवर्ती सूची (c) राज्य सूची (d) (a) एवं (b) दोनों **(a)**

- **निम्नलिखित में से कौन समवर्ती सूची का विषय नही है?**

(a) समाचार–पत्र (b) परिवार नियोजन (c) कारखाना (d) लोक स्वास्थ्य **(d)**

- **संविधान के अनुच्छेद 19 में निम्नलिखित स्वतंत्रताओं में से कौनसा विशेष रूप से उल्लेखित नही है?**

(a) भाषण एवं अभिव्यक्ति की आजादी
(b) शांतिपूर्वक एवं बिना शस्त्र के सभा करने की स्वतंत्रता
(c) मुक्त रूप से घूमने की स्वतंत्रता (d) प्रेस की स्वतंत्रता **(d)**

- **भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद राष्ट्रपति को लोकसभा भंग करने की शक्ति प्रदान करता है?**

(a) अनुच्छेद 82 (b) अनुच्छेद 84 (c) अनुच्छेद 85 (d) अनुच्छेद 90 **(c)**

- **सातवीं अनुसूची में किस विषय का वर्णन है?**

(a) लोकसभा के अध्यक्ष के भत्ते और पेंशन (b) भाषाओं का उल्लेख
(c) संघसूची, राज्यसूची एवं समवर्ती सूची का वर्णन (d) पंचायती राज उल्लेख **(c)**

- **भारतीय संविधान में कितनी अनुसूचियां हैं?**

(a) 11 (b) 12 (c) 13 (d) 8 **(b)**

- **भारत में योजना आयोग की स्थापना कब की गई थी?**

(a) 1942 (b) 1947 (c) 1950 (d) 1951 **(c)**

- **निम्नलिखित में से कौनसी सांविधानिक व्यवस्था नही है?**

(a) वित्त आयोग (b) योजना आयोग (c) निर्वाचन आयोग (d) संघ लोक सेवा आयोग **(b)**

- **योजना आयोग का पदेन अध्यक्ष होता है–**

(a) भारत का राष्ट्रपति (b) भारत का प्रधानमंत्री
(c) विपक्ष का नेता (d) वित्त मंत्री **(b)**

Haldighati Competition Classes Jagapur City

✦ **नानावटी आयोग ने जांच की-**

(a) 1984 के सिक्ख विरोधी दंगों की (b) गुजरात की गोधरा त्रासदी की

(c) केन्द्र और राज्य के संबंधों की (d) क्रिकेट में मैच फिक्सिंग की **(a)**

✦ **वित्त आयोग की स्थापना किसके द्वारा होती है?**

(a) प्रधानमंत्री (b) राष्ट्रपति (c) वित्त मंत्रालय (d) योजना आयोग **(b)**

✦ **हर पांच वर्ष के अंतराल पर भारत के.....द्वारा वित्त आयोग गठित किया जाता है**

(a) योजना आयोग (b) प्रधनमंत्री (c) राष्ट्रपति (d) वित्त सचिव **(c)**

✦ **केन्द्र और राज्य में राजस्व के वितरण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निम्नलिखित निभाता है-**

(a) योजना आयोग (b) वित्त आयोग (c) राष्ट्रीय विकास परिषद (d) अंतरराष्ट्रीय परिषद **(b)**

✦ **लोक लेखा समिति अपनी वार्षिक रिपोर्ट किसे पेश करती है?**

(a) राष्ट्रपति (b) संसद (c) राज्यसभा (d) लोकसभा **(d)**

✦ **नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक के कार्यों की निगरानी कौन समिति द्वारा की जाती है**

(a) प्रक्कलन समिति (b) लोक लेखा समिति (c) राष्ट्रपति (d) प्रधानमंत्री **(b)**

✦ **संसद की निम्नलिखित स्थायी समिति में से किसमें राज्यसभा के सदस्य नही हैं?**

(a) लोक लेखा समिति (b) प्राक्कलन समिति

(c) सार्वजनिक उपक्रम समिति (d) उपरोक्त सभी समितियां **(b)**

सांसदों के बढ़े हुए वेतन-भत्ते और अन्य सुविधाएँ

सांसदों के वेतन भत्ता (संशोधन) अधिनियत, 2010 द्वारा सन् 2006 में निर्धारित वेतन भत्तों में परिवर्तन किया गया है, जो निम्न प्रकार है

मासिक मूल वेतन	50,000 रुपये
मासिक कार्यालय खर्च की सीमा	45,000 रुपये
निर्वाचन क्षेत्र का मासिक भत्ता	45,000 रुपये
दैनिक भत्ता	2,000 रुपये
ब्याज मुक्त वाहन ऋण	4,00,000 रुपये
प्रति किमी वाहन रोड़ माइलेज रेट	16 रुपये
सांसद क्षेत्रीय विकास निधि	5 करोड़ वार्षिक

Haldighati Competition Classes Gangapur City

महत्वपूर्ण पदाधिकारियों के मासिक वेतन व भत्ते

प्रधानमंत्री	1,60,000 रुपये
राष्ट्रपति	1,50,000 रुपये
उपराष्ट्रपति	1,25,000 रुपये
लोकसभाध्यक्ष	1,25,000 रुपये
राज्यपाल	1,10,000 रुपये
सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश	1,00,000 रुपये
सर्वोच्च न्यायालय के अन्य न्यायधीश	90,000 रुपये
उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश	90,000 रुपये
सर्वोच्च न्यायालय के अन्य न्यायधीश	80,000 रुपये
मुख्य चुनाव आयुक्त	90,000 रुपये
महान्यायवादी	90,000 रुपये
नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक	90,000 रुपये

This document was created with the Win2PDF “print to PDF” printer available at
http://www.win2pdf.com

This version of Win2PDF 10 is for evaluation and non-commercial use only.

This page will not be added after purchasing Win2PDF.

http://www.win2pdf.com/purchase/